इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एक साथ प्रकाशित
मूल्य ₹ 3.00
RNI. Reg. MPHIN/2016/68363

दैनिक विनय उजाला

उज्जैन
गुरुवार, 03 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-08
वर्ष : 10 | अंक : 164
कुल पृष्ठ : 12

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को दूसरे टी-20... 10

संक्षिप्त समाचार

विस्फोट में 40 मौतों की पुष्टि, एक-एक करोड़ मुआवजे का ऐलान

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के पशम्यलारम में फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट में सिगाची इंडस्ट्रीज ने 40 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। कंपनी ने मृतकों को एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा देने का एलान किया है। कंपनी की ओर से कहा गया कि इस हादसे में हमारी टीम के 40 सदस्यों की मौत हो गई और 33 से अधिक लोग घायल हो गए। कंपनी ने कहा कि दुर्घटना के बाद से ही हम आपातकालीन प्रतिक्रिया, परिवार सहायता का समन्वय कर रहे हैं। सिगाची इंडस्ट्रीज ने मृतकों के परिवारों को एक करोड़ रुपये की मुआवजा राशि देने की प्रतिबद्धता जताई है, जबकि घायलों को पूर्ण चिकित्सा और पुनर्वास सहायता मिलेगी।

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए कृत्रिम बारिश होगी, मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली और सर्दी के मौसम में होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराई जाएगी। उड्डयन महानिदेशालय ने इसकी मंजूरी दी। ट्रायल अगस्त के आखिरी सप्ताह से सितंबर के पहले हफ्ते के बीच किया जाएगा। कुल 5 ट्रायल किए जाएंगे ताकि यह समझा जा सके कि दिवाली और सितंबर के दौरान बढ़ने वाले स्मॉग को कम करने में यह तकनीक कितनी कारगर है।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना, गूंजा हर-हर महादेव

जम्मू, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा के लिए बुधवार को पहला जत्था जम्मू से रवाना हो गया। उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने भगवती नगर बेस कैंप से जत्थे को झंडी दिखाई। इस दौरान श्रद्धालु हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारे लगाते रहे। आधिकारिक तौर पर यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से होगी। वहीं, पंजाब के पठानकोट से भी यात्रियों के जत्थे को रवाना किया गया। यहां से श्रद्धालु बालटाल होकर बाबा बर्फानी की गुफा पहुंचेंगे। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

पीएम मित्रा पार्क के प्रथम चरण में विकास कार्यों की प्रक्रिया प्रारंभ : डॉ. यादव

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री मित्रा पार्क के प्रथम चरण में अधोसंरचना विकास की प्रक्रिया आरंभ होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह का हृदय से आभार माना है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा धार की 2158 एकड़ भूमि पर लगभग 2050 करोड़ की लागत से विकसित हो रहे पीएम मित्रा पार्क के लिए हाल ही में 773 करोड़ रुपए के टेंडर जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह पहल मध्यप्रदेश में कपड़ा उद्योग (टेक्सटाइल सेक्टर) को नई गति प्रदान करेगी। मध्यप्रदेश लगातार विकसित राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा दी गई पीएम मित्रा पार्क की सौगात निश्चित रूप से प्रदेश के विकास और कपड़ा उद्योग में नए युग का शुभारंभ करेगी। पीएम मित्रा पार्क में 20 एमएलडी शून्य अपशिष्ट जल निकासी संयंत्र, सौर ऊर्जा आधारित पॉवर प्लांट, प्लग एंड प्ले इकाइयां (बिल्ट टू सूट - बीटीएस) और श्रमिकों के लिए आवासीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सभी निर्माण कार्य 14 माह के भीतर पूर्ण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

शीघ्र ही भूमि आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पीएम मित्रा पार्क के लिए शीघ्र ही भूमि आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। अब तक 10 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जो उद्योग जगत के उत्साह को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क भारत के टेक्सटॉइल क्षेत्र को मध्यप्रदेश से नई ऊर्जा और दिशा देगा। इससे लाखों लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को व्यापक बल मिलेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी का इस दूरदर्शी योजना के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह योजना आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

2023 में भारत सरकार से मिली थी औपचारिक मंजूरी मिली

मध्यप्रदेश के धार जिले की बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में पीएम मित्रा पार्क स्थापित करने के प्रस्ताव को मार्च, 2023 में भारत सरकार से औपचारिक मंजूरी मिली। यह इंदौर से 110 किलोमीटर और पीथमपुर औद्योगिक क्लस्टर 85 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह रतलाम से दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे से 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसी तरह निकटतम बंदरगाह गुजरात के हजीरा से इसकी दूरी 452 किलोमीटर है।

गृहमंत्री अमित शाह ने एनसीबी के ऑपरेशन की जानकारी दी

10 से अधिक देशों में फैला ड्रग्स के ग्लोबल नेटवर्क को किया ध्वस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

अवैध दवा व्यापार के खिलाफ अब तक की सबसे व्यापक कार्रवाइयों में से एक के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुख्यालय की ऑपरेशंस यूनिट ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी सिंडिकेट को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया है। यह सिंडिकेट, एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्लेटफॉर्म, ड्रॉप शिपिंग मॉडल और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग कर चार महाद्वीपों में नियंत्रित दवाओं की तस्करी कर रहा था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, एनसीबी और अन्य एजेंसियों ने ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। जांच एजेंसियों ने मल्टीएजेंसी समन्वय का एक शानदार उदाहरण पेश किया है। इसके परिणामस्वरूप 8 गिरफ्तारियां हुईं। 5 खेप जब्त हुईं, 4 महाद्वीपों और 10 से अधिक देशों में संचालित गिरोह के खिलाफ अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में कार्रवाई हुई है। गृह मंत्री ने कहा कि हमारी एजेंसियां लगातार इन गिरोहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले क्रिप्टो भुगतान और गुमनाम ड्रॉप शिपर्स जैसे तरीकों की निगरानी कर रही हैं।

नई दिल्ली की बंगाली मार्केट के पास वाहनों को रोक कर जांच करने की एक नियमित प्रक्रिया

के रूप में शुरू हुई यह कार्रवाई एक परिष्कृत आपराधिक नेटवर्क को उजागर करने में बदल गई, जो भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप में फैला हुआ था। इस ऑपरेशन ने 04 महाद्वीपों और 10 से अधिक देशों में फैले एक वैश्विक नेटवर्क का खुलासा किया। 25 मई को एक गुप्त सूचना के आधार पर एनसीबी मुख्यालय की ऑपरेशन्स टीम ने दिल्ली में मंडी हाउस के पास एक कार को रोका। कार में सवार दो व्यक्तियों, जो नोएडा के एक प्रतिष्ठित निजी विश्वविद्यालय से बी. फार्मा स्नातक थे, उनके कब्जे से 3.7 किलोग्राम ट्रामाडोल टैबलेट जब्त किए गए। पकड़े गए व्यक्तियों ने स्वीकार किया कि वे एक प्रमुख भारतीय बी2बी प्लेटफॉर्म पर वेंडर प्रोफाइल संचालित कर रहे थे, जहां से वे अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में ग्राहकों को फार्मास्यूटिकल गोलियां बेचते थे।

अमेरिका के लिए थोक ऑर्डर और शिपमेंट का इंतजाम

पूछताछ से प्राप्त सुरागों ने जांच टीम को रुड़की में एक स्टॉकिस्ट तक पहुंचाया। इसके बाद दिल्ली के मयूर विहार में एक प्रमुख सहयोगी को गिरफ्तार किया गया, जिसने कर्नाटक के उडुपी में एक संपर्क का खुलासा किया। यह अमेरिका के लिए थोक ऑर्डर और शिपमेंट का इंतजाम करता था। उडुपी से एनसीबी ने 50 अंतरराष्ट्रीय खेपों के डेटा का पता लगाया, अमेरिका से अमेरिका तक 29 पैकेज, ऑस्ट्रेलिया से ऑस्ट्रेलिया तक 18 पैकेज और एस्टोनिया, स्पेन और स्विट्जरलैंड को 1-1 पैकेज, शामिल थे। उपरोक्त जानकारी वैश्विक समकक्षों और इंटरपोल के साथ साझा की गई, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका के अलबामा में अमेरिका के ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा एक थोक री-शिपर और मनी लॉन्डरर की पहचान और गिरफ्तारी हुई। इसके साथ ही नियंत्रित दवाओं का एक विशाल भंडार जब्त किया गया।

पीएम मोदी को घाना में 21 तोपों की सलामी

राष्ट्रपति जॉन महामा ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया

एक्रॉ, एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को अफ्रीकी देश घाना पहुंच गए हैं। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा ने राजधानी एक्रॉ में एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी को 21 तोपों की सलामी के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए एक्रॉ में एक होटल के बाहर बच्चे भारतीय वेशभूषा में पहुंचे हैं। उन्होंने पीएम मोदी के लिए संस्कृत में श्लोक याद किया है। बच्चे प्रधानमंत्री के पहुंचने पर उनके सामने श्लोक का पाठ करेंगे। मोदी 2 जुलाई से 8 दिनों के लिए 5 देशों की यात्रा पर हैं। वे सबसे पहले

घाना गए हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की 30 सालों में पहली घाना यात्रा है। इससे पहले 1957 में पंडित जवाहरलाल नेहरू और 1995 में नरसिम्हा राव बतौर पीएम घाना के दौरे पर पहुंचे थे। घाना के बाद पीएम मोदी त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया जाएंगे। 2014 से अब तक के तीन कार्यकाल में, पीएम की त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया में भी पहली यात्रा होगी। मोदी ब्राजील में ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी का दावा

सोनिया-राहुल ने ही रची थी 2000 करोड़ की संपत्ति हड़पने की साजिश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक विशेष अदालत में नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की बुधवार से दैनिक सुनवाई शुरू हो गई है। इस दौरान मामले की जांच कर रही ईडी की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) वी राजू ने दावा किया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने ही 2000 करोड़ की संपत्ति हड़पने की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्ति को हड़पना चाहती थी, जिसकी कीमत करीब 2,000 करोड़ रुपये थी।

सोनिया गांधी और राहुल गांधी इस मामले में मुख्य आरोपी हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने कर रहे हैं। बता दें कि एजेएल नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करता था, जिसकी स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी।

सोनिया-राहुल ने 142 करोड़ रुपये के अपराध की आय अर्जित की

सुनवाई के दौरान राजू ने कहा कि यंग इंडियन बनाने की साजिश रची गई थी, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी के 76 प्रतिशत शेयर थे, ताकि कांग्रेस से लिए गए 90 करोड़ रुपये के कर्ज के लिए 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पी जा सके। ईडी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर एजेएल को विज्ञापन के पैसे भी दिए गए थे और इस फर्जी कंपनी से जो भी आय हुई, वह अपराध की कमाई थी। 21 मई को पिछली सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कथित नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़े 142 करोड़ रुपये के अपराध की आय अर्जित की है।

नए आपराधिक कानूनों से न्याय प्रशासन में केवल भ्रम पैदा हुआ : चिदंबरम

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने नए आपराधिक कानूनों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इन कानूनों को लागू करने को कट एंड पेस्ट एक्सरसाइज बताया। चिदंबरम ने कहा कि तीन नये आपराधिक कानूनों को लागू करना व्यर्थ का काम है। इनसे न्यायाधीशों, वकीलों और पुलिस के बीच न्याय प्रशासन में केवल भ्रम की स्थिति पैदा हुई है।

पी चिदंबरम ने यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नए आपराधिक कानूनों के एक साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इन्हें स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा सुधार करार दिए जाने पर दिया है। बीते दिन, राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया न केवल सस्ती और सुलभ होगी, बल्कि सरल, समयबद्ध और पारदर्शी भी होगी। सरकार पर निशाना साधते हुए चिदंबरम ने कहा कि सरकार ने बार-बार दावा किया है कि तीन आपराधिक कानून विधेयक, जो अब अधिनियम बन चुके हैं, आजादी के बाद के सबसे बड़े सुधार हैं। लेकिन यह सच से बहुत दूर है। उन्होंने कहा कि मैंने तीनों विधेयकों की जांच करने वाली संसदीय स्थायी समिति को अपना असहमति नोट भेजा था।

वीडी शर्मा ने भावुक विदाई में मांगी माफी

हेमंत खंडेलवाल ने संभाली मप्र भाजपा की कमान

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश इकाई को बुधवार को नया अध्यक्ष मिल गया। बैतूल से विधायक हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश अध्यक्ष का औपचारिक कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर निवर्तमान अध्यक्ष वीडी शर्मा ने उन्हें पार्टी का ध्वज सौंपा और भावुक अंदाज में पार्टी कार्यकर्ताओं से विदाई ली।

शर्मा ने कहा कि मेरे पांच साल चार महीने के कार्यकाल में यदि मेरे किसी व्यवहार से किसी को ठेस पहुंची हो, तो मैं क्षमा चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में भाजपा की उपलब्धियों के पीछे 41 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण है, जिन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडी शर्मा की सराहना करते हुए उन्हें भाजपा का शुभंकर बताया। उन्होंने कहा कि वीडी शर्मा के नेतृत्व में पार्टी ने हर चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया और संगठन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। शिवराज ने हेमंत खंडेलवाल को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए भरोसा जताया कि वे इसे पूरी लगन और कुशलता से निभाएंगे।

हाई कोर्ट की वर्चुअल सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता ने पी बीयर

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई के दौरान एक सीनियर एडवोकेट के बीयर पीने का वीडियो सामने आया है। मामले का नोटिस लेते हुए हाईकोर्ट ने सोमवार को वकील के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू कर दी। वीडियो 26 जून का है। इसमें सीनियर एडवोकेट भास्कर तन्ना जस्टिस संदीप भट्ट के सामने मग से बीयर पीते दिख रहे हैं। अवमानना कार्यवाही कर रही जस्टिस एएस सुपेहिया और जस्टिस आरटी वच्छानी की बेंच ने तन्ना के आचरण को अपमानजनक बताया। अवमानना कार्यवाही के दौरान तन्ना बेंच के सामने वर्चुअली पेश न हों, कोर्ट ने इसके लिए भी आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि आदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने रखा। अगर वे अनुमति देते हैं तो इसे अन्य बेंचों के पास भी भेजा जाएगा। बेंच ने तन्ना को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस तरह की हरकतों का असर नए वकील पर पड़ता है।

रणबीर कपूर श्रीराम, साईं पल्लवी माता सीता और अमिताभ बच्चन जटायू के रोल में ...

रामलला मंदिर की लागत से ज्यादा की बन रही है फिल्म रामायण

विमर्श

डॉ. प्रकाश हिन्दुस्तानी
वरिष्ठ पत्रकार
दैनिक विनय उजाला

अयोध्या के रामलला का मंदिर करीब 900 करोड़ में बना था, लेकिन भगवान राम के जीवन बनने वाली फिल्म पर करीब 1000 करोड़ के खर्च का अनुमान है। यह मेगा स्टार फिल्म का पार्ट वन दीपावली 2026 को और दूसरा पार्ट दीपावली 2027 को रिलीज होगा। इसमें साउथ और बॉलीवुड के कई स्टार काम कर रहे हैं।

यह भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म होने वाली है। यह फिल्म एक वैश्विक

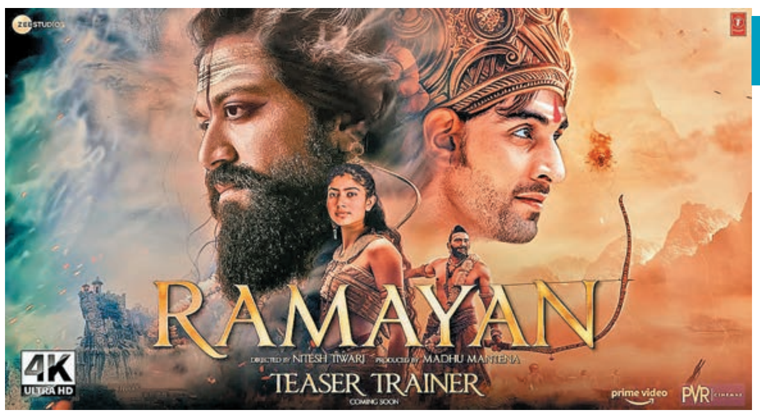

स्तर की प्रस्तुति होगी, जिसमें हॉलीवुड स्टूडियो वार्नर ब्रदर्स के साथ सहयोग की बात चल रही है। इसे एक भव्य दृश्य अनुभव बनाने के लिए विश्व-स्तरीय वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट्स) और तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन मुख्य भूमिका जिसे दी गई है, उससे पूरा प्रोजेक्ट सफल होना संदेहास्पद लगता है।

फिल्म महर्षि वाल्मीकि की रामायण पर आधारित है और इसे एक भव्य पौराणिक

मंदिर 900 करोड़ का और फिल्म बन रही 1000 करोड़ में

ड्रामा के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह रामायण की कहानी को एक आधुनिक, सिनेमाई दृष्टिकोण के साथ पेश करेगी, जिसमें राम, सीता, रावण, और हनुमान जैसे किरदारों को बड़े कैनवास पर दिखाया जाएगा। मेकर्स का कहना है कि यह न केवल एक फिल्म है, बल्कि भारतीय संस्कृति और आस्था से जुड़ा एक भावनात्मक विषय है, इसलिए इसे बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

फिल्म में बॉलीवुड और साउथ के टॉप स्टार काम कर रहे हैं। रणबीर कपूर- भगवान राम और महर्षि परशुराम की दोहरी भूमिका में, साई पल्लवी- माता सीता के किरदार में, यश- रावण की भूमिका में, (जो इस प्रोजेक्ट को को-प्रोड्यूस भी कर रहे हैं) सनी देओल- हनुमान के किरदार में, (जिसके बाद उनके लिए एक स्टैंडअलोन हनुमान फिल्म की भी संभावना है) रवि दुबे-लक्ष्मण के किरदार में होंगे। अमिताभ बच्चन जटायू के रोल में होंगे। इनके अलावा लारा दत्ता (कैकेयी), रकुल प्रीत सिंह (शूर्पणखा), काजल अग्रवाल (मंदोदरी), रामानंद सागर के रामायण धावहिक के चर्चित राम अरुण गोविल इसमें राजा दशरथ बनेंगे और मोहित रैना भगवान शिव बनेंगे। विवेक ओबेरॉय, अनिल कपूर, कुणाल कपूर, राम्या कृष्णन, और बॉबी देओल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नज़र आएंगे।

फिल्म की पहली झलक आज दिखाई देगी

रामायण फिल्म की पहली आधिकारिक झलक3 जुलाई 2025 को दिखाई जाना है। जिसे रामायण- द इंट्रोडक्शन नाम दिया गया है। यह एक अनाउंसमेंट प्रोमो होगा, जिसमें फिल्म का लोगो और संभवत: कुछ शुरुआती दृश्य या किरदारों की झलक दिखाई जाएगी। यह प्रोमो भारत के 9 प्रमुख शहरों (मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद, कोलकाता, पुणे, और कोच्चि) में एक साथ लॉन्च किया जाएगा। फिल्म का लगभग 3 मिनट का टीजर भी तैयार है, लेकिन मेकर्स इसे अभी रिलीज नहीं करेंगे, क्योंकि फिल्म की रिलीज (दिवाली 2026) में अभी डेढ़ साल बाकी है। इसके बजाय, यह प्रोमो फिल्म की भव्यता और सिनेमाई दुनिया की पहली झलक पेश करेगा, जिससे दर्शकों का उत्साह बढ़ेगा। निर्माता नितेश तिवारी की रामायण फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित और मेगा-बजट फिल्मों में से एक बन गई है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल को मुंह मीठा करा कर बधाई देते हुए मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय।

4 अफसरों की नई पदस्थापना के आदेश जारी

भोपाल, निप्र। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार देर रात्रि में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 4 अफसरों की नई पदस्थापना के आदेश जारी किये हैं। कुछ अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार 1996 बैच के आईएएस राजस्व मंडल सदस्य संजीव कुमार झा अब नए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी होंगे। इसी के साथ निवर्तमान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी बनाए गए हैं। इससे पहले भी वे इस विभाग के प्रमुख सचिव रह चुके हैं। 2006 बैच केआईएएस अनिल सुचारी को सागर संभागायुक्त बनाया गया है। ये पद तीस जून को खाली हुआ था। सुचारी अब तक सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव थे। सुखवीर सिंह के जॉइन करने के बाद ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई लोक निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे।

रघुराज एमआर को सचिव श्रम विभाग की जिम्मेदारी : सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश में सचिव तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास व रोजगार विभाग रघुराज एमआर को श्रम विभाग का सचिव बनाया गया है। मप्र मानव अधिकार आयोग के प्रमुख सचिव मुकेश चंद्र गुप्ता को राजस्व मंडल सदस्य का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। प्रमुख सचिव खनिज साधन उमाकांत उमराव, रघुराज एमआर के जॉइन करने के बाद प्रमुख सचिव श्रम विभाग के दायित्व से मुक्त होंगे। उनके पास पशुपालन और डेयरी विकास विभाग का अतिरिक्त प्रभार बना रहेगा।

मानव सेवा का प्रकल्प नारायण सेवा का साधन है, यही हमारी संस्कृति है – डॉ. भरत शर्मा

इंदौर, नप्र। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य डॉ. भरत शर्मा को उनके द्वारा भारतीय संस्कृति के उत्थान, सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए किए गए कार्यों, सामाजिक सेवा और भारतीय संस्कृति की सार्थकता, गरिमा और उपयोगिता से देश विदेश को अवगत करवाने और जोड़ने के लिए किए गए प्रयासों पर महू और राऊ के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा समारोह पूर्वक सम्मानित किया गया। डॉ. भरत शर्मा को शॉल, पुष्पगुच्छ और उनके पारिवारिक चित्र को विशेष माइक्रो क्रिस्टल तकनीक से बना कर प्रेषित किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. भरत शर्मा ने कहा की यह सम्मान मेरा नहीं है वरन् हर उस भारतीय नागरिक का है जो भारतीय संस्कृति से अपने आप को जुड़ा हुआ मानता है और उसमे रचबस गया है। हमारी संस्कृति ही हमें विश्वगुरु का दर्जा दिलायेगी। पूरे विश्व में अध्यात्म, समर्पण, त्याग, विज्ञान, आविष्कार, नारी और प्रकृति की पूजा करने वाला दूसरा देश नहीं है। हमे गर्व है की हम इसकी रज के कण है। मानव सेवा ही नारायण सेवा है। आप यदि योग्य व्यक्ति को दिशा दिखाने का काम भी यदि कर रहे है तो उसके जीवन में प्रकाश लाने का प्रयास भी कर रहे है। डॉ भरत शर्मा का स्वागत एनसीसी विंग के कर्नल अमरसिंह राणा, राऊ दवा विक्रेता संघ के गौरव शर्मा, प्रसिद्ध फैशन एक्सपर्ट उन्नति सिंह, उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ अधिवक्ता वंशिका शर्मा, अंजलि पूर्वकर, और बड़ी संख्या में शहर में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डॉ. भरत शर्मा सम्मानित

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रदेश में मातृ भाषा को दिया जाये बढ़ावा

भोपाल, निप्र। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि प्रदेश में स्कूल शिक्षा में मातृ-भाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप श्रेष्ठ कार्य किया जा रहा है। श्री प्रधान ने यह बात बुधवार को भोपाल में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह से सौजन्य मुलाकात के दौरान कही। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने बताया कि प्रदेश में 4473 शासकीय स्कूलों में पूर्व प्राथमिक कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। इन शालाओं में करीब एक लाख बच्चे नामांकित है। प्रदेश में ड्रॉप-आउट बच्चों की संख्या दर कम करने के लिए स्कूलों में नामांकन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने केन्द्रीय मंत्री को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के बारे में भी जानकारी दी।

पारदर्शिता, ईमानदारी और नवाचार से मजबूत होगा सहकारी आंदोलन : मंत्री सारंग

- अधीनस्थ पैक्स तक संभागीय और जिला अधिकारी करें दौरा
- समन्वय भवन में राज्य स्तरीय सहकारी कार्यशाला संपन्न

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि पारदर्शिता, ईमानदारी और नवाचार के जरिए सहकारी आंदोलन को मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए पूरी सहकारिता की टीम कृत-संकल्पित होकर काम करें। मंत्री श्री सारंग बुधवार को समन्वय भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के उपलक्ष्य में सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के विभिन्न पहलुओं पर राज्य स्तरीय सहकारी कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए पैक्स का सुदृढ़ीकरण करना आवश्यक है। इसके लिए संभागीय और जिला अधिकारी अधीनस्थ पैक्स का निरीक्षण करें। मुख्यालय के अधिकारियों को भी संभागवार जिम्मेदारी दी जाए, जो उनके अधीनस्थों की समस्या एवं सुझावों पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करने में पैक्स की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सेल्फ हेल्प ग्रुप सहकारिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि केडिट मूवमेंट के साथ सहकारिता के विभिन्न आयामों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता का क्लेवर बदल रहा है। सहकारी आंदोलन को पुन- मजबूत करने के लिए सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया है। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि सहकारिता के माध्यम से ही गरीबों के घर में खुशी लायी जा सकती हैं। सहकारिता ही ऐसा नेटवर्क है, जिसके माध्यम से हर घर में रोजगार के नए अवसर पैदा किये जा सकते हैं। सहकारिता की साख के लिए काम करें। लोगों को अच्छे कामों के लिए याद रखा जाता है। ईमानदारी से किया गया कार्य आत्मसंतुष्टि देता है, इसलिए जॉब सेटिस्फेक्शन जरूरी है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार को दिए गए प्रेजेंटेशन में सबसे अच्छा प्रेजेंटेशन मध्यप्रदेश का रहा। इसके लिए उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की नवाचार विंग और सीपीपीपी मॉडल को भूरी-भूरी प्रशंसा मिली है। यही नहीं कंप्यूटराइजेशन की दिशा में भी मध्यप्रदेश देश में नंबर एक पर रहा है, जो सराहनीय है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि कमिटमेंट दक्षता को सिद्ध करता है। सभी टीमवर्क के साथ काम करें। यूनिफार्मलिटी जरूरी है। साफ सुथरा ईमानदारी से किया गया कार्य ही आपकी पहचान बनेगा जिससे आपका नाम होगा। जॉब के लिए ईमानदार रहेंगे, तो सफल होंगे। मंत्री श्री सारंग ने शुरूआत में संभाग और जिलों के आए अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और बिना बताए अनुपस्थित अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण में कार्यशाला में हुई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उप सचिव श्री मनोज सिन्हा ने केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों से अवगत करवाया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त, उप आयुक्त, जिला सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और समिति प्रबंधकों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पैक्स सुदृढ़ हो, यही लक्ष्य : एसीएस वर्णबाल

अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णबाल ने कहा कि हर पैक्स को केडिट के अलावा तीन एक्टीविटी करना जरूरी है। स्थानीय पृष्ठभूमि में अवसरों को तलाश कर बिजनेस बढ़ाना होगा। संभागीय और जिला अधिकारी को एक-एक पैक्स की समयबद्ध तरीके से समीक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि पैक्स सुदृढ़ हो यह लक्ष्य होना चाहिये। बिजनेस सोसायटियों के सदस्यों के खाते हमारे यहां होना चाहिये। साथ ही उनके लिये माइक्रो एटीएम की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक मनोज पुष्प ने कहा कि सहाकारिता के सकारात्मक बदलाव के दौर में अधिकारी अपनी अहम भूमिका को पहचानकर दायित्वों का निर्वहन करें। सहकारिता के मॉडलाइजेशन को धरातल पर क्रियान्वित करें। अधिकारी अपनी लीडरशिप में प्रगति का फॉलोअप लें और पैक्स को बिजनेस यूनिट बनाने में सक्रिय भूमिका निभाए।

भोपाल होगा भिक्षावृत्ति मुक्त

आश्रम स्थल संचालन के लिये स्वैच्छिक संस्थाओं से 15 जुलाई तक प्रस्ताव आमंत्रित

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की स्माइल उपयोजना के तहत भोपाल जिला को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के उद्देश्य से चयनित किया गया है। भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु विशेष रूप से आश्रय स्थल/भिक्षुक गृह की स्थापना की जाना है। इस आश्रय स्थल के संचालन के लिए अनुभवी और सक्षम स्वैच्छिक संस्थाओं/संगठनों से 15 जुलाई 2025 शाम 5 बजे तक प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर भोपाल द्वारा 3 फरवरी 2025 को भिक्षावृत्ति करने व भिक्षा देने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया है।

इच्छुक संस्थाएँ अपना प्रस्ताव संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, शेड नं. 01, कमिश्नर कार्यालय के पीछे, पुराना सचिवालय, भोपाल में डाक, स्वयं उपस्थित होकर, या ईमेल (pswbho@mp.nic.in) के माध्यम से भेज सकती है।

निम्न शर्तें पूर्ण करने वाली संस्थाएं आवेदन कर सकती है

- संस्था सोसायटी रजिस्ट्रेशन/फर्म/लोक न्यास अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो।
- वर्तमान वैध कार्यकारिणी हो।
- कार्यकारिणी द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया हो।
- संस्था किसी विभाग द्वारा ब्लैकलिस्टेड न हो।
- विगत 5 वर्षों से पुनर्वास संबंधित कार्य का अनुभव हो।
- वित्तीय स्थिति सुदृढ़ हो (पिछले 3 वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट आवश्यक)।
- संस्था के उपविधियों में भिक्षावृत्ति पुनर्वास संबंधी उद्देश्य शामिल होना आवश्यक है।

25 जुलाई से शुरू हो रही है रामायण यात्रा, तीर्थ यात्रियों को

भगवान राम से जुड़े स्थलों को देखने का मिलेगा सुनहरा मौका

विनय उजाला

नई दिल्ली, निप्र। भारतीय रेल भगवान राम से जुड़े धार्मिक स्थलों के दर्शन करने के इच्छुक तीर्थ यात्रियों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। भारतीय रेल के उपक्रम भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) आगामी 25 जुलाई को अयोध्या से रामेश्वरम तक रामायण यात्रा ट्रेन का संचालन करने जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग स्टेशन से शुरू होने वाली इस यात्रा के अंतर्गत तीर्थ यात्रियों को भगवान राम से जुड़ी जगहों अयोध्या, प्रयागराज, चित्रकूट, सीतामढ़ी, जनकपुर, श्रृंगवेरपुर, नासिक, हम्पी से लेकर रामेश्वरम तक घूमने और प्रभु श्रीराम के दर्शन का मौका मिलेगा। यह रामायण यात्रा 16 रातें/17 दिन की होगी। ट्रेन का पहला पड़ाव अयोध्या होगा। जहां तीर्थ यात्रियों को राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी, राम की पैड़ी देखने का सुअवसर मिलेगा। इसके बाद नंदीग्राम में भरत-हनुमान मंदिर और भरत कुंड का दर्शन, जनकपुर (नेपाल में) में राम-जानकी मंदिर, धनुष धाम मंदिर और परशुराम कुंड, सीतामढी (बिहार) में जानकी मंदिर और पुनौरा धाम, बक्सर में राम रेखा घाट, रामेश्वर नाथ मंदिर, वाराणसी में तुलसी मानस मंदिर, संकट मोचन मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती देखने का सुनहरा मौका मिलेगा। इसके बाद रामायण यात्रा ट्रेन यात्रियों को लेकर सीतामढी (उत्तर प्रदेश) की ओर बढ़ेगी जहां सीता समाहित स्थल (सीता माता मंदिर) के दर्शन होंगे। यहां से ट्रेन प्रयागराज जाएगी। जहां त्रिवेणी संगम, हनुमान मंदिर और भारद्वाज आश्रम देखने का मौका मिलेगा। यात्रा को आगे बढ़ाते हुए ट्रेन श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, नासिक, पंचवटी, हम्पी होते हुए रामेश्वरम पहुंचेगी। इन स्थानों पर यात्रियों को क्रमश: श्रृंग ऋषि मंदिर, गुप्त गोदावरी, राम घाट, सती अनुसूया मंदिर, त्रयंबकेश्वर मंदिर, सीता गुफा और कालाराम मंदिर, अंजनाद्री पहाड़ी, विरुपाक्ष मंदिर, विट्ठल मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी का दर्शन होगा।

दौरे की मुख्य बातें

यात्रा का नाम : श्री रामायण यात्रा
अवधि : 16 रातें/17 दिन
यात्रा कार्यक्रम : दिल्ली-अयोध्या-जनकपुर-सीतामढ़ी-बक्सर-वाराणसी-प्रयागराज-श्रृंगवेरपुर-चित्रकूट-नासिक-हम्पी-रामेश्वरम-दिल्ली।
बोर्डिंग : दिल्ली सफदरजंग, गाजियाबाद, अलीगढ, टुंडला जं., इटावा, कानपुर, लखनऊ. झाँसी, ग्वालियर, आगरा कैंट, मथुरा, दिल्ली सफदरजंग से डी-बोर्डिंग।
यात्रा तिथि : 25.07.2025
यात्रा में शामिल किए गए गंतव्य :
अयोध्या : राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी, राम की पैड़ी।
नंदीग्राम : भरत-हनुमान मंदिर और भरत कुंड।
जनकपुर (नेपाल) : राम जानकी मंदिर, धनुष धाम मंदिर और परशुराम कुंड।
सीतामढी (बिहार) : जानकी मंदिर और पुनौरा धाम।
बक्सर : राम रेखा घाट, रामेश्वर नाथ मंदिर।
वाराणसी : तुलसी मानस मंदिर, संकट मोचन मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती।
सीतामढी (उत्तर प्रदेश) : सीता समाहित स्थल (सीता माता मंदिर)।
प्रयागराज : त्रिवेणी संगम, हनुमान मंदिर और भारद्वाज आश्रम।
श्रृंगवेरपुर : श्रृंग ऋषि मंदिर।
चित्रकूट : गुप्त गोदावरी, राम घाट और सती अनुसूया मंदिर।
नासिक : त्रयंबकेश्वर मंदिर, पंचवटी (सीता गुफा और कालाराम मंदिर)।
हम्पी : अंजनाद्री पहाड़ी, विरुपाक्ष मंदिर और विट्ठल मंदिर।
रामेश्वरम : रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी।

शहडोल सांसद ने अपनी बेटी का एडमिशन शासकीय विद्यालय में कराया

भोपाल, निप्र। शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने अपनी बेटी गिरीश नंदिनी सिंह का एडमिशन अनूपपुर जिले के ग्राम राजेंद्र के शासकीय प्राथमिक कन्या विद्यालय में कराया है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह के इस निर्णय की सराहना की। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस सकारात्मक संदेश से अन्य जन-प्रतिनिधियों एवं नागरिकों को प्रेरणा मिलेगी।

लोकपथ मोबाइल ऐप की सफलता की प्रथम वर्षगांठ पर मंत्री सिंह ने दी बधाई

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश के लोक निर्माण विभाग द्वारा विकसित लोकपथ मोबाइल ऐप ने अपनी पहली वर्षगांठ के साथ एक सराहनीय उपलब्धि दर्ज की है। बुधवार को लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में इस अवसर पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ऐप के अब तक की सफलता, नागरिकों की भागीदारी और आगामी लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लोकपथ ऐप की शुरुआत 2 जुलाई 2024 को विधानसभा परिसर में की गई थी। ऐप ने अपने पहले ही वर्ष में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब तक इस ऐप पर 7800 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 95 प्रतिशत से अधिक का त्वरित समाधान कर दिया गया है। लगभग 1.5 लाख नागरिकों द्वारा ऐप को डाउनलोड किया जाना यह दर्शाता है कि जनता में इसकी उपयोगिता और विश्वसनीयता को लेकर गहरी स्वीकार्यता बनी है। ऐप की सफलता पर मंत्री श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को बधाई देते हुए लोकपथ ऐप को जनभागीदारी आधारित डिजिटल गवर्नेंस का प्रभावी उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में ऐप के 5 लाख डाउनलोड सुनिश्चित करने का लक्ष्य है, जिसके लिए व्यापक जनजागरण और प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा। लोकपथ ऐप को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली जब 'कौन बनेगा करोड़पति' जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अभिनेता श्री अमिताभ बच्चन ने इससे संबंधित प्रश्न प्रस्तुत किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश का यह नवाचार अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणास्त्रोत बन चुका है। मंत्री राकेश सिंह ने बैठक में नागरिकों को और अधिक त्वरित सेवा देने के लिए नियमित समीक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें संवेदनशीलता के साथ शिकायतों का निराकरण करना चाहिए। यदि समय सीमा में सड़क की मरम्मत करना संभव नहीं है तो संबंधित शिकायतकर्ता को दूरभाष पर कारण बताते हुए सुधार में लगने वाले समय की जानकारी देना चाहिए। उन्होंने प्रमुख अभियंताओं को साप्ताहिक समीक्षा अनिवार्य रूप से करने तथा लंबित शिकायतों को लेकर लापरवाह अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा। मंत्री श्री सिंह ने सभी परिक्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं के कार्यालयों में एक-एक नोडल अधिकारी को नियुक्ति करने के निर्देश देते हुए उन्हें भोपाल में विशेष प्रशिक्षण देने की बात कही। साथ ही, ऐप से जुड़ी गूगल प्ले स्टोर टिप्पणियों पर विभागीय उत्तर देने की प्रक्रिया आरंभ करने की सिफारिश भी की गई, जिससे नागरिकों का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

प्रदेश भाजपा के नवागत अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

हम सब मिलकर पार्टी संगठन को और बुलंदियों पर ले जाएंगे

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत के कारण पार्टी का मध्य प्रदेश संगठन पूरे देश में आदर्श बनकर उभरा है। हमारा संगठन पितृपुरूषों, कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और बलिदान से सिंचित है। अंतिम व्यक्ति की सेवा का विचार और राष्ट्रवादी भाव ही हमारा अटल संकल्प है। हम पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्टी संगठन को और ऊंची बुलंदियों पर ले जाएंगे। मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि पार्टी के हर कार्यकर्ता के सम्मान में कोई कमी न आए।

खंडेलवाल बुधवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं भी सामान्य कार्यकर्ता हूं। भाजपा संगठन कार्यकर्ताओं को क्षमता और योग्यता के आधार पर दायित्व सौंपता है। भाजपा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने संगठन को बहुत आगे ले जाने का कार्य किया है। हम सभी कार्यकर्ता सौभाग्यशाली हैं, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बनकर विश्व गुरू बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आप सभी ने मुझे जो पद सौंपा है, वह पद नहीं एक दायित्व है। पार्टी के पूर्ववर्ती प्रदेश अध्यक्षों ने संगठन को मजबूत करने का कार्य किया है। पहले जनसंघ, फिर भाजपा संगठन को कुशाभाऊ ठाकरे, सुंदरलाल पटवा, अटल बिहारी वाजपेयी और राजमाता विजयराजे सिंधिया मध्यप्रदेश की माटी से थे, जिन्होंने भाजपा को शिखर तक पहुंचाने का कार्य किया है। खंडेलवाल ने कहा कि मेरा परिवार पिछले 100 साल से कांग्रेस के विरोध में अपना झंडा बुलंद करता रहा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय ने जो सपना देखा था, उसे आगे लेकर हमें चलना है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में हम लोगों को लगातार संगठन को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश विकास की एक नई परिभाषा लिख रहा है। आम जनता से जुड़कर जनहितैषी व कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जो विकसित मध्यप्रदेश की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि आज समाज भारतीय जनता पार्टी को सम्मान की दृष्टि से देखता है। हम सभी मिलकर सांसद विष्णुदत्त शर्मा द्वारा लिखी इबारत को आगे ले जाने का काम करेंगे। हेमंत खंडेलवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में निर्वाचन प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद महापुरूषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव, संसदीय बोर्ड के सदस्य सत्यनारायण जटिया, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की उपस्थिति में पूजन-अर्चन कर पदभार ग्रहण किया। खंडेलवाल ने पदभार संभालने के बाद पार्टी के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के साथ सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

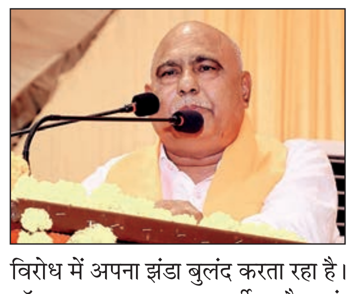

सभी के सहयोग से मैंने अपने दायित्व का निर्वाहन किया : शेजवलकर

भाजपा के राज्य निर्वाचन अधिकारी विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर 2 सितम्बर, 2024 को जिस संगठन पर्व की शुरुआत की थी, वह पर्व आज नए प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन के साथ संपन्न हो रहा है। मुझे बहुत खुशी है कि इस अभियान के दौरान हमने प्रदेश में 1.73 करोड़ से अधिक नए सदस्य बनाए। आप सभी के सहयोग से 65014 बूथों में से 64468 बूथ समितियों का गठन हुआ। 1313 मंडलों में से 1101 मंडलों का गठन हुआ और सभी 62 संगठनात्मक जिलों में जिला अध्यक्ष के चुनाव हुए। नए प्रदेश अध्यक्ष एवं 44 राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का चुनाव किया है। इस दौरान मंच पर राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक सरोज पाण्डेय, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव का होगा आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे शुभारंभ

इंदौर, निप्र। राज्य में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, उद्योग, निवेश, रियल स्टेट, इन्फ्रोस्ट्रक्चर आदि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगामी 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी। श्री भोंडवे ने बताया कि अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कॉन्क्लेव में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, उद्योग, रियल स्टेट, इन्फ्रा स्ट्रक्चर आदि से जुड़े देशभर के 1500 से अधिक उद्योगपति, कॉर्पोरेट एवं उनके प्रतिनिधि शामिल होंगे। आयोजन में एक प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी, जिसमें क्रेडाई, होटल इंडस्ट्री, टूरिज्म, इंदौर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, स्मार्ट सिटी, मैट्रो, हुडको, एलआईसी, हाउसिंग बोर्ड आदि संस्थाओं के कार्यों को प्रदर्शित किया जायेगा। आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उद्योगपतियों से चर्चा भी करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंस में इंदौर से संभागायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी. अहिरवार, आईडीए के अधिकारी सुदीप मीणा, इंजीनियर अनिल कुमार जोशी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रिया पटेल, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रियंका चौरसिया आदि शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

चरक भवन में मरीज को नहीं मिला डॉक्टर, इलाज नहीं मिलने से मरीज ने पर्चे पर ही लिख दी शिकायत

उज्जैन,निप्र। जिला अस्पताल चरक भवन में अव्यवस्था से नाराज होकर मरीज अस्पताल के रजिस्टर पर अपनी नाराजगी और शिकायत लिखकर निजी अस्पताल में उपचार के लिए चले गया। मरीज ने अपनी शिकायत को सोशल

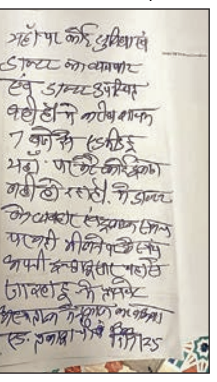

मीडिया पर भी वायरल किया। अभिभाषक संघ के प्रकाश चौबे मंगलवार शाम को दुर्घटना में घायल होने से जिला चिकित्सालय चरक भवन पहुँचे थे। उनका कहना है कि चार घंटे तक उन्हें सही उपचार नहीं मिला। अस्पताल में एक भी डॉक्टर नहीं थे। कंपाउंडर और नर्स ने प्राथमिक उपचार कर मरहम-पट्टी तो की लेकिन वहाँ डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी परेशान और बढती चली गई। चरक भवन की अव्यवस्था और डॉक्टर की गैर हाजरी से खिन्न होकर अपनी शिकायत इलाज के पर्चे पर लिखकर निजी अस्पताल चले गए। चौबे का कहना था कि यहां कोई सुविधा नहीं है डॉक्टर और स्टाफ नदारत है। वे मंगलवार शाम करीब 7-00 बजे से अस्पताल में भर्ती थे, लेकिन उनका इलाज नहीं हो रहा था। मैं डॉक्टर नहीं होने के साथ ही स्टाफ का खराब व्यवहार होने के कारण अपनी इच्छा अनुसार जिला चिकित्सालय चरक भवन से प्राइवेट अस्पताल इलाज कराने चला गया। यहीं बात मैंने पर्चे पर भी लिख दी।

4 टन अमानक पॉलिथीन को स्वास्थ्य विभाग ने किया जब्त

उज्जैन,निप्र। आयुक्त आशीष पाठक के निर्देश के क्रम में स्वास्थ्य अमले द्वारा निरंतर अमानत स्तर की पॉलिथिन का उपयोग करने वालों पर पॉलिथिन जप्त करते हुए जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है साथ ही बढ़े स्तर पर पॉलिथिन के क्रय विक्रय पर भी नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को इंदौर से उज्जैन आ रही 4 टन अमानक पॉलिथीन को स्वास्थ्य विभाग उपायुक्त संजेश गुप्ता के नेतृत्व में टीम द्वारा शिव शक्ति ट्रांसपोर्ट नलिया बाखल के सामने दबिश देकर जब्त किया गया। निगम आयुक्त आशीष पाठक द्वारा नियमित भ्रमण के दौरान पाया जा रहा था कि अमानक पॉलिथीन बाजार में उपयोग में लाई जा रही है इसी के तहत नगर पालिका निगम के स्वास्थ्य विभाग उपायुक्त संजेश गुप्ता ने इंदौर से उज्जैन की और आ रही अमानक पॉलीथिन जो कि 4 व्यापारियों के आर्डर पर शिव शक्ति ट्रांसपोर्ट नालियां बाखल पर सुबह 10 बजे मंगाई गई थी। ट्रांसपोर्ट वाहन में रखे 69 बैगों अमानक पॉलीथिन को जब्त कर निगम टीम द्वारा ग्रांड होटल परिसर लाया गया। जहां मध्य प्रदेश प्रदूषण बोर्ड के वैज्ञानिक प्रतिम खरे, रासायनज्ञ अशोक राणावत, देवेंद्र सोलंकी द्वारा पंचनामा बनाकर अमानक पालीथीन की जांच की गई। जिसमें सभी पॉलीथिन बैग अमानक पाए गए। आयुक्त आशीष पाठक के निर्देशन में अमानक पॉलिथीन कार्यवाही निरन्तर संपादित किए जाने के साथ नगर के सभी नागरिकों से अपील की गई कि अमानक पॉलीथिन का उपयोग नित्य उपयोगी वस्तुओं के क्रय विक्रय में नहीं करे कपड़े की थैली का उपयोग करे।

भारत विकास परिषद उज्जैन शाखा ने किया डॉक्टर डे एवं सीए डे पर सम्मान

उज्जैन,निप्र। 1 जुलाई को डॉक्टर दे एवं सीए- डे पर भारत विकास परिषद मेन शाखा उज्जैन द्वारा डॉक्टर एवं चार्टड - अकांउटेड का सम्मान किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद मेन के अध्यक्ष संदीपं पांडे ने कहा कि 1 जुलाई को डॉक्टर डे ओर सीए डे है। इसदिन हम दोनों महत्वपूर्ण लोगों का - सम्मान करते है डाक्टर ओर सीए - दोनों ही समाज के ऐसे स्तंभ है जो हमारी जिंदगी को बेहतर बनाते है। डॉ जितेंद्र भटनागर, डॉ. दिनेश इंडेरिया, डॉ. पूजा मिश्रा, डॉ. अरुण मारोठिया, डॉ. विदित खंडेलवाल, डॉ अजय गुप्ता एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट सौरभ सोडाणी. कांतिलाल सोडाणी, नरेंद्र मोटवानी का शाखा के उपस्थित सदस्य अध्यक्ष संदीप पाण्डेय, सचिव रवींद्र शाह, पद्माकर मूले. राजा मजावादिया आदि सदस्य की उपस्थित सम्मान किया गया।

जीवन शैली परिवर्तन से स्वस्थ जीवन जीने की कला विषय पर व्याख्यान

नागदा,निप्र। डॉ. एस एन रावल, श्रीमती कृष्णकांता रावल की पावन स्मृति में श्री सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाज, महिला मंडल, युवा संघठन एवं लायंस ऑफ नागदा, कायाकल्प तैराकी संघ, सर्व ब्राह्मण महिला मंडल, नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन, ए वी एम के संयुक्त तत्वावधान में प्राकृतिक जीवन शैली से स्वस्थ जीवन जीने की कला विषय पर गुरुजी बी वी चौहाण की सदप्रेरणा से श्रीमती धरती बेन ठक्कर, एन डी एस ग्लोबल मोटिवेटर, अहमदाबाद का व्याख्यान (लेक्चर) औदीच्य धर्मशाला परिसर, प्रकाशनगर गली नं - 3, नागदा पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान मुख्य अतिथि, श्रीमती इंद्रकुँवर शेखावत, राजेश धाकड़, बी के पूनम दीदी, डॉ सुनील चौधरी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मुख्य वक्ता श्रीमती धरती बेन ठक्कर, श्रीमती अर्चना दवे, श्रीमती अनिता पंड्या, श्रीमती सुधा मेहता द्वारा भगवान श्री गोविंद माधव के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा की गई। समस्त अतिथियों का सुश्री ईशिका एवं राशि ने तिलक लगाकर स्वागत किया।

बीआरसी उज्जैन ग्रामीण का कटेगा एक दिन का वेतन

शालावार करना होगी मार्किंग अन्यथा होगी कार्यवाही : सीईओ

विनय उजाला

उज्जैन,निप्र। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभागृह में स्कूल शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी आनंद शर्मा ने विभाग की गतिविधियों का पीपीटी के माध्यम से विभाग की योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सिंह ने नामांकन, परीक्षा परिणाम, पुस्तक वितरण, अपार आईडी एवं प्रतिदिन उपस्थिति को लेकर वृहद समीक्षा की। श्रीमती सिंह ने नामांकन एवं अपार आइडी में सबसे कम कार्य करने एवं अनुपस्थित रहने पर बीआरसी उज्जैन ग्रामीण राजकुमार पाल का एक दिन का वेतन काटने एवं बीआरसी खाचरोद पुष्पराज तिवारी को पुस्तक वितरण एवं नामांकन में जिले में सबसे नीचे पायदान पर होनें की वजह से कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये गये। सीईओ श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए की जीर्ण-शीर्ण भवन में विद्यालय संचालित न किये जाए। विद्यालय को अच्छे भवन में शिफ्टिंग किया जाए और ध्यान रखा जाए की वहां प्रकाश व्यवस्था एवं शैक्षणिक कैलेंडर चस्पा हो। साथ ही इस बात का भी विशेष ध्यान रखा जाये की विद्यार्थियों को मध्यान भोजन अच्छी गुणवत्ता का दिया जाए और मध्यान भोजन की जांच समय-समय पर की जाए। सीईओ जिला पंचायत द्वारा परीक्षा परिणाम के विश्लेषण को लेकर शिक्षकों द्वारा उनकें विद्यालय के परिणामों की एक्सेल शीट बनाकर वर्ष 2025 एवं वर्ष 2024 कें परीक्षा परिणाम में अंतर का प्रारूप तैयार कर सभी बीईओ एवं बीआरसी को निर्देशित किया की आगामी बैठक में कक्षा 5,8,10 एवं 12 का संयुक्त रूप से एवं विषयवार शालावार विश्लेषण लेकर उपस्थित हो। साथ ही यह भी ध्यान रखें की शीट के आधार पर कम परीक्षा परिणाम एवं जिले के औसत से कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों का प्राथमिकता से अवलोकन करें।

सीईओ जिला पंचायत ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया की वे गणित एवं अंग्रेजी विषय के विकासखंड वार एवं जिले वार अच्छे परीक्षा परिणाम वाले शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर बनाकर प्रशिक्षण आयोजित करें। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी शर्मा ने कहा कि आगामी समीक्षा बैठक में बीईओ एवं बीआरसी स्वयं अपना पीपीटी लाकर अपना प्रस्तुतीकरण करेंगे। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक गिरीश तिवारी ने कहा कि विकासखण्ड स्तरीय निरीक्षण में कॉपी चेकिंग एवं विद्यार्थियों की कठिन अवधारणा पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में जिला साक्षरता प्रभारी संजय शर्मा, सभी बीईओ, बीआरसी, इंजीनियर्स, एपीसी एवं प्रोग्रामर आदि उपस्थित रहें।

साहिल ने जान देने की धमकी देकर बुलाया हिन्दू लड़की को

विनय उजाला

विश्व हिन्दू परिषद ने की साहिल की पिटाई, पुलिस ने किया दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

नागदा,निप्र। घिनोदा गांव के समीप एक होटल में साहिल नाम के युवक की विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने पिटाई कर दी। बताया जा रहा है की विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पहले साहिल की लात-घूंसों और बेल्ट से पिटाई की, फिर होटल में तोड़फोड़ कर दी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी साहिल शेख से उसकी जान पहचान सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। कुछ समय बाद दोनों की बातचीत बंद हो गई। बाद में साहिल ने जान देने की धमकी देकर दोबारा संपर्क किया और होटल में गलत काम करने के लिए ले गया।

मिली जानकारी के अनुसार पाल्या रोड निवासी साहिल शेख मंगलवार को एक युवती को घिनोदा के एक होटल में लेकर पहुंचा था। इसकी जानकारी बजरंग दल कार्यकर्ताओं को मिल गई, जिसके बाद 6-7 कार्यकर्ता होटल पहुंच गए। पता चला है की होटल राजेंद्र गुर्जर का है लेकिन इसे झिरनिया निवासी यूसुफ चला रहा था। होटल पहुंचे बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने कई कमरे खुलवाकर देखे। एक कमरे में युवक-युवती के मिलने पर कार्यकर्ता खिड़की से कमरे में घुस गए और युवक साहिल की जमकर पिटाई की। घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी आकांक्षा बिछोटे और थाना प्रभारी धन सिंह नलवाया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने होटल संचालक यूसुफ और युवक साहिल के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर पल्या रोड नागदा निवासी साहिल शेख के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 (2) (जे), 64 (2) (एम), 351 (2), 49 के तहत केस दर्ज किया गया है।

गोल्डन जुबली समारोह 5 और 6 जुलाई को जयपुर में

नागदा,(निप्र)। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा संस्था के स्वर्णिम 50 वर्ष पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली समारोह सेल्यूट का आयोजन जुलाई माह की 5 और 6 तारीख को जयपुर में बिरला ऑडिटोरियम स्टैचू सर्किल रामबाग में किया जाएगा। उक्त आयोजन अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन, अंतर्राष्ट्रीय महासचिव वीर अशोक गोयल एवं अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष वीर सुधीर जैन के निर्देशन में चीफ कन्वीनर रश्मि सारस्वत के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस आयोजन में महावीर इंटरनेशनल केंद्र नागदा से इंदौर उज्जैन जोन अध्यक्ष श्री राजेश गेलड़ा के नेतृत्व में 12 सदस्यी टीम जिसमें जोन अध्यक्ष राजेश-शीतल गेलड़ा, महावीर इंटरनेशनल केन्द्र नागदा अध्यक्ष जितेन्द्र-कीर्ति पोखरना, सचिव नीतिन-सोनाली बुडावनवाला, चंद्रप्रकाश-सीमा कांठेड, रितेश-तरुणा नागदा, नीलेश-मोनिका चौधरी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

होटल संचालकों की नेमप्लेट अनिवार्य करने की फिर उठी मांग

विनय उजाला

धार्मिक संगठनों ने उठाया मुद्दा, कहा- कांवड़ के रास्तों पर हिंदू नाम से चल रहीं मुस्लिम संचालकों की दुकानें

उज्जैन,निप्र। बाबा महाकाल की नगरी में एक बार फिर होटल संचालकों की नेमप्लेट अनिवार्य करने की मांग उठी है।

सावन माह शुरू होने से पहले उज्जैन में धार्मिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि महाकाल मंदिर जाने वाले रास्तों पर जितने भी होटल और रेस्टोरेंट हैं, उनके बाहर मालिक का नाम साफ-साफ लिखा जाए। आगामी 11 जुलाई से पवित्र सावन माह की शुरुवात होने जा रही है। सावन महीने में कई श्रद्दालु उपवास करते है। कावड़ यात्रा मार्ग पर कई होटल और रेस्टोरेंट मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा संचालित होते है। धार्मिक संगठनों का कहना है कि ऐसे में उन्हें शुद्धता के लिए होटल पर नाम लिखा होने पर यह पता चल सकेगा की यह किसके द्वारा संचालित है।

महाकाल मंदिर पहुँच मार्ग और कावड़ यात्रा मार्ग पर जो होटल और रेस्टोरेंट चल रहे है उसको लेकर एक बार फिर मांग उठ रही है की बहार नेम प्लेट लगाई जावे। धार्मिक संगठनों का कहना है कि कई होटल मुस्लिम संचालकों के हैं, लेकिन उनके नाम हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर रखे गए हैं। ऐसे में सावन जैसे पवित्र महीने में जब लाखों श्रद्धालु उज्जैन आते हैं, तो उन्हें यह पता नहीं चल पाता कि वे किस दुकान में खाना खा रहे हैं। कई बार नॉनवेज खाना परोस दिया जाता है। हिंदूवादी नेता रितेश माहेश्वरी ने कहा कि मंदिर क्षेत्र में करीब 600 होटल और रेस्टोरेंट हैं, जिनमें 200 से ज्यादा मुस्लिम संचालित करते हैं। लेकिन उनकी दुकानों के नाम ऐसे हैं कि लगता है कोई हिंदू संचालक है। कई बार भक्तों को खाना खाते समय हड्डी या नॉनवेज मिलने की शिकायतें आई हैं। इसलिए सभी दुकानों पर मालिक का नाम लिखा जाना जरूरी है। महामंडलेश्वर ज्ञान दास महाराज ने कहा कि सावन में हजारों भक्त उज्जैन पहुंचते हैं और रास्ते में कई जगह फलाहार या भोजन करते हैं। कई बार उन्हें यह पता नहीं होता कि दुकान किसकी है और वहां क्या परोसा जा रहा है। इसलिए हमारी मांग है कि हर होटल-रेस्टोरेंट पर मालिक का नाम लिखा हो, ताकि कोई विवाद न हो और भक्तों की आस्था बनी रहे।

जैन संतों का 7 जुलाई को होगा चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

नागदा,निप्र। त्रिस्तुत्रिक सम्प्रदाय के मुनिश्री प्रत्यक्षरत्नविजयजी मसा, मुनिश्री पवित्ररत्नविजयजी मसा आदि मुनिमंडल का चातुर्मास प्रवेश 7 जुलाई सोमवार को होगा। मुनिश्री लक्ष्मीबाई मार्ग स्थित पाठशाला भवन में विराजमान होकर चार माह तक धर्म की गंगा को प्रवाह मान करेगे। मीडिया प्रभारी डॉ. विपिन वागरेचा ने बताया कि नगर के श्वे. मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ में अभी तक 26 चातुर्मास सम्पन्न हो चुके है। मुनिद्वय का श्रीसंघ के इतिहास में 27 वां चातुर्मास है जिसकों लेकर श्रीसंघ में हर्ष व्यापत है। मुनिद्वय के चातुर्मास प्रवेश को लेकर तैयारी अंतिम चरण पर है। चातुर्मास प्रवेश को ऐतिहासिक बनाने के लिए श्रीसंघ अध्यक्ष मनीष सालेचा व्होरा, सचिव हर्षित नागदा के मार्गदर्शन व चातुर्मास समिति अध्यक्ष मनोज वागरेचा व सचिव सुशील सकलेचा के नेतृत्व में चातुर्मास समिति की साधारण सभा का आयोजन शुक्रवार रात 8.30 बजे लक्ष्मीबाई मार्ग स्थित पाठशाला भवन में किया जाएगा।

कुल्चा लाल पराठा दास पर दूसरी बार लापरवाही

रेस्टोरेंट में मिला बासी चावल, पूर्व में लिया फूड सैंपल हो चुका है फेल

विनय उजाला

उज्जैन,निप्र। श्रावण के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री मिले इस उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने महाकाल मंदिर क्षेत्र के रेस्टोरेंट, खानपान के प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान कुल्चा लाल पराठा दास पर बासी चावल मिला जो एकदम खराब हो चुका था। चार माह पहले इसी रेस्टोरेंट से लिए गए खाद्य सामग्री के सैंपल फेल हो चुके हैं।

उज्जैन में मंगलवार दोपहर को खाद्य विभाग की टीम ने महाकाल मंदिर के आसपास क्षेत्रों में रेस्टोरेंट की जांच की। यहां खाद्य पदार्थ की चेकिंग के बाद सैंपल लेकर जांच के लिए भोपाल लैब भेजे हैं। टीम को जांच में भारी गड़बड़ी मिली है। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी बसंत शर्मा और बीएस देवलिया की टीम ने सबसे पहले महाकाल घाटी स्थित स्वागत भोजनालय और फिर कुल्चा लाल पराठा दास के यहां चेकिंग की है। कुल्चा लाल पराठा दास रेस्टोरेंट में एक दिन पुराना चावल फ्रीज में मिला, जो कि पत्थर बन चुका था। इस पर भी टीम ने संचालक को चेतावनी दी। बता दें कि चार माह पहले कुल्चा लाल पराठा दास रेस्टोरेंट अनियमितता मिली थी। उस वक्त लिए गए खाद्य सामग्री के सैंपल फेल हो चुके हैं। फरवरी 25 में हितेश गुप्ता अपने परिवार के साथ महाकाल मंदिर के पास स्थित कुल्चा लाल पराठा दास रेस्टोरेंट में भोजन करने गए थे भोजन के दौरान जब उन्होंने कुलचा तोड़ा, तो उसमें कांच का टुकड़ा देखकर वे चौंक गए। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना खाद्य विभाग को दी। खाद्य अधिकारी बसंत दत्त शर्मा और बीएस देवलिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर रेस्टोरेंट की जांच की। विभाग ने रेस्टोरेंट के किचन से कुलचे, छोले, पनीर और दही के सैंपल लिए। जांच के दौरान किचन में गंदगी, खराब सामग्री और बेतरतीब रखे सामान मिले। छोले दो दिन पुराने पाए गए, जिससे खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। चार माह पहले लिए गए खाद्य सामग्री के सैंपल फेल होने पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार को जांच में फिर से अनियमितता मिली है। इसी प्रकार

टीम को स्वागत भोजनालय पर गंदगी मिली और वहां रखे पनीर के चेक करने पर उसमें खराबी दिखने पर अधिकारियों की टीम ने पनीर को जब्त कर उसे भोपाल स्थित लैब में जांच के लिए भेजा है। खाद्य अधिकारी बसंत शर्मा ने बताया श्रावण माह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। इस दौरान भक्त यहां के रेस्टोरेंट में भी जाएंगे। उन्हें हाइजेनिक फूड मिलना चाहिए। ऐसे में संचालक रेस्टोरेंट में सफाई रखें। भक्तों को खाना शुद्ध मिले। इसी को लेकर कार्रवाई की जा रही है। पनीर के सैंपल लेकर जांच की जाएगी। दोनों रेस्टोरेंट संचालकों को नोटिस जारी कर रहे हैं।

सीएसपी देशमुख का सम्मान

उज्जैन,निप्र। महाकाल दर्शन और होटल बुकिंग के नाम पर धोखाधड़ी कर रही सात फ़र्जी वेबसाइट को बंद कराने और देश-विदेश से उज्जैन आने वाले यात्रियों को ठगने वालों (जो उज्जैन का नाम खराब कर रहे थे) का पर्दाफाश करने वाले एसपी प्रदीप शर्मा के नेतृत्व वाली टीम के सीएसपी राहुल देशमुख (सीएसपी कोतवाली) का सम्मान संस्था सजग उज्जैन और सरल काव्यांजलि ने स्मृति चिन्ह भेंटकर किया। इस अवसर पर दोनों संस्थाओं के सदस्य- सन्तोष सुपेकर, डॉ. संजय नागर, प्रदीप सरल, मुकेश जोशी, हर्ष सैनी, अमित सुपेकर, गिरिजादेवी ठाकुर, सुमन नागर, मुक्तेश मनावत, सुगनचन्द्र जैन, आरव नागर, कौशल्या शुक्ला, अनिल शर्मा और वंदना शुक्ल आदि उपस्थित थे।

चिकित्सक दिवस पर कार्यशाला आयोजित

उज्जैन,निप्र। इंडियन डेंटल एसो. की उज्जैन शाखा द्वारा राष्ट्रभारती हाई सेकेंडरी स्कूल में डॉक्टर्स-डे के उपलक्ष्य पर विद्यार्थियों के लिए ओरल हाइजीन एवं किड्स डेंटल केयर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. प्रिंस कुशवाहा ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को दंत रोग एवं तंबाकू के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराना था। कार्यशाला में आईडीए उज्जैन के अध्यक्ष डॉ. इमित सलूजा ने उपस्थित 250 से अधिक विद्यार्थियों एवं स्कूल के स्टाफ को उचित ब्रशिंग टेक्निक एवं डॉ. सागर मारोठिया ने दांतों की साफ सफाई हेतु उचित दिशा निर्देश प्रदान किए।

बाबा महाकाल को भक्तों ने भेंट किये रजत मुकुट, चौरंग व नगद राशि

विनय उजाला

उज्जैन,निप्र। श्री महाकालेश्वर मंदिर में चिराग शर्मा की प्रेरणा से जयपुर के दीपक कुमार धनवी द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान को 1 नग लकड़ी में चांदी से मढ़ा चौरंग (पाटला) भेट किया गया। दानदाता द्वारा प्राप्त बिल अनुसार लकड़ी का चौरंग पर 550 ग्राम चांदी से मढ़ा हुआ है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से दानदाता का सम्मान कर विधिवत रसीद प्रदान की गई। यह जानकारी कोठारी श्री मनीष पांचाल द्वारा प्रदान की गई।

इसी तरह पुरोहित प्रतिनिधि रुपांक (नवनीत) शर्मा एवं रूपम शर्मा की प्रेरणा से इंदौर के उपेंद्र सिंह भदौरिया द्वारा 1 नग रजत मुकुट, 2 नग नाग कुण्डल, 1 नग सूर्यकिरण प्राप्त हुआ। जिसका वजन लगभग 2803 ग्राम है। श्री भदौरिया द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान को रजत आभूषणों के अतिरिक्त रुपये 1लाख 51 हज़ार की नगद राशि भेंट में दी। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से दानदाता को धन्यवाद ज्ञापित कर दानदाता का सम्मान किया गया व रसीद प्रदान की गई। यह जानकारी कोठारी मनीष पांचाल द्वारा प्रदान की गई।

12 डॉक्टर्स एवं 13 चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का बहुमान किया गया

जैन सोश्यल ग्रुप द्वारा डॉक्टर्स एवं सीए दिवस मनाया गया

विनय उजाला

नागदा जं. निप्र। जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा जवाहर मार्ग स्थित महावीर भवन में सौम्य एवं स्नेहिल वातावरण में हर्ष और उल्लास के साथ डॉक्टर्स एवं सीए दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका में जैन सोश्यल ग्रुप नागदा के समस्त पूर्व अध्यक्ष ने निभाई। स्वागत उद्बोधन धर्मेन्द्र बंम ने दिया। कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रशांत नाहर ने किया एवं आभार पंकज पावेचा ने माना। समारोह में पेन का वितरण डॉ अरुण जैन ने किया। आयोजन के दौरान 12 डॉक्टर्स एवं 13 चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का बहुमान किया गया। डॉ अरुण जैन, डॉ सुषमा जैन, डॉ दीपक जैन, डॉ सुभाष जैन, डॉ अमित नवलखा, डॉ नेहा नवलखा, डॉ रीति भण्डारी, डॉ नितिशा वागरेचा, डॉ श्रुति मुरडिया, डॉ रंगोली जैन, डॉ अंकिता जैन, डॉ करिश्मा दलाल, सीए अनिल जैन, कमलनयन चपलोत, अनमोल जैन, निलेश हिंगड़, मयंक जैन कांकरिया, आदित्य मेहता, अर्पित सिसौदिया, पूजा धाकड़, प्रतिक्षा दलाल, पलक जैन, आकांक्षा बाफना, मनीष जैन ग्रेसिम एवं श्रेयांस व्होरा को उनकी सेवाओं के लिए ग्रुप द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष रवि कांठेड़, रीजन उपाध्यक्ष शरद जैन, राजेन्द्र कांठेड़, एस एम सिसौदिया, अरविंद नाहर, सुभाष बाफना, कमल जैन, दिलिप कांठेड़, श्रेणिक बम, मनीष चपलोत, हितेष कांठेड़, रविन्द्र संघवी, सिद्धार्थ कांठेड़, अंकुर जैन, आशीष पोखरना, पंकज मारू, सुरेश जैन (एडव्होकेट), राजेश सकलेचा, सुधांशु जैन, प्रथम कांठेड़, आनंद कांठेड़, सचिन सकलेचा, जितेंद्र पोखरना, नितिन बुडावनवाला, शर्मिला बंम, साधना जैन, मनीषा गांग, सलोनी वागरेचा, सरिता सकलेचा आदि अनेक ग्रुप सदस्य उपस्थित थे।

सम्पादकीय

ट्रंप को नोबेल नामित

पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की सिफारिश नोबेल शांति पुरस्कार-2026 के लिए की है। हालांकि ट्रंप ने कहा है कि वह कुछ भी कर लें उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा ।ट्रंप पिछले दिनों भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद के बाद कई दफा दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ही दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष रुकवाया था। हालांकि भारत सरकार ने उनके इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया ।पिछले दिनों ट्रंप ने पाकिस्तान के कथित फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को दावत पर बुलाया था और उसके तीन दिन बाद ही शनिवार को पाकिस्तान सरकार ने कहा कि भारत के साथ संघर्ष में ट्रंप का हस्तक्षेप एक वास्तविक शांतिदूत के रूप में उनकी भूमिका और बातचीत के माध्यम से संघर्ष समाधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ट्रंप ने हाल के समय में कई जगहों पर संघर्षरत देशों के बीच संघर्ष समाप्त करने में पहल की बातें कही हैं ।रूस-यूक्रेन के बीच काफी समय से चले आ रहे युद्ध को रुकवाने की भी कोशिश की। यूक्रेन के राष्ट्रपति को बुला कर झिड़का भी, लेकिन युद्ध अभी तक थमा नहीं है। ट्रंप ने कहा कि वह कांगो और रवांडा के बीच संघर्ष को रोकने लिए अद्भुत संधि करा रहे हैं ।ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा को अरसे से अपने दिल में पाले हुए हैं, लेकिन वैश्विक घटनाक्रम के मद्देनजर उनकी लालसा पूरी होती दिखलाई नहीं पड़ रही। बीते चौबीस घंटे का घटनाक्रम तो एकदम से उनकी इच्छा पर कड़ा आघात करने वाला रहा ।अमेरिका ने युद्धरत ईरान और इजरायल के बीच तनाव को कम करने की बात तो कही, मगर रविवार तड़के इजरायल की तरफ से ईरान पर बम डाल कर ईरान के तीन सामरिक ठिकाने नष्ट कर दिए। इस हरकत को युद्ध रुकवाने का कार्य तो नहीं ही कहा जा सकता ।शांति तो वार्ता की टेबल पर होती है, लेकिन हमलावर होकर एक पक्ष का साथ देते हुए दूसरे पक्ष को शस्त्रविहीन कर देना शांति स्थापना करार नहीं दिया जा सकता। वैसे भी पाकिस्तान ने भले ही शांति के नोबेल के लिए ट्रंप को नामित करने की बात कही है, लेकिन उसके अपने देश में ही इसका तीव्र विरोध शुरू हो गया है ।संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की राजूदत रह चुकीं मलीहा लोधी ने एक्स पर लिखा है कि ट्रंप को नोबेल नामित करने संबंधी सरकार का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है।

दैनिक विनय उजाला — सुविचार

जल्दबाजी में कुछ गलत फैसले हो भी जाए,
तो उसकी आशंका में चुप न बैठकर और
गति से आगे बढ़ते जाए या तो सफलता मिलेगी या
अनुभव जो आगे की राह सुलभ करेंगे।

- डॉ. बनवारीलाल जाजोदिया 'यथार्थ'

दो चीजों पर नियन्त्रण होना बहुत ज़रूरी है,
आमदानी ठीक न हो तो खर्चों पर और
जानकारी ठीक न हो तो शब्दों पर।

- के.पी. जाट, भोपाल

आपके पास जो है उसका आनंद तभी ले पायेंगे....
जब आपके पास जो नहीं है उसकी चिंता छोड़ेंगे...

- प्रशांत महंत, भोपाल

जिसे हर बात पर संशय करने की आदत
हो जाती हैं, उससे कोई डरने की जरूरत नहीं है,
क्योंकि वह तो भगवान पर भी संशय करते हैं ।

- हरिशंकर पाटीदार, लिम्बोदा देवास

शब्द ही जीवन को अर्थ दे जाते है और
शब्द ही जीवन ने अनर्थ कर जाते है।
शब्दों का चयन आपकी योग्यता को दर्शाता है।

- पुष्पेन्द्र कानूनगो, इंदौर

संबंध वो ब्रम्हास्त्र है, जो तब काम आता है,
जब धन,बल और प्रभाव
जैसे शस्त्र निष्फल हो जाते हैं।

- सोमनाथ तिवारी, माण्डव

काचीगुडा-हिसार स्पेशल के एक फेरा विस्तारित

रतलाम, (विनय उजाला)।यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखकर रतलाम मंडल के रतलाम, मंदसौर, नीमच एवं चित्तौड़गढ़ स्टेशनों पर ठहराव के साथ गुजरने वाली 07717/07718 काचीगुडा-हिसार-काचीगुडा स्पेशल ट्रेन के दोनों दिशाओं में एक-एक फेरा बढ़ाया गया है।गाड़ी संख्या 07717 काचीगुडा हिसार स्पेशल काचीगुडा से 03 जुलाई, 2025 को तथा गाड़ी संख्या 07718 हिसार काचीगुडा स्पेशल हिसार से 06 जुलाई, 2025 को चलेगी। यह ट्रेन 20 थर्ड एसी कोच के साथ चलेगी तथा इसके आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव, मार्ग आदि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। ट्रेनों से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का पाचोरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

विनय उजाला

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 09079/09080 और ट्रेन संख्या 09081/09082 उधना-मिरज आषाढ़ी एकादशी स्पेशल को पाचोरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण निम्नानुसार है:-

1. 04 जुलाई, 2025 को उधना से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09079 उधना-मिरज स्पेशल को पाचोरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 16.43 बजे पाचोरा स्टेशन पहुंचेगी और 16.45 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह, 05 जुलाई, 2025 को मिरज स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09080 मिरज-उधना स्पेशल को पाचोरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 22.28 बजे पाचोरा स्टेशन पहुंचेगी और 22.30 बजे प्रस्थान करेगी।

2. 05 जुलाई, 2025 को उधना से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09081 उधना-मिरज स्पेशल को पाचोरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

यह ट्रेन 16.43 बजे पाचोरा स्टेशन पहुंचेगी और 16.45 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह, 06 जुलाई, 2025 को मिरज स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09082 मिरज-उधना स्पेशल को पाचोरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 22.28 बजे पाचोरा स्टेशन पहुंचेगी और 22.30 बजे प्रस्थान करेगी।

5 प्रतिशत रक्षा व्यय तय करते हैं तो 21 देश जो अभी शिक्षा के मद में पांच प्रतिशत से कम निवेश करते हैं, वे स्कूली शिक्षा को पीछे छोड़ सेना को अधिक आवंटित करेंगे। ऐसे में सत्ता, गठबंधन चुनावों में लोकप्रियता की राजनीति उन्हें रोकेगी तो सामाजिक ताकतें भी। स्पेन जैसे देश जो भौगोलिक तौरपर रूस-चीन के खतरे से बहुत दूर हैं वे इस ओर कान ही नहीं देंगे।

नाटो के नये रक्षा बजट से

क्या भारत हथियार बाज़ार का नया खिलाड़ी बनेगा ?

संजय श्रीवास्तव

नाटो देशों का अपना रक्षा खर्च बढ़ाकर अपनी अपनी जीडीपी के पांच फीसदी पर लाने पर राजी होना, चीन और रूस दोनों के लिए चिंताजनक है। मगर भारत को यह रक्षा प्रणाली और हथियार बेंचकर करोड़ों अरब कमाने का सुनहरा मौका है, जो उसे 2030 तक विश्व के टॉप टेन रक्षा निर्यातकों में पहुंचा देगा। आखिर विशेषज्ञों के इन दावों में कितना दम है?,

डोनाल्ड ट्रंप के रूस से दिखाए भय और इस भभकी के चलते कि वह उत्तरी अटलांटिक देशों के संगठन नाटो से अलग हो जाएगा, बाकी 31 देशों में से स्पेन को छोड़कर सभी ट्रंप के आगे नतमस्तक हो अपना रक्षा बजट 2032 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद के 5 फीसदी तक करने पर राजी हो गये हैं। ट्रंप की चालाकियां, नीति-रणनीति और पैंतरे जो उसके साथ शामिल अधिकतर छोटे यूरोपीय देशों के लिये हों, हम पर खास असर न डालते हों तो इस बारे में हमारी खुशी क्या और चिंता क्या लेकिन एक तो भू-राजनीतिक समीकरण इतने एक रेखीय नहीं होते, जितने अमूमन नजर आते हैं।

उनमें कई परोक्ष अंतर्संबंध गुंफित होते हैं। तिस पर भारतीय विश्लेषकों ने इस सुर्खियों से अखबार रंग दिये हैं कि अमेरिकी प्रस्ताव जिसे धमकी कहना उचित होगा, स्वीकार लेने से तमाम नाटो देशों का रक्षा बजट दोगुना-तिगुना होगा तो हमारे हथियार, सैन्य प्रणाली तथा उपकरण खूब बिकेंगे। हम और हमारी कंपनियां इस बाजार में बड़े खिलाड़ी के बतौर स्थापित होंगे। फ्रांस, अमेरिका के अलावा एशिया और अफ्रीका के साथ कई विकासशील देश भारतीय हथियारों में रुचि ले रहे हैं। फिलीपींस ब्रह्मोस खरीद रहा है तो वियतनाम नौसैनिक उपकरण, मॉरीशस, सेशेल्स, श्रीलंका वगैरह तटरक्षक पोत, लैटिन अमेरिका के कुछ देश भारतीय रडार और हल्के हथियारों में रुचि दिखा रहे हैं, तो हम नेपाल, म्यांमार, भूटान के अलावा इंडोनेशिया, ब्राजील और कुछ यूरोपीय देशों को भी हथियार बेचने जा रहे हैं। ऐसे में गैर नाटो देशों के अलावा कम से कम दो दर्जन नए नाटो ग्राहक मिलेंगे तो हम करोड़ों अरब कमाएंगे। इस तरह की प्रत्याशा से भरे समाचारों की प्रचुरता ने नीदरलैंड्स के द हेग में हुई बैठक के दौरान नाटो देशों के नए बजट की मंजूरी को अपने देश के लिये भी एक महत्वपूर्ण घटना के बतौर स्थापित कर दिया।

सवाल उठता है कि क्या विश्लेषकों का आंकलन तर्कसंगत और सटीक है? अथवा अतिउत्साही और महज खुशफहमी भरा है? बेशक भारत अब बेहद उन्नत और सक्षम हथियार तथा सैन्य तकनीकी से संपन्न उपकरणों उपस्करों का निर्माण करता है, विश्व बाजार में उसकी साख भी बन रही है। वह हथियारों को बेचना भी अवश्य चाहेगा। पर क्या वाकई यह एक इतना आसान और बड़ा अवसर है, जिसका मुख्य दोहनकर्ता भारत ही होगा? क्या यह मौका देश के हथियार बाज़ार को वैश्विक मंच दिलाएगा? क्या यह लाभ वाकई इतना बड़ा है जितना प्रचारित किया जा रहा है? नाटो के कोष में 66 फीसद हिस्सेदारी निभाने वाले अमेरिका के हाथ खींचने की घुड़की से उसके कुछ देश अपना रक्षा व्यय जीडीपी के पांच फीसद तक ले जाने का प्रयास करेंगे। पोलैंड अपनी जीडीपी का 4 प्रतिशत से ज्यादा, एस्टोनिया और अमेरिका साढ़े तीन प्रतिशत से अधिक, लातविया और ग्रीस जो तीन फीसदी तक खर्चते हैं, वे ऐसा कर सकेंगे। फिलहाल इसमें ग्रीस के अलावा कोई दूसरा हमारा संभावित ग्राहक नहीं दिखता। ढ़ाई प्रतिशत या उससे कम का आंकड़ा रखने वाले देशों के लिए यह काम आसान न होगा, जिसमें फिनलैंड, ब्रिटेन, रोमानिया, डेनमार्क इत्यादि हैं और जो देश दो प्रतिशत या उससे भी नीचे यानी जो अपनी जीडीपी का एक प्रतिशत से जरा ही ज्यादा रक्षा मद में व्यय करते हैं, उनके लिये यह असंभव होगा।

ज्यादातर नाटो देश सैनिकों,हथियारों पर जीडीपी का साढ़े तीन प्रतिशत का रक्षा व्यय पूरा नहीं कर पायेंगे। हद से हद सड़कों, पुलों, बंदरगाहों, हवाई क्षेत्रों, सैन्य वाहनों, साइबर सुरक्षा और ऊर्जा पाइपलाइनों की सुरक्षा सहित बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के मद में जीडीपी का डेढ़ प्रतिशत का नियत हिस्सा वे गोलमाल से पूरा करेंगे। कुछ देशों की राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि सत्ता में उनके साझीदार रक्षा को शिक्षा, स्वास्थ्य पर तरजीह देने के खिलाफ हैं। नाटो के सभी देश रक्षा पर स्वास्थ्य या शिक्षा से कम खर्चते हैं। 5 प्रतिशत रक्षा व्यय तय करते हैं तो 21 देश जो अभी शिक्षा के मद में पांच प्रतिशत से कम निवेश करते हैं, वे स्कूली शिक्षा को पीछे छोड़ सेना को अधिक आवंटित करेंगे। ऐसे में सत्ता, गठबंधन चुनावों में लोकप्रियता की राजनीति उन्हें रोकेगी तो सामाजिक ताकतें भी। स्पेन जैसे देश जो भौगोलिक तौरपर रूस-चीन के खतरे से बहुत दूर हैं वे इस ओर कान ही नहीं देंगे। सवा फीसदी से थोड़ा ज्यादा रक्षा व्यय वाला कनाडा राजनीतिक कारणों से आनाकानी करेगा। रक्षा व्यय को जीडीपी के पांच फीसदी तक पहुंचने के लिए तकरीबन दो दर्जन देशों को मौजूदा खर्चों की तुलना में हर बरस सैकड़ों अरब डॉलर ज्यादा खर्चने होंगे, तिस पर तुर्रा यह कि नाटो सदस्यों को खुद तय करना होगा कि वे रक्षा व्यय आवंटन हेतु अतिरिक्त नकदी कहां से लाएं? सामाजिक उत्थान की बात और है हथियार के लिये उधार मिलने से रहा।

नाटो के संपन्न और जीडीपी के तीन फीसद से ज्यादा रक्षा व्यय करने वालों के पसंदीदा हथियार विक्रेताओं में अभी भारत शामिल नहीं। छोटे देश जिनका रक्षा बजट उनकी जीडीपी के तीन फीसद तक पहुंच भी जाए तो यह राशि बेहद कम होगी। ऊपर से समूह के सदस्य देशों तथा अमेरिका और बाजार के दीगर बड़े खिलाड़ियों का भी दबाव होगा। नाटो देशों के हथियार और सैन्य सामग्री तथा उपकरणों के मुख्य आपूर्तिकर्ता अभी भी अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन ही हैं। बोइंग, एयरबस और लॉकहीड मार्टिन जैसी अमेरिकी कंपनियों ने नाटों देशों का हथियार बाजार पहले से ही कब्जाया हुआ है, वे इस अवसर को भुनाने के लिये और आक्रामक प्रयास करेंगी। इनके अलावा दक्षिण कोरिया इन देशों को उन्नत मिसाइल और नौसेना प्रणाली बेचने के करीब है, तो इज़राइल और तुर्की इन्हें सस्ते ड्रोन्स, साइबर सुरक्षा, इंटेलिजेंस उपकरण तथा ब्राज़ील सस्ते में हल्के मिलेट्री विमान देने जा रहा है। ऐसे में उनके सैन्य खरीद का कितना हिस्सा हमें मिलेगा कहना मुश्किल है, यह दावा कितना सही होगा कि यह अवसर भारतीय रक्षा निर्माताओं के लिए भारी निर्यात का रास्ता खोलेगा, वैश्विक रक्षा खरीद गतिशीलता को नई दिशा देगा? भारत नाटो देशों के लिए एक आकर्षक द्वितीय सप्लायर बन जाएगा।

नाटो देश अब सस्ते और भरोसेमंद वैकल्पिक हथियार स्रोत ढूंढ़ रहे हैं, सो कुछ नाटो देशों से खरीदारी के प्रस्ताव मिलते भी हैं, तो उसका हमारे रक्षा व्यवसाय पर कितना प्रभाव पड़ेगा यह इसी बात से समझा जा सकता है कि आज 85 से अधिक देशों को रक्षा उत्पाद निर्यात करने के बावजूद भारत वैश्विक रक्षा निर्यात बाजार में एक प्रतिशत से कम की हिस्सेदारी रखता है। विगत एक दशक में सरकार ने जो कोशिशें रक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के नाम पर की हैं, उसके शानदार परिणाम अब दिखने लगे हैं और तय हो चुका है कि भारत रक्षा बाजार में भविष्य का बड़ा खिलाड़ी है। ब्रह्मोस मिसाइल, तेजस, अर्जुन टैंक, स्वदेशी रडार, आर्टिलरी गन, डोर्नियर-228 विमान, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट जैसे तमाम निर्यात योग्य शानदार उत्पाद हैं। डेटा पैटर्न इंडिया, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज, डीआरडीओ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारत डायनेमिक्स, आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी, एचएएल, टाटा एडवांस सिस्टम, जैसी कई कंपनियां अपने उत्पादों और डिलिवरी के लिये वैश्विक स्तर पर जानी जा रही हैं। एमआरओ यानी मेंटीनेंस, रिपेयर, ओवरऑल सेक्टर में भी हम बेहतर हैं। यदि हम अपनी आकांक्षाओं को वास्तविकता के धरातल पर रखें तो इस अवसर का लाभ हम टियर-2 सप्लायर के रूप में ले सकते हैं। सरकार का लक्ष्य है वित्त वर्ष 29 तक रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का उसे इसी तरह पूरा किया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और विज्ञान व तकनीकी विषयों के जानकार हैं)

आने वाला है मल्टीपल कॅरियर का युग

नरेंद्र कुमार

आजकल कॅरियर परामर्शदाताओं से अगर भविष्य के कॅरियर ट्रेंड के बारे में पूछें तो वो छूटते ही कहते हैं मल्टीपल कॅरियर का दौर आने वाला है। सवाल है ये मल्टीपल कॅरियर क्या है? दरअसल आने वाले दिनों में लोग एक ही नौकरी को जीवन के 30 या 35 साल तक नहीं करेंगे। आने वाले समय में लोग कुछ कुछ सालों के बाद अपनी नौकरियां बदल दिया करेंगे। कहने का मतलब भविष्य में कोई व्यक्ति एक ही कॅरियर के साथ पूरी जिंदगी नहीं बितायेगा। मसलन कोई व्यक्ति मार्केटिंग करता है तो जरूरी नहीं है कि यह वह मार्केटिंग करते हुए ही अपने कॅरियर से रिटायर हो। हो सकता है मार्केटिंग से अपना कॅरियर शुरु करने वाला व्यक्ति वीडियो प्रोडक्टशन इंचार्ज या टी टेस्टर के रूप में अपने कॅरियर लाइफ का अंत करे। विशेषज्ञ कहते हैं मल्टीपल कॅरियर का युग बिल्कुल देहरी पर खड़ा है बल्कि बहुतों का तो मानना है कि यह आने वाला नहीं है बल्कि आ चुका है। मसलन आज कई ऐसे जॉब हैं जिन्हें करते हुए लोग कई तरह के काम कर रहे हैं। ये इस प्रकार हैं-

गीग .फुलटाइम प्रोफेशन मॉडल

आज कई ऐसे नौजवान हैं जो शाम से देर रात तक फूड डिलीवरी या किसी रेस्टोरेंट में वेटर या कई दूसरे ऐसे ही काम करते हैं और दिन में मॉडलिंग या दूसरे पेशों पर अपना हाथ आजमाते हैं। इसी तरह दर्जनों नहीं बल्कि सैकड़ों आईटी इंजीनियर हैं, जो साथ ही साथ ऑनलाइन कोडिंग टीचर की भी नौकरी कर रहे हैं। इसी तरह कई ऐसे एचआर मैनेजर हैं, जो लिंक्ड इन जैसी कॅरियर वेबसाइट में कंसलटेंट भी हैं। एक साथ एक मल्टीनेशनल कंपनी में एकाउंटेंट हैं, साथ ही एक स्टार्टअप में फाइनेंशियल एडवाइजर की भूमिका निभा रहे हैं। इस तरह अगर हम देखें आईटी, फाइनेंस, डिजिटल मार्केटिंग और एचआर के क्षेत्र में मल्टीपल कॅरियर का दौर आने वाला नहीं है बल्कि आ चुका है।

पैशन .कंटेंट क्रिएटर

आज बड़ी संख्या ऐसे प्रोफेशनल्स की है, जो अपने शौक के लिए नौकरी नहीं छोड़ते बल्कि अपने शौक को ही अपना पैशन बना लेते हैं और यह सिर्फ नामभर के लिए नहीं होता बकायदा उनका लीडिंग कॅरियर भी हो सकता है। आज सोशल मीडिया में स्वास्थ्य के न जाने कितने वीडियो सीधे डॉक्टर बना रहे हैं। वे अगर कहीं जॉब करते हैं तो 8 घंटे अपनी जॉब करते हैं और इसके बाद यू-ट्यूब के लिए हेल्थ वीडियो बनाते हैं। कई डॉक्टर तो ऐसे हैं जिन्होंने हेल्थ वीडियो बनाने के लिए अपनी 10 टू 6 की जॉब छोड़ दी है, इसकी जगह वे फ्रीलांस कंसलटेंट के रूप में काम करने लगे हैं और उनके पास जो समय होता है, उसमें वो दिन में कई उपयोगी हेल्थ वीडियो बनाकर यू-ट्यूब से अच्छी खासी कमाई कर रहे हैं। दर्जनों डॉक्टर या इंजीनियर अपनी नौकरी करने के साथ साथ पार्टटाइम मोटीवेशनल स्पीकर के रूप में भी काम कर रहे हैं और कई अपनी नियमित नौकरी से कहीं ज्यादा मोटीवेशनल स्पीकर के रूप में कमाई कर रहे हैं। लगभग यही हाल अनगिनत सरकारी शिक्षकों का है। वो पीएचडी करने के बाद एजुकेशनल वीडियो बनाकर अपलोड कर रहे हैं और इससे न सिर्फ अच्छी खासी कमाई कर रहे हैं बल्कि लोकप्रियता भी हासिल कर रहे हैं। इससे उन्हें वास्तव में शिक्षक होने का संतोष मिलता है। राजमोहन एक मल्टीनेशनल बैंक में बैंकर हैं। लेकिन शाम को घर आने के बाद वो अपना बैंकर का चोला उतारकर ट्रैवल, ब्लॉगर की भूमिका में आ जाते हैं और बैंकिंग क्षेत्र से कहीं ज्यादा कॅरियर की संतुष्टि उन्हें ट्रैवल ब्लॉगर के रूप में हासिल हो रही है। इस तरह देखें तो एजुकेशन, मीडिया और क्रिएटिव आर्ट के फील्ड में भी मल्टीपल कॅरियर बनाने की भरपूर गुंजाइश है।

कारपोरेट प्रोफेशनल .पॉड कास्टर

यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम पॉडकास्ट ये ऐसे प्लेटफॉर्म हैं जिन्होंने इन दिनों मल्टीपल कॅरियर के दरवाजे पूरी तरह से खोल दिए हैं। आज कई ऐसे कारपोरेट कर्मचारी हैं जो पार्टटाइम में इंस्टाग्राम के लिए रील्स बनाते हैं। कई ऐसे एथलीट्स हैं जो फिटनेस पॉड कास्टर की भूमिका में उतरकर नाम और दाम दोनो ही कमा रहे हैं। ठीक इसी तरह से आज हजारों ऐसे वकील हैं, जो वकालत करने के साथ साथ सोशल मीडिया में कानूनी सलाह देते हैं। कानून से संबंधित वीडियो और रील्स बनाते हैं तथा ऑनलाइन कंसल्टिंग का काम भी करते हैं। इस तरह देखा जाए तो यह किसी एक या दो क्षेत्र की बात नहीं है बल्कि सैकड़ों ऐसे क्षेत्र हाल के दिनों में उभरकर आए हैं, जहां मल्टीपल कॅरियर की भरपूर गुंजाइश है। विशेषकर स्टार्टअप, पब्लिशिंग, क्रिएटिव सेक्टर, सर्विस सेक्टर और सस्टेनेबेलिटी के क्षेत्र में कार्यरत लाखों लोग साथ में एक और काम कर रहे हैं। इस तरह वह एक नहीं बल्कि दो दो कॅरियर के मालिक हैं।

आखिर क्यों आ रहा है मल्टीपल कॅरियर का युग?

दरअसल आज तकनीकी बदलाव की रफ्तार बहुत तेज है। हर कुछ सालों के भीतर सारी पुरानी तकनीकें बदल जाती हैं। एआई, आटोमेशन, ग्रीन टेक और बायो टेक ये ऐसे क्षेत्र हैं, जहां लगातार तकनीकी में तेज रफ्तार से बदलाव हो रहे हैं। इसलिए एक कॅरियर से अब काम नहीं चलने वाला, कम से कम दो कॅरियर में पारंगत तो होना ही पड़ेगा और यह सब सोचने या भविष्य के लिए छोड़ देने की बात नहीं है बल्कि यह स्थिति आ चुकी है। इसलिए अब एक स्किल से बात नहीं बन रही, लोग एक साथ कई स्किल में ट्रेंड हो रहे हैं। भविष्य में यह चलन और मजबूत होगा। इसके अलावा मल्टीपल कॅरियर की एक और वजह यह है कि वर्कलाइफ बैलेंस और पैशन आज दोनो साथ साथ चल रहे हैं। क्योंकि आज की पीढ़ी नौकरी को सिर्फ रोटी कमाने का जरिया नहीं मानती, वह इसे अपने पैशन और क्रिएटिविटी का जरिया भी मानती है। इसलिए नई पीढ़ी वर्कलाइफ बैलेंस के साथ अपने पैशन को जीना जानती है। नतीजतन मल्टीपल कॅरियर का चलन बढ़ रहा है। इस 21वीं सदी में लोग फुलटाइम नौकरी के साथ साथ पार्टटाइम प्रोजेक्ट, फ्रीलांस जॉब, कसंलटिंग या ऑनलाइन टीचिंग जैसे विकल्पों की तरफ भी खुशी खुशी जा रहे हैं। इसलिए मल्टीपल कॅरियर का माहौल बन रहा है। इसके लिए एक और बात भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कॅरियर की अब औसत उम्र बढ़ गई है। पहले लोग 58 साल की उम्र में रिटायर हो जाते थे। लेकिन आज 60 से 65 साल की उम्र में भी लोगों के पास काम करने की भरपूर क्षमता और पैशन होता है। इसलिए एक कॅरियर से काम नहीं चलता। साथ ही पिछले एक दशक में कारपोरेट कल्चर में भी काफी बदलाव आ गया है। कंपनियां अब लचीले काम के तरीके पर जोर दे रही हैं। जिससे लोगों को एक से ज्यादा कॅरियर्स में हाथ आजमाने का मौका मिल रहा है। हालांकि अभी महज एक दो फीसदी ही ऐसे प्रोफेशनल हैं जो एक साथ कई कॅरियर से जुड़े हैं, लेकिन जानकारों की भविष्यवाणी है कि 2030 तक करीब 25 फीसदी और 2024 तक 60 फीसदी से ज्यादा लोग मल्टीपल कॅरियर वाले होंगे। यह किसी एक देश या किसी एक क्षेत्र विशेष में ही ट्रेंड नहीं आयेगा बल्कि पूरी दुनिया में आने वाले दिनों में मल्टीपल कॅरियर की धूम देखने को मिलेगी।

-इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

सुविधा के लालच से कर्ज के भंवर में व्यक्ति 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा प्रति व्यक्ति कर्ज

विनय उजाला

झाबुआ। आरबीआई की जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार दो वर्षो के दौरान प्रति व्यक्ति ऋण में वृद्धी हुई है, कर्ज में डुबता व्यक्ति अपने ऊपर कर्ज और बढ़ाता जा रहा है।सुविधा के नाम पर लालच में व्यक्ति कर्ज में डुबकर लोन पर लोन लेता जा रहा है।देश में हर वो व्यक्ति जो कमाई करता है या किसी नोकरी, या फिर कृषक है वह लोन लेकर अपने जीवन की ऐसी अनाव्यश्यक आवश्यकताओं की भी पूर्ति कर रहा है जिसकी उसे आवश्यकता नहीं होती है। वर्तमान में बैंक हर संभव तरह से लोन देने के लिए तैयार है, फिर क्रेडीड कार्ड के माध्यम से अनेकोनेक प्रकार के लोन उसके साथ किसी भी सामान को लेने के लिए कार्ड से पेमेंट आसान किश्त पर मगर अधिक ब्याज पर।समाज में लोन लेने के लिए होड़ सी लग गई है, हर व्यक्ति के नाम पर कहीं न कहीं कोई लोन चल ही रहा है, उसके बाद एक लोन समाप्त हुआ नहीं की दूसरा लोन लेने की तैयारी पहले से ही हो जाती है, कहीं-कहीं तो एक, दो, से अधिक लोन एक व्यक्ति पर चल रहे होते हैं। एक रिसर्च के अनुसार जब व्यक्ति की आय में बढ़ोत्तरी होती है, और वह आर्थिक प्रगति करने लगता है तब उसमें अपनी सुविधाओं की पूर्ति के लिए कर्ज लेने की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है, जो की एक समय बाद घातक परिणाम देती है।

बहुत सी कंपनियां ऐसी भी है जो लोन के ऑफर फोन के माध्यम से या मेसेजेस के माध्यम से या फिर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करती है।उनके जाल में जरुरतमंद व्यक्ति फंस जाता है और अत्याधिक ब्याज दर के बाद भी वह कर्ज ले लेता है, और जब वह कर्ज नहीं चुका पाता है तब अपनी आईडेंटी को छुपाता फिरता है। परंतु एक तरफ ऐसे भी लोग है जो समय पर लोन चुकाते है और नए लोन की प्रोसेस में तैयार खड़े होते हैं।

सोमवार को आईबीआई की ओर से वित्तिय स्थिरता रिपोर्ट जारी की गई जिसमें बताया गया कि, मार्च 2023 में प्रति व्यक्ति पर कर्ज 3.90 लाख रुपये था जो मार्च 2025 तक 4.80 लाख रुपये प्रति व्यक्ति हो गया। इस अनुसार ऋण का व्यास बढ़ता जा रहा है और कर्ज में व्यक्ति डुबता जा रहा है फिर बैंको ने रोपो रेट और ब्याज दर को कम भी किया है जिसके फलस्वरुप कर्ज लेना और भी आसान हुआ है।कर्ज बढ़ता जा रहा है जिसका असर महगांई पर भी पड़ेगा। आरबीआई की ऐसी ही एक रिपोर्ट में बताया था कि, मार्च 2025 को समाप्त हुए वित्तिय वर्ष में भारत पर विदेशी कर्ज जीडीपी के मुकाबले 18.5 प्रतिशत से बढ़कर 19.1 प्रतिशत हो गया है। ऐसी ही रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी के मुकाबले परिवारों पर कर्ज का अनुपात दो वर्षों में 40 प्रतिशत से बढ़कर 41.9 प्रतिशत हो गया है। चिंता की बात तो है ही क्योंकि गैर अवासीय खुदरा लोन की हिस्सेदारी 54.9 प्रतिशत हो गई है, यह चिंताजनक इसलिए है क्योंकि खर्च के लिए अमुमन ऐसे ही ऋण लिए जाते हैं। इसमें चिंता का कारण इसलिए भी सम्मिलित है क्योंकि परिवारों की कुल आय के मुकाबले खुदरा लोन की हिस्सेदारी लागातार तेजी से बढ़ रही है।

यदि अर्थशास्त्री, या अर्थविद इस बढ़ते कर्ज के प्रतिशत से उपजे चिंताजनक कारण को आर्थिक विकास दर और बदलती जीवनशैली से देखते हैं तो यह घातक हो सकता है।ऋण के बढ़ते प्रतिशत या कर्ज की प्रवृत्ति लागातार बनाएं रखने से देश कर्जे में जा सकता है और भारत को बढ़ता हुआ यह कर्ज परेशानी में डाल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार कर्ज में होम लोन की हिस्सेदारी भी ज्यादा बताई गई है, परिवारों में बढ़ते कर्ज में होम लोन का हिस्सा लगातार बढ़ रहा है। अब होम लोन चूंकि स्थाई परिसंपत्तियों के आधार पर लिया जाता है और इसका मुल्य भी बढ़ता रहता है तो इस पर चिंता का प्रतिशत थोड़ा कम किया जा सकता है लेकिन फिर ऐसे बहुत से लोग है जो एक से ज्यादा घर खरिदने के लिए तैयार हो और उन व्यक्तियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो भी रही है।हालांकि गैर खुदरा लोन पर सरकार को और समाजिक रुप से समझाइश का अध्याय शुरु करना होगा अन्यथा कर्ज लेने की बढती प्रवृत्ति से परिवारों की और घरो की बर्बादी होना निश्चित ही है। लोगों को समझना होगा की अनावश्यक लोन लेने से खराब आदतों में वृद्धी होगी और इस बूरी आदतों के कारण परिवार टुटेंगे, महगांई बढ़ेगी और कर्ज पूरा न कर पाने के कारण लोग आत्महत्या की तरफ मुड़ेगे।लोग एक दूसरे को ठगने के लिए तैयार रहेगे, झुठ और भ्रष्ट्राचार का मयाजाल फिर से फैलने लगेगा। बहरहाल, पैर उतने ही पसारो जितनी बड़ी चादर हो, जनता को उन कम्पनियों के लोन से बचना चाहिए जो लालच देकर बड़े अमाउंट का लोन अधिक ब्याज दर में देती है साथ ही गैर अवासीय खुदरा लोन लेने से प्रत्येत व्यक्ति को बचना चाहिए जिससे बढ़ा हुआ प्रति व्यक्ति पर ऋण के प्रतिशत में गिरावट आए।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में पोस्टर पॉलिटिक्स- राजद बोली... नीतीश के चेहरे पर चुनाव नहीं जीत सकते, इसलिए पीएम मोदी को आगे किया

गया जी, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही प्रदेश की राजनीति में सरगर्मी तेज हो गई है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर निशाना साधने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में गया शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों और दीवारों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टरों पर स्लोगन लिखा गया है सोच दमदार, काम असरदार फिर एक बार एनडीए सरकार। माना जा रहा है कि एनडीए गठबंधन ने पोस्टर लगाकर बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

इन पोस्टरों पर राजद विधायक सह पार्टी प्रवक्ता सतीश दास ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एनडीए को अब समझ में आ गया है कि नीतीश कुमार के चेहरे पर बिहार विधानसभा चुनाव नहीं जीता जा सकता है, इसलिए अब नरेंद्र मोदी जी को आगे किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पोस्टर में दोनों नेताओं की संयुक्त तस्वीर से यह साफ झलक रहा है कि एनडीए गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है। सतीश दास ने कहा कि पहली बार पटना के जदयू कार्यालय में भी प्रधानमंत्री मोदी और सीएम नीतीश कुमार की तस्वीर एक साथ लगाई गई है। इससे साफ है कि जदयू अब भाजपा में विलीन होने की तैयारी में है। पहले तो नीतीश कुमार खुद भाजपा में घुले-मिले थे, अब अपनी पूरी पार्टी को भी भाजपा में मिलाने को तैयार दिख रहे हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव इसी साल अक्टूबर-नवंबर में संभावित हैं। ऐसे में गया सहित पूरे प्रदेश में पोस्टर-पॉलिटिक्स ने चुनावी हलचल को और तेज कर दिया है।

खरगे का आरोपः हिमाचल में केंद्र सरकार ने दी महज 433 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश व भूस्खलन से हुए जान-माल के भारी नुकसान को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। बुधवार को खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि इस वर्ष की बारिश के पहले ही हिमाचल सरकार ने केंद्र से कुल 9000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की मांग की थी। 2023 की त्रासदी में कांग्रेस की राज्य सरकार ने 4500 करोड़ रुपये की विशेष सहायता जारी की थी, जबकि केंद्र की मोदी सरकार ने राज्य को केवल 433 करोड़ रुपये ही दिए थे। अब हाल ही में आनन-फानन में 2023 के लिए मोदी सरकार ने जो 2000 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है, उसका श्रेय लेने में भाजपा जुटी है। हालांकि राहत की राशि अभी लंबित है। ये है हिमाचल के प्रति भाजपा का सौतेला व्यवहार।

खरगे ने लिखा, हिमाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों से जान-माल के नुकसान की खबर बेहद पीड़ादायक है। सरकार और प्रशासन, युद्ध स्तर पर राहत व बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे ऐसी आपदा के समय जनमानस को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं। केंद्र सरकार से हमारी माँग है कि पिछले कुछ वर्षों से जो हिमाचल प्रदेश की आपदा राशि बकाया है, उसे तत्काल प्रभाव से जारी किया जाए। उम्मीद है कि इस बार के नुकसान में भाजपा, श्रेय लेने के बजाय मदद की कार्रवाई करेगी।

बता दें कि हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून की बरसात ने तबाही मचा रखी है। पिछले 32 घंटे में हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा के चलते कई लोग मारे गए हैं। करीब तीन दर्जन लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्रशासन ने अभी तक करीब 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। बरसात और बादल फटने के कारण पुल और राष्ट्रीय राजमार्गों को भारी नुकसान पहुंचा है। हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट को भी क्षति हुई है। प्रदेश में 32 घंटे के दौरान 16 जगहों पर बादल फटने की घटना हुई है।

इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने ईसी से मुलाकात की मतदाता सूची पुनरीक्षण पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई नेताओं ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोग के साथ बैठक की और विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर अपनी चिंताओं को व्यक्त किया। कांग्रेस, राजद, माकपा, भाकपा, भाकपा (माले), राकांपा (शरदचंद्र पवार) और समाजवादी पार्टी सहित 11 दलों के नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य आयुक्तों से मुलाकात की।

इन नेताओं ने आपत्ति जताई कि बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ ही महीने पहले मतदाता सूची की इस तरह की विशेष जांच कराना उचित नहीं है। यह प्रक्रिया पहले ही बिहार में शुरू हो चुकी है और अगले साल जिन पांच और राज्यों असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव होने हैं, वहां भी इसे लागू किया जाना है। मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग के उस नए निर्देश का भी विरोध किया, जिसमें कहा गया है कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आयोग के दफ्तर में प्रवेश कर सकते हैं। सिंघवी ने कहा, पहली बार हमें चुनाव आयोग में प्रवेश के नियम बताए गए। पहली बार कहा गया कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आ सकते हैं। इस तरह की पाबंदी से आयोग और राजनीतिक दलों के बीच जरूरी संवाद नहीं हो पाएगा।

उन्होंने बताया कि बिहार में कुल लगभग आठ करोड़ मतदाता हैं। राजद नेता मनोज झा ने पूछा कि क्या यह प्रक्रिया लोगों का वोटिंग अधिकार छीनने संकेत है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत में छेड़छाड़ की गई, तो वह विरोध करेंगे। उन्होंने मतदाता सूची में बदलाव के लिए मांगे जा रहे दस्तावेजों पर भी सवाल उठाए गए। भाकपा (माले) नेता दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि बिहार की लगभग 20 फीसदी आबादी काम की तलाश में राज्य से बाहर जाती है। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग कहता है कि आपको मूल निवासी होना होगा। तो क्या प्रवासी मजदूर बिहार के मतदाना नहीं हैं? गरीबों के पास ये प्रमाणपत्र नहीं होंगे। चुनाव आयोग का कहना है कि उसने एसआईआर प्रक्रिया को यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया है कि मतदाता सूची से अपात्र नाम हटाए जाएं और योग्य नागरिकों को शामिल किया जाए, जिससे वे चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। साथ ही आयोग का कहना है कि अवैध प्रवासियों का मतदाता सूची में नाम न मिले, इसके लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं।

पीएमके में पारिवारिक टकराव तेज

बेटे ने पिता के सबसे वफादार विधायक को पार्टी से निकाला

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) पार्टी की अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ रही है। पार्टी के अध्यक्ष डॉक्टर अंबुमणि रामदास ने सलेम वेस्ट से पार्टी विधायक आर. अरुल को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। बता दें, विधायक अरुल को पार्टी के संस्थापक और वरिष्ठ नेता एस. रामदास का करीबी माना जाता है।

डॉक्टर अंबुमणि रामदास ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि आर. अरुल ने पार्टी की अनुशासन समिति के नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने मीडिया में ऐसे बयान दिए, जिससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा। अनुशासन समिति ने उन्हें 24 घंटे में माफी मांगने का मौका दिया था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसी वजह से पार्टी के उपनियम 30 के तहत उनकी प्राथमिक सदस्यता रद्द कर दी गई।

हाल ही में आर. अरुल ने एक इंटरव्यू में साफ कहा था कि उनकी असली वफादारी डॉ. रामदास के प्रति है। उन्होंने कहा था कि डॉ. रामदास के बाद केवल डॉ. अंबुमणि ही उनके नेता हैं। इस बयान ने पार्टी में पहले से चल रही गुटबाजी को और हवा दे दी।

सलेम में पीएमके को झटका

आर. अरुल सलेम जिले के प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। यह इलाका लंबे समय से पीएमके का गढ़ माना जाता है। ऐसे में अरुल की पार्टी से विदाई को पीएमके के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि इससे सलेम में पार्टी की पकड़ कमजोर हो सकती है।

पार्टी में टूट की अटकलें तेज

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस घटनाक्रम से [illegible] में अंदरूनी कलह और गहरी हो सकती है। पहले से ही पार्टी दो गुटों में बंटी नजर आ रही है। एक गुट डॉ. रामदास का समर्थक है और दूसरा गुट उनके बेटे डॉ. अंबुमणि का। आर. अरुल की बर्खास्तगी से यह टकराव अब खुलकर सामने आ गया है। अब देखना होगा कि पार्टी इस संकट से कैसे उबरती है।

अंबुमणि से रिश्ते सुधारने की अपील

सिर्फ इतना ही नहीं, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर. अरुल ने डॉ. अंबुमणि रामदास से अपील की थी कि वह अपने पिता और पार्टी के संस्थापक डॉ. रामदास से रिश्ते सुधारें। उन्होंने कहा था कि पार्टी की मजबूती के लिए दोनों नेताओं के बीच बातचीत जरूरी है। इसी बयान को पार्टी नेतृत्व ने अनुशासनहीनता माना।

राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना, बोले-

सरकार की लापरवाही से जरूरी खाद की किल्लत से जूझ रहा देश

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि देश के किसान उर्वरकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी कोई मदद नहीं कर रही है। उन्होंने दावा किया कि चीन से आने वाले खास उर्वरकों की आपूर्ति रुकने के बावजूद सरकार ने कोई वैकल्पिक तैयारी नहीं की। राहुल गांधी ने इसे किसानों के साथ अन्याय करार दिया।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। लेकिन ये रीढ़ अब विदेशी निर्भरता के कारण कमजोर हो रही है। उन्होंने बताया कि भारत 80 फीसदी विशेष खाद चीन से आयात करता है और अब चीन ने इनकी सप्लाई रोक दी है, जिससे किसानों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

जरूरी उर्वरकों की भी भारी कमी

राहुल गांधी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब देश में जरूरी उर्वरकों की कमी हुई हो। पहले भी देशभर के किसान डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) और यूरिया की कमी से परेशान रहे हैं। अब चीन से आने वाले स्पेशल फर्टिलाइजर की आपूर्ति बंद होने के बाद हालात और खराब हो गए हैं। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को पहले से पता था कि चीन कभी भी आपूर्ति रोक सकता है, इसके बावजूद न तो घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई नीति बनाई गई और न ही कोई ठोस योजना पर काम हुआ।

किसान हो रहे कर्ज और निराशा में डूबे

राहुल गांधी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि किसान पहले ही महंगे बीज, खाद और डीजल की कीमतों से परेशान हैं। ऊपर से समय पर खाद न मिलने से उनकी फसलें बर्बाद हो रही हैं। इससे वे कर्ज और निराशा में डूबते जा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या अब किसान अपनी ही जमीन पर भी दूसरों पर निर्भर रहेगा?

केंद्र सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ मोदी जी खाद की बोरियों पर अपनी फोटो छपवा रहे हैं, दूसरी तरफ देश के किसान मेड इन चाइना पर निर्भर होते जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि आखिर किसके विकास की बात की जा रही है? किसान तो सिर्फ नुकसान ही झेल रहा है।

राजस्थान में सबसे ज्यादा असर

मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि राजस्थान में किसानों को यूरिया और डीएपी की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि खरीफ सीजन की बुवाई का समय नजदीक है। उन्होंने सरकार से तुरंत जरूरी कदम उठाने और किसानों को राहत देने की मांग की है।

भाजपा नेता ने राउत पर कसा तंज

शिवसेना में अंदरूनी कलह के कारण पड़ी फूट, फडणवीस को दोष देना अनुचित

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में चल रही भाषा की लड़ाई के बीच संजय राउत के देवेंद्र फडणवीस को लेकर दिए गए एक बयान पर भी सियासी विवाद खड़ा हो गया है। संजय राउत ने महाराष्ट्र में राजनीतिक पुनर्गठन में फडणवीस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए निशाना साधा था। जिसे लेकर अब भाजपा एमएलसी परिणय फुके ने संजय राउत को आईना दिखाया है। उन्होंने कहा कि शिवसेना में विभाजन अंदरूनी कलह के कारण हुआ, इसके लिए फडणवीस को दोष देना ठीक नहीं हैं।

भाजपा नेता परिणय फुके ने यह भी कहा कि 2022 में शिवसेना के विभाजन का कारण उसके अपने नेतृत्व के प्रति असंतोष और घरेलू विवाद थे। इसके लिए किसी और को दोष देना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली अविभाजित शिवसेना में नेतृत्व की शैली के कारण उसके नेताओं में असंतोष पैदा हुआ। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुआ विद्रोह उनके और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ किए गए व्यवहार का परिणाम था।

राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को किया खारिज

हां, मैं पांच साल सीएम रहूंगा...: सिद्धारमैया

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि वह पांच साल तक राज्य के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इसमें किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए। दरअसल, सिद्धारमैया ने से पूछा गया कि क्या वह पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, हां, मैं रहूंगा। आपको इसमें कोई शक है?

इससे पहले राज्य मंत्री प्रियांक खरगे ने भी राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों को खारिज किया। पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ऐसा किसने कहा? (कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी) रणदीप सुरजेवाला, मुख्यमंत्री (सिद्धारमैया), उप मुख्यमंत्री (डीके शिवकुमार) और (पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे ने स्पष्ट कहा है कि ऐसी कोई बात नहीं है। फिर इस तरह की अटकलें क्यों लगाई जा रही हैं?

वहीं, मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों पर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि पार्टी अनुशासन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मैंने किसी से मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं कहा है। इस दौरान शिवकुमार ने चेतावनी दी कि अगर नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कोई भी नेता सार्वजनिक बयान देता है तो उसे नोटिस जारी किया जाएगा। शिवकुमार ने बताया कि रामनगर के विधायक एचए इकबाल हुसैन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अन्य लोगों को भी नोटिस दिए जाएंगे। बता दें कि रामनगर के विधायक एचए इकबाल हुसैन ने बयान दिया था कि डीके शिवकुमार को सीएम बनना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि मैंने किसी से मेरा नाम लेने या मुझे मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं कहा है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। जब मुख्यमंत्री (सिद्धारमैया) हैं, तो किसी विवाद की कोई जगह ही नहीं है।

सुरजेवाला की बैठक तीसरे दिन भी जारी

इस बीच, कर्नाटक के प्रभारी कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने लगातार तीसरे दिन पार्टी विधायकों के साथ बैठक जारी रखी। जब शिवकुमार से इन बैठकों के बारे में पूछा गया कि क्या सुरजेवाला की बैठकों से पार्टी में असंतोष कम होगा? इस पर शिवकुमार ने कहा कि पार्टी में कोई असंतोष नहीं है। वह (सुरजेवाला) पार्टी और संगठन से जुड़े मामलों पर जवाबदेही तय कर रहे हैं और अभी से चुनाव की तैयारी कैसे की जाए, इस पर विचार कर रहे हैं।

कांवड़ यात्रा पर फिर सियासत तेज, सुधांशु ने किया पलटवार

दिग्विजय और एसटी हसन हिंदू विरोधी मानसिकता फैला रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

कांवड़ यात्रा को लेकर देश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एसटी हसन के बयानों पर भाजपा ने कड़ा पलटवार किया है। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दोनों नेताओं पर हिंदू विरोधी मानसिकता फैलाने का आरोप लगाया। वहीं एसटी हसन ने कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानदारों की धार्मिक पहचान पूछे जाने की घटनाओं की तुलना आतंकवाद से कर दी।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कांवड़ यात्रा को लेकर कहा कि यात्रा में अगर राज्य सरकारें सुविधाएं देती हैं तो कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन जब इस यात्रा का इस्तेमाल नफरत फैलाने के लिए किया जाता है, तब दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में नफरत फैलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

त्रिवेदी ने दिया पुराने बयानों का हवाला

त्रिवेदी ने दिग्विजय सिंह पर आरोप लगाया कि उनके लिए जाकिर नाइक शांति का दूत हैं, ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहते हैं और हाफिज सईद को हाफिज साहब। लेकिन कांवड़ यात्रा में ही इन्हें सांप्रदायिकता नजर आती है। उन्होंने सवाल किया कि एसटी हसन बताएं कि वो उन लोगों के साथ क्यों खड़े हैं जो अपना नाम और पहचान छुपाते हैं।

समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने दावा किया कि उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कुछ हिंदू संगठनों द्वारा होटल कर्मियों और स्थानीय दुकानदारों की धार्मिक पहचान पूछी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी से नाम पूछना और कपड़े उतरवाकर धर्म पहचानना भी एक तरह का आतंकवाद है। एसटी हसन ने कहा कि जिस तरह आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया था, यह भी वैसा ही है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दोनों नेताओं पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इनके बयानों की सोच एक जैसी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश में डिस्मैंटलिंग ग्लोबल हिंदुत्व जैसी बैठकों में हिस्सा लेते हैं, चेन्नई में सनातन धर्म के उन्मूलन की बातें होती हैं और उसी सोच से ये दोनों नेता प्रभावित नजर आते हैं।

ठाकरे भाइयों और एनसीपी गुटों के विलय की अटकलें

कांग्रेस केवल उद्धव और शरद से करेगी बातः पृथ्वीराज

नई दिल्ली

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि कांग्रेस गठबंधन के मामले पर केवल शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के शरद पवार के साथ चर्चा करेगी और उप-गठबंधन का फैसला उन पर छोड़ देगी। चव्हाण ने यह बात तब कही है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि ठाकरे भाई (राज-उद्धव ठाकरे) और राकांपा गुट हाथ मिला सकते हैं।

हालांकि, चव्हाण ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर राकांपा का विलय होता है और वह एनडीए के साथ जाती है, तो कांग्रेस के लिए महाराष्ट्र में उनके साथ गठबंधन बनाए रखना मुश्किल हो जाएगा। पीटीआई से बातचीत में चव्हाण ने शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के एक साथ आने की बात को परिवार का मामला बताया। उन्होंने कहा कि अगर हम किसी गठबंधन में जाते हैं तो सीटों का बंटवारा उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ होगा और वे किसके साथ उप-गठबंधन करेंगे यह उनका फैसला होगा।

चव्हाण ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति कांग्रेस के मूल्यों के खिलाफ होगा तो हम आपत्ति जताएंगे, अन्यथा यह पारिवारिक परिवार का मामला है। राज ठाकरे के बारे में पूछे जाने पर चव्हाण ने कहा कि वह महाराष्ट्र की राजनीति में एक वरिष्ठ नेता हैं और बड़ी भीड़ खींचते हैं, लेकिन यह भीड़ वोटों में बदलती नहीं दिखती, इसलिए उनका वर्तमान विधानसभा में कोई प्रभाव नहीं है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के वोट जुड़ने से कुछ फायदा हो सकता है, लेकिन कांग्रेस केवल उद्धव ठाकरे और शरद पवार से ही बातचीत करेगी।

उद्धव से मतभेद के बाद राज ने छोड़ी थी पार्टी

शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे ने जनवरी 2006 में पार्टी छोड़ दी थी, जिसके पीछे उद्धव के साथ मतभेद बताए जाते हैं। कुछ महीने पहले राज ठाकरे ने कहा था कि मराठी मानुष के हित में एक होना मुश्किल नहीं है। वहीं, उद्धव ने भी अपने चचेरे भाई के साथ हाथ मिलाने की इच्छा जताई थी। एनसीपी गुटों के विलय की खबरों पर चव्हाण ने कहा कि यह भी परिवार का मामला है और यह उनके ऊपर निर्भर है कि कौन किसके साथ मिलकर नेतृत्व करता है। उन्होंने कहा कि यह आसान नहीं है, क्योंकि कई चुने हुए विधायक और सांसद चाहते हैं कि विकास के लिए सत्ता पक्ष के साथ गठबंधन रहे, ताकि क्षेत्र की सेवा हो सके। जबकि अन्य लोग कहते हैं कि उन्होंने कड़ा संघर्ष किया है और वे कुछ के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। चव्हाण ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि एनसीपी के साथ क्या होगा, वे मिलेंगे या नहीं, कौन किसके साथ जुड़ेगा, कौन नेता बनेगा या क्या वे सीधे एनडीए में शामिल होंगे।

20 साल में पहली बार मंच साझा करेंगे उद्धव और राज

करीब 20 वर्षों में पहली बार चचेरे भाई उद्धव और राज ठाकरे पांच जुलाई को शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित संयुक्त विजय रैली में एक मंच साझा करेंगे। शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने मंगलवार को मराठी विजय दिवस कार्यक्रम के लिए संयुक्त आमंत्रण जारी किया।

2023 में हुआ राकांपा का विभाजन

एनसीपी की स्थापना शरद पवार ने 1999 में की थी, लेकिन जुलाई 2023 में अजित पवार और कुछ अन्य नेताओं ने महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होकर पार्टी को विभाजित कर दिया था। अजित पवार को उपमुख्यमंत्री पद भी मिला था। पार्टी का नाम और प्रतीक घड़ी अजित पवार के गुट को मिला, जबकि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट को एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नाम दिया गया। एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने पिछले महीने कहा था कि जो नेता भाजपा के साथ हाथ मिलाकर अवसरवादी राजनीति करते हैं, उन्हें प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग पीड़िता का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 7 वर्ष की जेल एंव कुल 11 हजार रूपये जुर्माने से दण्डित किया

बड़वानी, निप्र। विशेष न्यायालय (पाक्सो) बडवानी श्रीमती रेखा आर. चन्द्रवंशी ने पारित अपने फैसले मे नाबालिक पीड़िता का अपहरण करने के आरोप मे आरोपी हर्षत थाना पानसेमल को धारा 366 भादवि में 7 एवं 10 हजार रूपये जुर्माना एवं धारा 363 भादवि में 3 वर्ष का कारावास एवं कुल 1 हजार रूपये के अर्थदंड से दण्डित किया है। अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक निदेशक अभियोजन जिला बडवानी श्री दुष्यंतसिंह रावत द्वारा की गई। अभियोजन मीडिया प्रभारी बड़वानी ने बताया कि घटना 20 सितम्बर 2022 को सुबह 6 से 7 बजे अभियोक्त्री अपनी माता को बताकर अपनी सहेली को बस स्टेण्ड पर कागजात देने का कहकर गई थी अभियोक्त्री के बहुत समय तक नहीं आने पर फरियादी/माँ ने अपने पति के साथ मिलकर अभियोक्त्री को आसपास व रिश्तेदारो में तलाश की परंतु अभियोक्त्री का कहीं पता नहीं चला। जिसके बाद फरियादी द्वारा थाना खेतिया पर अज्ञात व्यक्ति के विरूध्द अपनी बेटी को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने की प्रथम सुचना रिपोर्ट दर्ज करवायी। आरोपी के परिवार वाले आरोपी एवं अभियोक्त्री को पुलिस थाने लेकर आये, अभियोक्त्री द्वारा जहर पीने की बात अपने माता-पिता को बताई पुलिस को अनुसंधान के दौरान अभियोक्त्री ने अपने कथनो में बताया कि आरोपी उसे मोटरसाईकल पर बिठाकर सारंगखेड़ा महाराष्ट्र ले गया जहां से आरोपी, अभियोक्त्री को बस में बैठकर नंदुरबार महाराष्ट्र गया एवं वहां से ट्रेन में बैठकर सूरत गुजरात ले गया और आरोपी ने अभियोक्त्री के साथ दुष्कर्म किया। अभियोक्त्री की मृत्यु जहर पीने से अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। पुलिस ने अनुसंधान के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने प्रकरण की विवेचना पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया।

परामर्श दात्री समिति की विकासखंड स्तरीय बैठक सम्पन्न

कसरावद, निप्र। विकासखंड शिक्षा अधिकारी को शिक्षक संगठनों ने शिक्षकों की निम्लिखित समस्याओं के समाधान हेतु प्रस्ताव रखे, विकासखंड अधिकारी ने विकासखंड स्तर की समस्याओं को शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया शेष जिले स्तर की समस्याओं का समाधान हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया जाएगा सबंधित आश्वासन दिया गया है। उपस्थित शिक्षक संगठन के कर्मचारी दिलीप कुमार दुबे, शिवशंकर पाटीदार, शांतिलाल पाटीदार, रमेश चंद्र पटेल म प्र शिक्षक संघ संजय शुक्ला, दिलीप यादव, राजेंद्र राठौर, दिनेश पटेल,उमेश ठाकुर, पदम जमरे, राकेश साधो, उपस्थित थे।

अवैध गांजे की तस्करी करने वाले बड़वाह पुलिस की गिरफ्त में

खरगोन, निप्र। बड़वाह पुलिस ने काटकुट फाटे से दो लोगों को पकड़ा , जिन्होने अपने नाम फिरोज निवासी माणिकबाग रोड़ गुलजार कालोनी इंदौर और इरफान पिता हनीफ खां उम्र 32 वर्ष निवासी माणिकबाग रोड़ , गुलजार कालोनी इंदौर का होना बताया । बड़वाह पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 10,000/- रुपये मुल्य का 924 ग्राम अवैध गांजा और परिवहन में उपयोग की जा रही लगभग 60,000/- रुपये मुल्य की मोटरसाईकिल को अपनी सुपूर्दगी में लेकर इन आरोपितों के विरुद्ध बड़वाह थाने में पर अपराध क्रमांक 328/2025 धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द किया गया। कार्यवाही में एसडीओपी बड़वाह श्रीमती अर्चना रावत, बड़वाह थाना प्रभारी निरीक्षक बलराम सिंह राठौर, सहायक उपनिरीक्षक शिवप्रसाद वर्मा, प्रआर. कैलाश सोंलकी, आर. गोविंद तरोले, आशीष सिंह, रोहित कुशवाह, दिलीप पाटीदार, रवि कुमार यादव, दीपक तोमर, शिवेन्द्र राजावत, अमर कुशवाह, अनिल मीना और अन्य थाना स्टाफ शामिल रहे।

अवैध हथियारों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध गोगांवा और बैड़ियां पुलिस की कार्रवाई

खरगोन, निप्र। गोगांवा और बैड़ियां पुलिस ने रेहगाँव के पास सगुर भगुर रोड़ से दो लोगों को पकड़ा , जिन्होने अपने नाम करण निवासी मजिठा अमृतसर पंजाब और गुरुशरण सिंह निवासी अमृतसर पंजाब का होना बताया। आरोपितों को गिरफ्तार कर लगभग 1,00,000/- रुपये मुल्य के 04 नग देशी पिस्टल और 02 नग कारतूस को अपनी सुपूर्दगी में लेकर आरोपितों के विरुद्ध गोगावां थाने में अपराध क्रमांक 259/2025 धारा 25(1)(a) आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। गिरफ़्तार आरोपितों को न्यायालय पेश किया जाएगा।

दबाव की राजनीति नहीं चलेगी : कांग्रेस जिलाध्यक्ष रवि नाईक

जीतू पटवारी पर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ मुंगावली थाने में दर्ज रिपोर्ट को रद्द करने की मांग तथा पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी खरगोन के नेतृत्व में सेंकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस महानिदेशक भोपाल के नाम विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में कहा गया है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज उठाना विपक्ष का दायित्व है और उसका समाधान करना सरकार का फर्ज है, मप्र में विपक्ष के रूप में कांग्रेस पार्टी लगातार जनता के मुद्दे उठाकर अपना दायित्व निभा रही है मगर प्रदेश की भाजपा सरकार अपनी जिम्मेदारीयों से ना सिर्फ भाग रही बल्की विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास भी कर रही है जोकि लोकतांत्रिक मुल्यों का हनन है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतु पटवारी ने अशोकनगर जिले में जनता की आवाज को उठाने का प्रयास किया तो सरकार के इशारे पर पुलिस थाना मुंगावली में उनके ही खिलाफ एफ आई आर क्र0233/27/6/2025 दर्ज कर ली गई , जोकि पुरी तरह से राजनितिक द्वेष और दमनकारी मानसिकता का परिचायक है। यह एफ आई आर शासन प्रशासन की ओर से न सिर्फ सच्चाई को दबाने का प्रयास है बल्की विपक्ष की आवाज को कुचलने का षडयंत्र भी है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक ने पत्रकारों के सवालों जवाब देते हुए कहा की जीतु पटवारी पर एफ आई आर दर्ज करने में तत्परता दिखाने वाली सरकार की तत्परता उस समय कहां थी जब मंत्री विजय शाह सार्वजनिक मंच से सेना और बेटियों का अपमान कर रहे थे तब तो कोर्ट के हस्तकक्षेप के बाद मामला दर्ज किया गया था। इससे साफ होता है कि मप्र की भाजपा सरकार प्रमुख विपक्षदल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतु पटवारीजी पर इस प्रकार झुठी एफ आई आर दर्ज कर विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है लेकिन कांग्रेस पार्टी इस प्रकार के दबाव से डरने और घबरानेवाली नही है। ज्ञापन के माध्यम से मांग करते हुवे कहा कि हमारे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी पर दर्ज झुठी एफ आई आर तत्काल रद्द की जायें साथ ही पीड़ित पक्ष को न्याय मिले, अशोकनगर जिले के कलेक्टर तथा पुलिस अधिक्षक की भूमिका की जांच की जाये अन्यथा कांग्रेस पार्टी आगे भी अन्दोलन जारी रखेगी। ज्ञापन का वाचन जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक ने किया इस अवसर पर पूर्व विधायक और प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रवि जोशी, भीकनगांव विधायक श्रीमती झूमा सोलंकी, विधायक केदार डावर, डॉ गोविन्द मुजाल्दे, सेवा दल जिलाध्यक्ष सरेश चंदेल, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष कादर बेग, विजय कोचले, महासचिव जितेन्द्र भावसार, संजीव गांगुली, शहर कांग्रेस अध्यक्ष पूर्णा ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सीरवेल विकास सैनानी पी सी सी डेलीगेट परसराम पाटीदार, जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजेश मंडलोई राजेन्द्र पवार नरेन्द्र सिंह चावला, अय्यूब लोहार, राजेश भावसार, विधान सभा युवक कांग्रेस अध्यक्ष नितेश मंडलोई, प्रकाश जोशी, मुकेश गोले, भोला राठौर, रविन्द्र निखोरिया, मांगीलाल राणे, जियाला वर्मा, विजय मंडलोई, अजय गांगले पार्षद, हीरा परमार, उबेदुल्लाह, कैलाश प्रजापति, राजू सदर, दिपक सोलंकी, अबरार खान, सचिन जोशी, अमित ठक्कर, शेख रहमान, विजय सोनी, श्रीराम पटेल, अमित भालसे, सुनील पाटिल, अजीत देवले, अनवर पठान, रंजीत निहाले, शिवराम निहाले, प्रदीप कारौंदिया, सुनील रावल, वाहिद शाह, विकास मुजाल्दे, बाबू बर्डे, राजेन्द्र मुजाल्दे, रियाज खान, रहूफ शाह, प्रियांश पगारे, कैलाश वर्मा, नारायण पाटीदार, मनोहर पाटीदार, दीपक जोशी, सुंदरलाल पाटिल, अनीस खान, सिद्धार्थ वर्मा, रोहित चतुर्वेदी धर्मेन्द्र सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

नये कानून लागू होने के एक वर्ष पूर्ण होने पर बड़वानी जिले के सभी थाना क्षेत्रों में आयोजित हुए ज़न संवाद/जागरूकता कार्यक्रम

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के लागू होने के 1 वर्ष पूर्ण होने पर पुलिस अधीक्षक जिला बड़वानी श्री जगदीश डावर के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री धीरज बब्बर के मार्गदर्शन में बड़वानी जिले के सभी थानों द्वारा विभिन्न स्कूल, कालेज, कोचिंग संस्थानों, मोहल्लों, कॉलोनी, बस्तियों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर ज़न संवाद व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जन संवाद में वरिष्ठ अधिकारियों, थाना प्रभारी एवं स्टॉफ द्वारा स्कूली बच्चों, नागरिको को नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के प्रावधानों तथा अधिकारों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई, साथ ही साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताये गये तथा शराब, नशे से होने वाले नुकसान के बारे मे समझाइश दी गई। साथ ही आमजन की सुरक्षा व सहायता हेतु पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न इकाइयों तथा हेल्पलाइन नंबर से अवगत कराया गयाद्य संवाद के दौरान छात्रों तथा आमजनों द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गयाद्य शहर में सुरक्षित वातावरण बनाए रखने हेतु पुलिस का सहयोग करने हेतु आग्रह किया गया।

प्राचार्य की सेवा निवृत्ति पर गांव में निकाला जूलस दी विदाई

कसरावद, निप्र। ग्राम गवला में शासकीय माध्यमिक विद्यालय स्कूल प्राचार्य की सेवा निवृत्ति पर विदाई समारोह के दौरान गांव में ढोल ताशो के साथ जूलस निकाला।

जगह जगह किया स्वागत शासकीय माध्यमिक विद्यालय ग्राम गवला में प्राचार्य नूरु खान पिछले 42 वर्ष से सेवाए दे रहे हैं। सेवा निवृत्ति पर ग्रामीणों ने सम्मान कर रैली निकाली। ढोल ताशो के साथ प्राचार्य को गांव में भावभीनी विदाई समारोह के अन्तर्गत विदाई दी गई।

स्कूल के पूर्व छात्र मनीष गवली ने बताया कि प्राचार्य ने 42 वर्ष से गवला में एक ही स्थान व स्कूल में बेहतर शिक्षा के माध्यम से बच्चों का जीवन सवारा है। गांव के अधिकांश छात्रों का भविष्य सवारा है, उनके पढाए गए शिष्य शासकीय व नीजी सेक्टरों मे उच्च पदों पर सेवाए दे रहे हैं।

बड़वाह पुलिस ने पूजा पाठ करने के बहाने घर में चोरी करने वालों को पकड़ा

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। बड़वाह पुलिस ने पूजा पाठ करने के बहाने घर में चोरी करने वालों हीरालाल पिता भीकाराम जोशी उम्र 44 साल निवासी- राजमल होटल के पास गली नम्बर 02, कुमावत कालोनी ब्यावर थाना सीटी ब्यावर, जिला ब्यावर (राजस्थान) और शैतानराम पिता भीकाराम जोशी उम्र 42 साल निवासी- मगजी की घाटी ,बालसमद,थाना मण्डोर जिला जोधपुर (राजस्थान) को विटा जिला सांगली महाराष्ट्र से पकड़ा । ज्ञातव्य रहे कि तारानगर बड़वाह की रहने वाली एक महिला द्वारा बड़वाह थाने में रिपोर्ट दर्ज कारवाई गई थी , कि अज्ञात व्यक्ति उसके घर में पूजा पाठ करने के नाम पर पूजा में रखे करीब 7,00,000/- रूपए के सोने के जैवरात चोरी कर भाग गए है। इस महिला की रिपोर्ट पर बड़वाह थाने में पर अपराध क्रमांक 183/2025 धारा 305(ए) भारतीय न्याय संहिता में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। आरोपितों को न्यायालय पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाकर सघन पूछताछ कर चोरी किए करीब 7,00,000/- के जैवरात अपनी सुपूर्दगी में लिये।

सावन धनगर को मिलेगा एनएसएस का राज्य स्तरीय सर्वोच्च पुरस्कार

सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए मध्यप्रदेश शासन करेगा सम्मानित

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, खरगोन के इतिहास में पहली बार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सावन धनगर, पिता चंपालाल धनगर को मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एनएसएस का राज्य स्तरीय सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार उन्हें सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. जी .एस. चौहान ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि सावन धनगर ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, बाल संरक्षण जैसे कई सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय रूप से कार्य किया है। उनके प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सफल प्रयास हुआ है। जिला संगठक अधिकारी डॉ. सुरेश अवासे ने जानकारी दी कि सावन धनगर महाविद्यालय के इतिहास में पहले स्वयंसेवक हैं जिन्हें यह सर्वोच्च राज्य पुरस्कार मिल रहा है। उन्होंने बताया कि यह सम्मान न केवल सावन के लिए बल्कि पूरे खरगोन जिले, महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के लिए गर्व का क्षण है। इस विशेष उपलब्धि पर पूर्व प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा, डॉ. शैल जोशी, डॉ. सुनैना चौहान, डॉ. वंदन बर्वे, डॉ. ललिता बर्गे, डॉ. सुभाषराम डावर, डॉ. राजेंद्र चौहान, डॉ. डीएस बामनिया डॉ. जेएल अकोले, प्रो. ललित भटनिया एवं महिला इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सावित्री भगोरे एवं समस्त महाविद्यालय शिक्षकों ने सावन को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सावन धनगर ने इस सम्मान को प्राप्त करने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे सामाजिक कार्यों को मान्यता देने के लिए मैं मध्यप्रदेश शासन का आभारी हूं। इस उपलब्धि का श्रेय मैं अपने मार्गदर्शक जिला संगठक अधिकारी डॉ. सुरेश अवासे, महाविद्यालय परिवार, मेरे एनएसएस के साथियों, शिक्षकों और माता-पिता को देता हूं। यह पुरस्कार मुझे आगे भी समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा देगा।

90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का हुआ आरम्भ

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 01 निर्देशानुसार 01 जुलाई, 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता और सुलह अभियान का कियान्वयन होता है इस हेतु नोडल अधिकारी के रूप में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बड़वानी श्री महेन्द्र कुमार जैन को नियुक्त किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के सभी न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

मध्यस्थता के लाभ :

01 मध्यस्थता प्रणाली सभी पूर्णत : गोपनीय है।
02- विवाद का अविलम्ब शीघ्र समाधान समय तथा वर्ष की बचत।
03- न्यायालयीन प्रक्रिया से राहत।
04- विवाद का हमेशा के लिए प्रभावी एवं सर्वमान्य समाधान।
05- समाधान पक्षों की सहमति को महत्व।
06- मध्यस्थ वाले मामले में कोई अपील या संशोधन नहीं होता, विवाद का अंतिम रूप से निपटारा हो जाता है।
07- मध्यस्थता में विवाद निपटाने पर, वादी कोर्ट फीस एक्ट 1870 की धारा-18 के तहत पूरा न्यायालय शुल्क वापिस लेने का हकदार होता है।

कसरावद के डेडगांव का अखिलेश प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना बनी सहारा

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा मत्स्य विभाग अन्तर्गत संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में निर्मित अद्योसंरचनाओं का अवलोकन किया गया। इस योजना अन्तर्गत कसरावद विकासखण्ड के ग्राम डेडगॉव के अखिलेश पिता रमेशचन्द्र द्वारा 01 एकड़ कृषि भूमि में 03 पॉली पौण्ड बनाकर आधुनिक पध्दति से हाईडेन्सीटी में मत्स्य पालन व्यवसाय शुरू किया गया।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना ने अखिलेश के जीवन में नई उम्मीद और समृद्धि की राह खोली है। कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा अखिलेश से मत्स्य पालन से जुडी जानकारी जैसे तालाब निर्माण, मत्स्यबीज, मत्स्य आहार, एवं मत्स्य विक्रय आदि कि विस्तृत जानकारी ली। अखिलेश ने मत्स्यपालन व्यवसाय अपनाकर 01 एकड कृषि भूमि में 03 पॉली पौण्ड बनाकर प्रति वर्ष 28 यक 30 मैट्रीक टन मत्स्यत्पादन कर 7-8 लाख रुपये की शुध्द आय अर्जित की । उन्होंने बताया कि तालाबों से निकलने वाले पानी का उपयोग खेतों में सिंचाई के लिए किया जाता है। जो फसल के लिए जैविक खाद के रूप में उपयोगी होकर फसल में लागत कम कर उत्पादकता बढाता है। अखिलेश द्वारा वर्ष 2022-23 से खेती किसानी के साथ-साथ मत्स्यपालन व्यवसाय अपनाया गया। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के सहयोग से अखिलेश न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने, बल्कि गांव के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा बन गए हैं। अखिलेश की सफलता से प्रेरित होकर गांव के दो अन्य किसानों ने भी मत्स्य पालन का व्यवसाय अपनाया है। भ्रमण के दौरान ही कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा ग्राम डेडगॉव में आगनवाडी में बच्चों को केला, सेवफल आदि फल फ्रुट व खाद्य सामग्री का वितरण कर आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को बच्चों के पोषण को ध्यान में रखते हुए नियमित बच्चों का वजन व हाईट नापने तथा गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार वितरण के निर्देश दिये।

कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा मत्स्य विभाग द्वारा संचालित शासकीय मत्स्यबीज प्रक्षेत्र, ग्राम बामन्दी का भी निरीक्षण कर यहॉ विभागीय अधिकारियों से मत्स्यबीज उत्पादन की तकनीकी जानकारी लेते हुये मत्स्य ब्रिडिंग का कार्य एवं चायनिज हैचरी का अवलोकन किया गया। कलेक्टर सुश्री मित्तल द्वारा स्थानीय मत्स्य कृषकों एवं तालाबों पट्टाधारक समितियों को उच्च गुणवता का मत्स्य बीज उपलब्ध कराते हुए वर्षाकाल में जिले के सभी तालाब/जलाशयों में मत्स्य बीज संचयन कराने एवं प्रदेश के बाहर से अमानक एवं गुणवत्तावहीन मत्स्यबीज परिवहन पर रोक लगाने के साथ ही मत्स्यबीज के स्पॉन/फ्राय आदि के लक्ष्यों की शत प्रतिशत उपलब्धि अर्जित करने के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान बामन्दी मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा एक पेड़ मॉ के नाम पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सभी से पौधारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।भ्रमण के दौरान मत्स्योद्योग सहायक संचालक रमेश मौर्य,, जनपद पंचायत कसरावद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रीना किराड, मत्स्य निरीक्षक जेएल पाटीदार, मत्स्य निरीक्षक गोपाल पाटीदार एवं प्रक्षेत्र प्रभारी नयन माहिले मत्स्य निरीक्षक कसरावद, सरपंच/सचिव ग्राम बामन्दी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

चितावाल में गहरे कुएं में गिरा हिरण फॉरेस्ट विभाग ने सफलतापूर्वक किया रेस्क्यू

राजपुर, निप्र। ग्राम चितावल में 40 फीट गहरे कुएं में हिरण के गिरे होने की सूचना मिलने पर वन विभाग राजपुर की टीम ने मौके पर पहुंच कर हिरण का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया तथा हिरण को पास के जंगल में सुरक्षित छोर दिया गया मौके पर वन परिक्षेत्र अधिकारी राजपुर, परिक्षेत्र सहायक गेंदों सिंह बामनिया, नीलेश मंडलोई वनरक्षक, प्रदीप चौधरी वनरक्षक, विकास अम्बेकर वनरक्षक, राजेन्द्र गोयल वनरक्षक, योगेश मंडलोई वनरक्षक द्वारा हिरण का सफल रेस्क्यू किया गया। ग्राम के सामाजिक कार्यकर्ता सुनील राठौड़ ने जानकारी देकर बताया की गहरे कुएं में हिरण गिरने की सूचना ग्रामीणों को मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई थी वहीं सफलता पूर्वक रेस्क्यू जब किया गया एवं पास के जंगल में छोड़ा गया तो ग्रामीणों में हर्ष उल्लास का माहौल देखने को मिला है।

श्री विश्वकर्मा महापंचायत संगठन के तत्वाधान मे सर्व विश्वकर्मा समाज का निशुल्क विशाल परिचय

राजपुर, निप्र। सम्मेलन 03 अगस्त 2025 को राजपुर मे होने जा रहा है जिसमे मुख्य अथिति के रूप मे श्री विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड अध्यक्ष एवं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रेमनारायण विश्वकर्मा यूवा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनय जांगिड़ जी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री रामकिशोर विश्वकर्मा भोपाल यूवा प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द मेवाड़ा इंदौर प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेश विश्वकर्मा जी राजकुमार विश्वकर्मा मनोज विश्वकर्मा रामशंकर विश्वकर्मा खंडवा कन्हैया विश्वकर्मा को आमंत्रित किया गया श्री विश्वकर्मा महापंचायत संगठन के भोपाल स्थित प्रदेश कार्यालय पर समस्त प्रदेश पदाधिकारियो को आमंत्रित किया गया जिसमे परिचय सम्मेलन के सदस्य श्री जयंतीलाल विश्वकर्मा जी संजय पवार बड़वानी पवन भाटोद्रा गणपुर गोवर्धन गोराना कुक्षी मौजूद रहे!

संगीतप्रेमियों ने किया बरसात का स्वागत सुमधुर गीतों से

विनय उजाला

सनावद, निप्र। बरसात का मौसम शुरू होते ही फसलों के साथ साथ चेहरे भी खिलने लग जाते हैं। नगर के संगीत प्रेमियों ने बरसात का स्वागत संगीतमय आयोजन के साथ किया। हिंदी फिल्मों के मशहूर संगीतकार आर डी बर्मन और कल्याण जी शाह का जन्मदिन होने के कारण गायकों ने इनके संगीतबद्ध गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियां दी। कला कुंज और सुर सलिल संस्था के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं की दाद बटोरी। दिया पगारे की सरस्वती वंदना से शुरू हुआ आयोजन महेश बिरले के अंतिम गीत मेरे नैना सावन भादों तक चला। अनिल चौधरी और रेखा ओसवाल ने जिसके सपने मुझे रोज आते रहे, सुधीर जैन ने लाखों हैं निगाह में,संजय मालवीय ने समा हैं सुहाना सुहाना,डॉ सुरेश राका ने मुसाफिर हु यारों,सुनील पुरोहित ने जिंदगी का सफर, कृष्णकुमार सोहनी ने आना वाला पल, डॉ हिमांशु भगोरे ने कुछ ना कहो, संतोष मंडलोई ने बेखुदी में सनम, रितेश डोंगरे ने अजहू ना आए बालमा,राकेश वैद्य ने कौन किसी को बाँध सका हैं।

नपा ने प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवियों और नपाकर्मियो का किया सम्मान

विनय उजाला

बड़वाह, निप्र। शहर के 158 वे स्थापना दिवस के अवसर पर स्थानीय नगर पालिका द्वारा मंगलवार रात्रि में अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया। रात करीब 9 बजे शुरू हुए कवि सम्मेलन का समापन करीब 2 बजे हुआ। जिसमें कई नामचीन, ख्यात कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कवि सम्मेलन के दौरान राम मंदिर व देशभक्ति से ओतप्रोत रचनाओ ने उपस्थिति काव्य प्रेमियों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही नगर पालिका ने अलग अलग क्षेत्रों में बड़वाह शहर का नाम गौरांवित करने वाली शख्सियतों का सम्मान भी कवि सम्मेलन के दौरान किया। इस अवसर पर नपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री महिम ठाकुर, नगर मंडल अध्यक्ष भाजपा अंकित गुप्ता, सीएमओ कुलदीप किन्शुक सहित समस्त पार्षदगणों ने कवियों का स्वागत किया। इस अवसर पर नपा कर्मचारी व आमजनता उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. परेश विजयवर्गीय ने किया।

समाजसेवियों और नपाकर्मियो का नपा ने किया सम्मान

लखनऊ से आए वीर रस के कवि वेदव्रत वाजपेई ने अपनी आजपूर्ण कविताओं से सभी में जोश भर दिया। उनके काव्य पाठ में धारा 370, राम मंदिर तक की झलक देखने को मिली। इधर इंदौर के सुप्रसिद्ध गीतकार अमन अक्षर ने भी अपना चर्चित रामगीत प्रस्तुत किया। आगरा की कवियित्री रुचि चतुर्वेदी ने तेरे प्रेम की ओढ़ चुनरिया गीत से बॉर्डर पर देश की सुरक्षा कर रहे सैनिक की पत्नी की प्रेम व विरह के भाव से सभी को भावुक कर दिया। इसके साथ ही आचार्य सफर जौनपुरी, ओरछा से सुमित अपूर्व विक्रम शाह (बिहार), पंकज प्रसून ने भी अपनी रचनाओं से उपस्थित काव्य रसिकों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। काव्य मंच का सफल संचालन शिव शैलेन्द्र यादव ने किया। इस दौरान नगर पालिका द्वारा बड़वाह नगर के समाजसेवियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शैक्षणिक प्रतिभाओं, नपाकर्मियो का सम्मान भी किया। जिसमे एसडीएम सत्यनारायण दर्रो, एसडीओपी अर्चना रावत, टीआई बलराम सिंह राठौर, समाजसेवी शरद खंडेलवाल, अन्नू मराठा, शैलेन्द्र शर्मा, सिविल अस्पताल के सेवानिवृत ड्रेसर राजेंद्र शर्मा, नपा कर्मी जयंत मालाकर, रंजीता, दीपक, इस्माइल खान आदि।

पेसा एक्ट के मध्यम से गांव में शराब बेचने पर लगेगा जुर्माना

जिले में पेसा कानून लागू होने के बाद राजपूर के गांव छोटी खरगोन ने लिया शराब बंदी का निर्णय

राहुल गुप्ता

राजपुर। मध्य प्रदेश में पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार अधिनियम) 2022 के तहत छोटे-मोटे विवादों का ग्राम सभा के माध्यम से निराकरण किया जा रहा है। गांव के हित में अब ग्राम सभा अहम निर्णय ले रही है। इसी के तहत बड़वानी जिले की राजपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत छोटी खरगोन में ग्राम सभा ने गांव के अंदर शराब बेचने पर 5000 रुपए का जुर्माना लगाने का निर्णय लिया है। पेसा एक्ट लागू होने के बाद शराबबंदी का निर्णय लिया गया है। छोटी खरगोन के ग्राम सभा अध्यक्ष ने बताया कि, आज मंगलवार को पेसा एक्ट के तहत ग्राम सभा का आयोजन किया गया इसमें गांव की महिलाओं और पुरुषों ने एकजुट होकर गांव में शराबबंदी करने की आवाज उठाई इसके बाद ग्राम सभा में यह तय हुआ कि ग्राम में शराब बनाते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति से रु. 5000 का जुर्माना वसूला जाएगा। सरपंच ने बताया गांव के जिस घर में शादी विवाह जन्म उत्सव या पूजा होगी उसे पर गांव को ग्राम सभा में आकर जानकारी देना होगी इसके बाद उन्हें चार लीटर तक शराब का उपयोग करने की छूट दी जाएगी गांव में 400 परिवार रहते हैं, इस गांव की जितनी जिम्मेदारी

एक ग्राम सभा सदस्यों को दी है, यह अपने-अपने वार्डों की निगरानी रखकर शराबबंदी को लागू करेंगे। लोगों को महुआ का काम बंद करने की दी हिदायत ग्राम सभा अध्यक्ष ने बताया छोटी खरगोन में महुआ की दुकानें हैं, इस गांव में परिवार में महुए से शराब बेचने के कारोबारों से जुड़ा हुआ है, इन सभी परिवारों को ग्राम सभा की बैठक में बुलाकर सख्त हिदायत दी गई । ग्राम सभा ने शराब बंदी का प्रस्ताव पारित किया है, जिससे महिलाएं खुश हैं। महिलाओं ने कहा शराब के कारण गांव में आए दिन विवाद होते थे शराब के कारण लोगों की असमय मृत्यु हो रही थी शराबबंदी होने से गांव में सुख शांति का वातावरण बनेगा। जिले में पेसा नियम लागू है, जो ग्राम सभा को स्व शासन का अधिकार देता है। अब ग्राम सभा अपने निर्णय स्वयं लेने लगी है, तथा अब ग्राम सभा के निर्णयों को शासन-प्रशासन स्तर से मान्यता मिली है मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बड़वानी सुश्री काजल जावला के मार्गदर्शन में जिले में अब तक 102 नवीन ग्राम सभाओं का गठन भी हुआ है और ग्रामीणों को उनके अधिकारों की जागरूकता के लिए कार्य भी किए जा रहे हम समय समय पर सभी पेसा सामन्व्यको की लगातार समीक्षा की जा रही है, साथ ही सभी विभागों को भी निर्देश दिए जा रहे है पेसा जिला समन्वयक प्रितम राज बड़ौले जिससे ग्राम सभा सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। जिले में अबतक 102 से अधिक नवीन ग्राम सभाओं के गठन से सुदूर जनजातीय क्षेत्रों के मजरे,टोलो को स्थानीय स्तर पर स्वशासन प्राप्त हुआ है।

संजीवनी क्लिनिक निर्माण की राह हुई, आसान भूमि की तलाश खत्म, न.प. ने किया भूमि पूजन

नगर परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक 01 में स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक ओर पहल

विनय उजाला

कसरावद, निप्र। परिषद कसरावद द्वारा बुधवार को वार्ड क्रमांक 01 में संजीवनी क्लिनिक निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नगर के वार्ड एक के नागरिकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दूर होने के कारण संजीवनी क्लिनिक के निर्माण से वार्ड वासियों को स्थानीय स्तर पर बेहतर प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

पूर्व में दैनिक विनय उजाला समाचार- पत्र में प्रकाशित हुई थी खबर। मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक की खबर सबसे पहले दैनिक विनय उजाला समाचार-पत्र द्वारा प्रकाशित कर आमजनों तक खबर पहुंचाई गई थी। नगर के

संजीवनी भवन मे मरीजों का होगा उपचार, वार्ड 1 में नया बनेगा संजीवनी अस्पताल मिली सौगात

वार्ड 1 में मोहल्ला क्लिनिक की सौगात मिलने वाली है। सबकुछ ठीक ठाक रहा तो शीघ्र संजीवनी मोहल्ला क्लिनिक निर्माण से स्थानीय स्तर पर रहवासियों को सुविधा मिलेगी। जानकारी के अनुसार सामुदायिक परिसर में स्थित संजीवनी क्लिनिक पहले वार्ड नंबर 1 में भवन निर्माण किया जाना प्रस्तावित था। फिर सामुदायिक परिसर में उक्त भवन का निर्माण किया गया है। शासन का उद्देश्य है कि अस्पताल से दूरी के क्षेत्रवासियों, आम जनो, बुजुर्गों बच्चों को स्थानीय स्तर पर प्रारंभिक उचित उपचार उपलब्ध कराया जाना है। इसलिए इसकी सुविधा मिलने जा रही है।

भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश गोले, नगर परिषद अध्यक्ष विमल राजेन्द्रसिंह यादव, विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्रसिंह यादव, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. संतोष बड़ोले, एवं पार्षद कविता परमानंद खेडे, प्रदीप सोलंकी, परमानंद खेडे, इम्तियाज खांन, दीपक पाटीदार एवं साथ ही नगर परिषद के समस्त कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

ग्लोबल राइज इंटरनेशनल स्कूल नया हरसूद छनेरा में बुधवार को छात्र परिषद के चुनाव संपन्न

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। नया हरसूद-छनेरा की ग्लोबल राइज इंटरनेशनल स्कूल में छात्र परिषद के चुनाव बुधवार को संपन्न हुए। बुधवार को हाउस कैप्टन, डिसीपिलीन हेड बाय, हेड गर्ल, कल्चर हेड बाय, हेड गर्ल, जूनियर हेड बाय, हेड गर्ल तथा स्कूल हेड बाय एवं हेड गर्ल के लिए हुए चुनाव में 44 विद्यार्थियों ने भाग्य अजमाया। विभिन्न पदों के लिए हुए चुनाव में छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों ने उत्साह से मतदान किया। इस मौके पर शाला प्रबंधक अजीत रायखेरे ने विद्यार्थियों को चुनाव से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चुनाव क्यों होते हैं, कैसे होते हैं, आचार संहिता क्या है तथा उसका पालन कैसे किया जाता है, चुनाव प्रचार का क्या दायरा होता है सहित चुनाव से संबंधित अनेक बिंदुओं पर विद्यार्थियों को जानकारी दी।

आवास निर्माण की राशि प्राप्त करने के बावजूद नहीं किया निर्माण, नोटिस जारी, राशि की होगी वसूली

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। प्रधानमंत्री आवास के ऐसे लाभान्वित हितग्राही जिन्होंने राशि प्राप्त होने के बाद भी अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया है उनसे आवास निर्माण के लिए आवंटित राशि की वसूली की जाएगी। नगर परिषद छनेरा-नया हरसूद नगरीय क्षेत्र में ऐसे 10 हितग्राही हैं जिन्होंने राशि मिलने के बाद भी अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया है। ऐसे हितग्राहियों को नगर परिषद छनेरा-नया हरसूद द्वारा आवास बनाने के लिए अनेक बार प्रेरित किया गया, किन्तु हितग्राहियों ने अभी तक आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया।

इन वार्डों के हितग्राहियों ने अभी तक नहीं किया निर्माण कार्य प्रारंभ : नगर परिषद छनेरा-नया हरसूद के वार्ड क्रमांक 1 में 1, वार्ड क्रमांक 2 में 4, वार्ड 3 में 2, वार्ड 7 में 1, वार्ड 11 में 1 तथा वार्ड क्रमांक 15 में 1 हितग्राही द्वारा प्रधानमंत्री आवास की प्रथम किस्त मिलने के बाद भी कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इन वार्डों के ऐसे हितग्राहियों के खिलाफ आरआरसी की कार्रवाई करने की तैयारी नगर परिषद द्वारा की जा रही है।

इनका कहना है...

पूर्व में स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास के 10 हितग्राहियों द्वारा प्रथम किस्त का उपयोग नहीं किया गया है। हमारे द्वारा ऐसे हितग्राहियों को समय-समय पर नोटिस दिए गए हैं। आज दिनांक तक ऐसे लोगों द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इसलिए इनके खिलाफ आरआरसी की कार्रवाई की जाएगी।

मोनिका पारधी, सीएमओ नगर परिषद छनेरा-नया हरसूद।

किसानों को पसंद का खाद नही मिलने से नाराजगी

कसरावद, निप्र। वर्तमान समय में खरीफ की फसलों की बढवार थम रही है, फसलों की बढवार को लेकर किसानों द्वारा जतन किए जा रहे। लेकिन अब यूरिया खाद की समस्या किसानों के सामने चिंता बढा रही है। स्थानीय वेयरहाउस में खाद को लेकर किसानों की भीड़ जुटी। किसानों ने बताया एक पावती पर एक बोरी खाद दिया जा रहा है, जबकि वर्तमान समय में किसानों को खाद की अधिक आवश्यकता बनी हुई है। मनपसंद का खाद नही मिलने व दूसरी वेरायटी खाद की समस्या बनी हुई है। जबकि बारिश मे किसानों को खाद की अधिक आवश्यकता है।

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल

विभिन्न कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या: DYCE-BR-BRC-07-2025-26; भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए उप मुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन), वडोदरा, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा- 390004 निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते है: **क्र. सं. (1) निविदा संख्या: DYCE-BR-BRC-07-2025-26. कार्य का नाम:** रतलाम मंडल: रतलाम मंडल के एसएसई/ब्रिज/रतलाम के अधिकार क्षेत्र में गोधरा-रतलाम-नागदा अनुभाग के विभिन्न प्रमुख/ महत्वपूर्ण ट्रैक पुलों पर साइड पाथवे और इपॉक्सी पेंटिंग उपलब्ध कराना और लगाना (44 संख्या)। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 4,72,53,150.14/- **बोली सुरक्षा जमा कराना:** ₹ 3,86,300.00/- **निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय:** निविदाएं दि. **28.07.2025** को 15.00 बजे से पहले जमा कराना है और उसी दिन 15.30 बजे खोली जाएगी। **वेबसाइट विवरण और सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देख सकते हैं: वेबसाइट @ www.ireps.gov.in** उप मुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन) वडोदरा पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004

091

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

कार्यालय नगर पालिक निगम, इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्रीमती राखी पति वरूण पंचोली** के द्वारा झोन 21 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर मकान/भूखंड नंबर **प्रकोष्ठ क्रं.जी-1, श्रीधर आप. भूखण्ड क्रं.-14, वैशाली नगर, इन्दौर** पिन क्रं. 1001203036 संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-21 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-21
नगर पालिका निगम इंदौर

कार्यालय नगर पालिक निगम, इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्रीमती प्रियंका पति श्री श्याम कुमार पाठक** के द्वारा झोन 21 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर मकान/भूखंड नंबर **297-बी, सिलिकॉन सिटी, 101 मल्लीनाथ आप. इन्दौर** पिन क्रं. **1001186222** संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-21 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-21
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री अभिषेक पिता जगदीश चौकसे** वर्तमान संपत्तिधारक **रितु सुनील चौकसे व बैंक निलामी** द्वारा झोन 17 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री/विक्रय पत्र, पंजीकृत हक्क त्याग, वसीयतनामा, वारिस नाते, पंजीकृत दानपत्र संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत कर सर्विस/पिन नं. **1000928521, पता- 84, सुन्दर नगर, एक्सटेंशन** इंदौर पर नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-17 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-17
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री अभिषेक पिता जगदीश चौकसे** वर्तमान संपत्तिधारक **प्रिंसी जगदीश मालवीय व बैंक निलामी** द्वारा झोन 17 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री/विक्रय पत्र, पंजीकृत हक्क त्याग, वसीयतनामा, वारिस नाते, पंजीकृत दानपत्र संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत कर सर्विस/पिन नं. **1000928514, पता- 76, सुन्दर नगर, एक्सटेंशन** इंदौर पर नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-17 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-17
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **सुश्री ज्योति ठाकुर पिता श्री सुरेश सिंह ठाकुर** वर्तमान संपत्तिधारक **मोहित सुले** द्वारा झोन 17 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री/विक्रय पत्र, पंजीकृत हक्क त्याग, वसीयतनामा, वारिस नाते, पंजीकृत दानपत्र संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत कर सर्विस/पिन नं. **1001256238, पता- ए-4, 501, डायमण्ड करोलबाग, इंदौर** इंदौर पर नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-17 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-17
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्रीमती कविता पति भगवान सिंह मीणा** वर्तमान संपत्तिधारक **वैभव श्रीवास्तव पिता नारायण श्रीवास्तव** द्वारा झोन 17 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री/विक्रय पत्र, पंजीकृत हक्क त्याग, वसीयतनामा, वारिस नाते, पंजीकृत दानपत्र संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत कर सर्विस/पिन नं. **1001255118, पता- 104, डायमण्ड प्रीमियम, करोल बाग, इंदौर** इंदौर पर नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-17 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-17
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री संदीप विश्वकर्मा पिता श्री श्यामलाल विश्वकर्मा** वर्तमान संपत्तिधारक **141/1, पैकी बरदरी** द्वारा झोन 17 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री/विक्रय पत्र, पंजीकृत हक्क त्याग, वसीयतनामा, वारिस नाते, पंजीकृत दानपत्र संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत कर सर्विस/पिन नं. **2000281853 मूल खाता, पता- उमेश पाल मदनलाल** इंदौर पर नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-17 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-17
नगर पालिका निगम इंदौर

कार्यालय नगर पालिक निगम, इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्रीमती पूजा चौहान, रोहित राव पिता अल्लम वेंकटेश्वर राव** के द्वारा झोन 21 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर मकान/भूखंड नंबर **214, सिलिकॉन सिटी, ए ए** पिन क्रं. **1004563690** संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-21 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-21
नगर पालिका निगम इंदौर

कार्यालय नगर पालिक निगम, इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री निलेश पिता श्री पप्पू बागड़ी** के द्वारा झोन 21 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर मकान/भूखंड नंबर **38-डी, आनन्द फार्म पैकी भाग, इन्दौर** पिन क्रं. **2000363973** संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-21 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-21
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्रीमती संतराबाई पति श्री रामस्वरूप पंवार** के द्वारा झोन 14 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर मकान/भूखंड नंबर **138-बी, आस्था पैलेस कॉलोनी (गुरूशंकर नगर के पास)** पिन नं. **1002973404** संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-14 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-14
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री विजय शर्मा पिता स्व. पवन शर्मा** के द्वारा झोन 14 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर मकान/भूखंड नंबर **303, श्रीराम नगर** पिन नं. **1003093925** संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-14 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-14
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्रीमती भावना सुतार पति श्री हरीश सुतार** के द्वारा झोन 14 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर मकान/भूखंड नंबर **39, गुरूशंकर नगर, सेक्टर-सी** पिन नं. **1004425745** संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-14 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-14
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्रीमती किरण यादव पति भागीरथ यादव** के द्वारा झोन 14 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर मकान/भूखंड नंबर **2405 (पार्ट) सुदामा नगर सेक्टर-ई** पिन नं. **1001224846** संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। यह जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि तय किया है। व्यक्ति बैंक संस्था अन्य को उक्त संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-14 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-14
नगर पालिका निगम इंदौर

संक्षिप्त समाचार

नवनियुक्त यात्री प्रतीक्षालय का लाभ ले रहे परिक्रमावासी और स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी

धामनोद,निप्र। नगर में महेश्वर मार्ग पर सैकड़ो परिक्रमा वासी गुजरते हैं ऐसे में धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर को जानकारी मिली कि वहां पर यात्री प्रतीक्षालय की बेहद आवश्यकता है उन्होंने कुछ ही दिनों में यात्री प्रतीक्षालय स्वीकृत कर वंहा प्रतीक्षालय का निर्माण करवाया अब वहां पर परिक्रमा वासी स्कूल के छात्र और अन्य बुजुर्ग नवनियुक्त प्रतीक्षालय का लाभ ले रहे हैं आसपास के लोगों ने बताया कि पहले बरसात के समय आने जाने वाले स्कूल कालेज के छात्र ओर परिक्रमा वासी भीग जाते थे लेकिन अब प्रतीक्षालय के निर्माण होने से बहुत ही लाभ मिल रहा है उपरोक्त संदर्भ में विधायक प्रतिनिधि ममता वर्मा ने बताया कि धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर सदैव आमजन के हितेषी कार्यों में जुटे रहते हैं व शासन की योजनाओं का लाभ आम जन तक पहुंचाते हैं व जनता की समस्या को सुनते ही निराकरण करते है।

पीएस मेहसरा में शिक्षिका मकरानी ने बच्चों को कॉपी, पेन व स्लेट वितरित की

बाग,निप्र। स्कूल का नवीन सत्र प्रारंभ हो चूका है । शिक्षक शिक्षिकाऐ बच्चो को स्कूल तक लाने के लिए प्रयासरत है इसके लिए सभी अलग अलग जतन कर रहे क्यो की यह आदिवासी ग्रामीण क्षेत्र होने से ग्रामीण बच्चो को शिक्षा से जोडे रखने के लिए शाला तक लाया जाता है ताकी बच्चो का शिक्षा के प्रति रुझान बढे इसी के चलते बाग विकासखंड के ग्राम मेहसरा की शासकीय पी एस मे शिक्षिका श्रीमती शेखा मकरानी ने अपनी ओर से शाला के सभी बच्चो को कापी,पेन,स्लेट वितरित की ओर उन्हे स्कूल मे रोज समय पर आने की सलाह दी । जिसे पाकर सभी बच्चे बडे खुश हुए साथ ही उनके चेहरे पर अलग ही खुशी छाई हुई थी ।

सेवानिवृत्त होने पर जोरसिंह बघेल का सम्मान कर विदाई दी गई

डही,निप्र। संकुल केन्द्र शासकीय हाईस्कूल फिफेड़ा अंतर्गत नवीन प्राथमिक विद्यालय खयड़ी में पदस्थ सहायक शिक्षक जोर सिंह बघेल के सेवानिवृत होने पर विदाई समारोह आयोजित कर स्टाफ और अन्य कर्मचारियों द्वारा शाल, श्रीफल और उपहार भेंट कर आत्मीय विदाई दी गई। संकुल प्राचार्य डीएस टैगोर ने श्री बघेल के कार्यकाल की सराहना कर उनके आगामी जीवन के उज्जवल भविष्य की कामना की। संकुल केन्द्र फिफेड़ा से समस्त उपस्थित कर्मचारियों द्वारा श्री बघेल का सम्मान किया गया।

श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ जिन मंदिर की 15वीं एवं श्री नाकोड़ा भैरव मंदिर की 25वीं वर्षगांठ मनाई गई

झाबुआ,निप्र। 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा की 15वीं वर्षगांठ एवं श्री नाकोड़ा भैरव मंदिर की 25वीं वर्षगांठ निर्मित्त

विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन 2 जुलाई, बुधवार को किया गया। जिसमें मुख्य रूप से मंदिर के शिखरों पर ध्वजारोहण हुआ। प्रात:काल सत्तरभेदी पूजन एवं संध्याकाल महाआरती का आयोजन रखा गया। सभी आयोजन जैन श्वेतांबर श्री संघ एवं श्री नाकोड़ा जैन श्वेतांबर ट्रस्ट की ओर से किए गए। आयोजन में राष्ट्रसंत आचार्य श्री हेमेन्द्रसूरीश्वरजी मसा समुदायवर्तिनी एवं आचार्य श्रीमद् ऋषभचंद सूरीश्वरजी मसा की आज्ञानुसरणा गुरूणी श्री पुष्पा श्रीजी मसा की सुशिष्या साध्वी श्री रत्नरेखा श्रीजी मसा आदि ठाणा द्वारा पावनकारी निश्रा प्रदान की गई। निर्धारित कार्यक्रम के तहत सुबह 6.30 बजे भक्तामर स्त्रोत एवं गुरू गुण इक्कीसा पाठ, 7 बजे प्रभुजी की प्रतिमा का अभिषेक एवं केसर पूजन हुई।

पहाड़ी क्षेत्र में आबकारी विभाग ने पैदल सर्चिंग की

10 लाख रुपए कीमत का महुआ लहान जब्त

विनय उजाला

धार,निप्र। अवैध शराब निर्माण को लेकर की जा रही कार्यवाही के तहत आज आबकारी विभाग का अमला तिरला ब्लॉक के ग्राम सुरजपुरा पहुंचा, यहां पर बडी मात्रा में महुआ लहान का निर्माण किया जा रहा था। पहाडी क्षेत्र होने के कारण वाहनों से पहुंचना इस क्षेत्र में मुशिकल रहता हैं, ऐसे में आबकारी टीम पैदल चलकर सुराजपुरा पहुंची। आबकारी विभाग की चार टीमों द्वारा करीब पांच किलो मीटर क्षेत्र में दबिश दी गई, साढे छ घंटे चली सर्चिंग के दौरान महुआ निर्माण की अवैध भटिटयां मिली थी। कार्यवाही के दौरान 10 हजार किलो महुआ लहान को जप्तच करते हुए सैंपल लिए गए है।

दरअसल अवैध शराब की बिक्री को ग्राउंड जीरो तक रोकने के लिए पहली बार टास्क फोर्स का गठन किया है। जिले में अवैध शराब की धरपकड़ के लिए टास्क फोर्स गठित कर टीमें बनाई है। यह टीम धार सहित जिले के सभी वृत्त क्षेत्रों में सक्रिय रहकर अवैध शराब पर कार्रवाई कर रही हैं। इसको लेकर गत दिनों जिला कंट्रोल रूम पर सहायक आबकारी आयुक्त राजनारायण सोनी ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली थी, जिसमें अवैध शराब बिक्री व परिवहन रोकने के लिए कार्यवाही के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के मार्गदर्शन में शराब को जब्त किया गया।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी नागेंद्रसिंह जादौन ने बताया कि वृत्त धार क्षेत्र के सूरजपुरा, पाडल्या, सीतापाट एवं सादी नदी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए हाथ भट्टी मदिरा के अवैध अड्डों पर दबिश दी। इस कार्रवाई मंज विभाग द्वारा 10 लाख 54 हजार 750 रुपये मूल्य की अवैध मदिरा जब्त की गई और 04 प्रकरण दर्ज किए गए। दबिश के दौरान 10450 किलो महुआ लहान तथा 65 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई। साथ ही अवैध शराब निर्माण में प्रयुक्त चलित भट्टियों को मौके पर नष्ट किया गया। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी नागेन्द्र सिंह जादोन के साथ नानूराम अलावा, दिनेश उदैनिया, राजकुमारी मंडलोई, आबकारी उपनिरीक्षक राजकुमार शुक्ला, आकांशा गर्ग, मुनेंद्र सिंह जादोन सहित आबकारी वृत्त धार, सरदारपुर, पीथमपुर, बदनावर-अ एवं बदनावर-ब के स्टाफ ने सक्रिय भूमिका निभाई।

शिक्षकों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

विनय उजाला

बाग,निप्र। जनपद शिक्षा केंद्र बाग मे कक्षा छठवीं पढ़ाने वाले गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान विषयों के शिक्षकों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण का आज प्रारंभ हुआ। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रशिक्षण प्रभारी हरजी मुकाती ने बताया कि दो दिवसीय यह प्रशिक्षण तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। आज गणित विषय के 41 शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर राज खरे और नवदीप धाकड़ के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है सार्थक ऐप के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति लगाई जा रही है। उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को बीआरसीसी

धर्मेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि नवीन शिक्षण सत्र 2025/26 को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति एन ई पी 2020 के क्रियान्वयन अंतर्गत गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से कक्षा छठवीं में गणित विज्ञान सामाजिक विज्ञान विषयों की नवीन एन सी ई आर टी पुस्तके लागू की गई है। प्रशिक्षण संबंधी आवश्यक व्यवस्था पृथ्वीराज चौहान और ऑनलाइन कार्य परम सिंह चौहान एवं कुमारी माही गोरे के द्वारा की जा रही है।

घर के युवा आभूषण बेचकर शराब खरीदकर पी रहे, अब शराबबंदी होना बहुत जरूरी

ठेके से भेजी गई अवैध शराब के वाहनों को पकड़ कर करेंगे पुलिस के सुपुर्द

विनय उजाला

धामनोद, निप्र। स्थानीय शराब ठेकेदार के द्वारा अवैध रुप से गांव-गांव शराब की सप्लाई की जा रही है जिससे ग्रामीण नशे की लत के शिकार हो रहे हैं क्षेत्र में ऐसा कोई गांव नहीं बचा जहां अवैध शराब की सप्लाई नहीं हो रही हो उपरोक्त विषय में जिम्मेदारों के द्वारा पर्याप्त कार्रवाई नहीं करने के कारण अब समीप ग्राम डोल की महिलाओं ने बड़ी संख्या में धामनोद थाने पर पहुंचकर शराब बंदी को लेकर मुहिम छेड़ी है मौजूद ग्राम की महिला मुन्नीबाई संगीता बाई शारदा बाई सीमाबाई निर्मला बाई आदि ने बताया कि हमारे घर के बच्चे शराब के आदी हो रहे हैं शराब ठेकेदार के द्वारा गांव गांव वाहनो से शराब भेजी जा रही है

जिससे युवाओं का भविष्य अंधकार मय हो रहा है बड़ी संख्या में महिलाओं ने एकत्रित होकर नारेबाजी कर अपना विरोध प्रदर्शन किया

घर के जेवरात तक बेच रहे शर ाब की लत के हो रहे शिकार: गांव के महेश पटेल लक्ष्मी नारायण पटेल मोहन पटेल राजेंद्र पटेल बाबूलाल आदि ने बताया कि हमारे गांव में स्थित यह हो गई कि घर के बच्चे चोरी छिपे जेवरात बेचकर शराब खरीद रहे हैं और पी रहे हैं लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही ऐसे में बेखोफ शराब माफिया गांव गांव शराब सप्लाई करने में जूटे हैं यदि अब इन पर कार्रवाई नहीं होती है तो गांव की महिलाएं शराब से भरे वाहनो को पड़कर पुलिस और आबकारी विभाग के सुपर्द करेगी मौजूद महिलाओं ने बताया कि उन्होंने कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग के जिम्मेदारों को भी आवेदन सोपा है।

शराब पीकर करते हैं झगड़ा परिवार के लोग परेशान

शराब पीने के बाद घर के युवा परिवार जनों से झगड़ा करते हैं यही नहीं शराब ठेकेदार के द्वारा बेखोफ भेजी जा रही गांव में शराब की लत के शिकार युवाओ की प्रतिदिन संख्या बढ़ती जा रही है ऐसे में अब ग्राम में शराबबंदी बेहद जरूरी है यदि गांव में पूर्ण रूप से शराब बंद नहीं की गई तो आगे आंदोलन होंगे जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी।

इनका कहना है...

ग्राम की महिलाओं के द्वारा अवैध शराब विक्रय के खिलाफ आवेदन दिया है आज ही कार्रवाई की जाएगी

– प्रज्ञा मालवीय,
आबकारी अधिकारी

डॉक्टर्स डे पर लायंस क्लब सेंट्रल ने किया डॉक्टरों का सम्मान

विनय उजाला

पेटलावद,निप्र। नेशनल डॉक्टर्स डे के अवसर पर लायंस क्लब पेटलावद सेंट्रल ने अपने नए कार्यकाल की शुरुआत करते हुए सर्वप्रथम शासकीय सिविल चिकित्सालय में पहुंचकर डॉक्टरों का सम्मान किया। क्लब ने डॉक्टर टीम से केक कटवाकर आज के दिन की बधाई दी। क्लब ने डॉक्टरों को स्मृति चिन्ह के साथ चिकित्सालय को दीवार घड़ी भी भेट की।

मुख्य अतिथि के रूप में सीबीएमओ डॉ. एमएल चोपड़ा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर जीएस चोयल, डॉ उर्मिला चोयल, झोंन चेयरमेन निलेश पालीवाल, क्लब अध्यक्ष गजेंद्र काग विशेष रूप से मौजूद थे। लायंस क्लब ने चिकित्सा क्षेत्र अमूल्य योगदान

एवं इसके अतिरिक्त प्रतिदिन 24 घंटे पीड़ित मानवता की सेवा में देने वाले चिकित्सीय सेवा देने वाले डॉक्टरों का सम्मान किया। इसके साथ ही लायन सदस्यों ने डॉक्टर्स डे को डॉक्टरों को मिठाई खिलाकर व केक काटकर सेलिब्रेशन कर मनाया। इस अवसर पर स्वागत भाषण लायंस क्लब पेटलावद सेंट्रल के अध्यक्ष लायन गजेंद्र काग ने दिया। डॉक्टर जीएस चोयल ने कहा डॉक्टर बनाना हमारे लिए सौभाग्य की बात है पहला कर्तव्य हर डॉ का सेवा होता है दूसरा उससे अर्थ की ओर जाता है।

महिला चिकित्सक डॉ उर्मिला चोयल ने कहा हमेशा यही प्रयास करते हैं की मरीज की जान बचा ली जाए, वो जल्द से जल्द स्वस्थ होकर अपने घर, परिवार में लौटे। इसमें डॉक्टरी सेवा करने वाले डॉक्टर किसी भी प्रकार की कोताही कभी नहीं बरतते हैं। बीएमओ एमएल चौपड़ा ने कहा डॉक्टर्स अपना कार्य ईमानदारी से तो करते ही है लेकिन इसी बीच लायंस जैसी स्वयं सेवी संस्थाएं विभिन्न अवसरों पर डॉक्टर को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाती है। इस अवसर पर सीबीएमओ डॉ एम.एल चोपड़ा, डॉ जी.एस. चोयल, डॉ उर्मिला चोयल, डॉ नरसिंह डाबी, डॉ कमलेश भगोरा, डॉ देवेंद्र, डॉ पंकज पाटीदार, डॉ अंतिम सोलंकी का सम्मान किया गया। संचालन सचिव लायन विकास चौहान ने किया। आभार डॉ एनएस डाबी ने माना। ध्वज वंदना लायन कोषाध्यक्ष दिलीप राठौड़ ने प्रस्तुत की। लायंस क्लब पेटलावद सेंट्रल की ओर से प्रबोध मोदी, महेंद्र मेहता, पवन भंडारी, निलेशसिंह कुशवाह, आलोक चौहान, नीलेश भट्ट, हरिओम पाटीदार, लायन चिंतन मंडलोई, अनुराग गौड़, रजनीकांत शुक्ला, राकेश मांडोत, रोहित पाटीदार, राहुल पाटीदार, पवन चौहान, मनोज जानी मौजूद रहे। सदस्यों ने पेटलावद के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एसके महाजन का भी स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया।

सेवानिवृत्ति पर युनुस कुरेशी सर को दी भावभीनी विदाई

सोमवार से सोमवार 43 वर्ष सर्विस पूरी हुई

विनय उजाला

बाकानेर,निप्र। शासकीय सेवा के लगभग 43 वर्ष में अंतिम28वर्ष के स्वर्णिम सेवा शा.उ.मा.वि. बाकानेर में पूर्ण कर,वर्तमान में शा.हाईस्कूल बडदा से प्रधान पाठक पद से सेवा निवृत्ति लेने पर युनुस कुरेशी सर को भावभीनी विदाई दी गई।

बड़दा संस्था ने बिदाई समारोह में बाकानेर संस्था पूर्व प्राचार्य डी.सी. पाटीदार,(से. नि.)पी.डी. कानूनगो.शालिग्राम केवट तथा सांदीपनि विघालय बाकानेर की प्राचार्य श्रीमती अनीता सोनी सम्मिलित हुए। कुरेशी जी के अभिन्न मित्रों जिनमें धार जिले के वरिष्ठ सुन्द्रैल कन्या विघालय के प्राचार्य कैलाश जी गंगवानी, उमरबन वि.ख.के पूर्व बी.आर.सी. तथा वर्तमान प्राचार्य एल.एन.राय, हेमंत चौहान , एल.एन.सिसोदिया, बी.एल. पाटीदार, कैलाश जाट जन शिक्षक तेजालाल पंवार, उपस्थित हुए। पुरातात्विद तथा वैज्ञानिक विशाल वर्मा एवं खेल शिक्षक असीम बहादुर सिंह ठाकुर आदि इन सभी ने कुरेशी जी के सर्विस काल पर प्रकाश डाल कर

उनकी कार्य शैली की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं समारोह को यादगार बनाया।बडदा स्कूल के सभी साथियों ने मेहमानों का आत्मीय स्वागत किया।संस्था के प्राचार्य प्रवीण जी मण्डलोई ने सभी का आभार प्रकट किया।समस्त स्टाफ एवं बच्चों तथा ग्राम वासियों ने ढोल बाजों के साथ अंतिम बिदाई देकर समारोह को यादगार बना दिया। प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट परख साहित्य मंच अखिल बाद लोक परिषद, कोमी एकत कमेटी,प्रेस क्लब बाकानेर से सीनियर जर्नलिस्ट सैयद रिजवान अली ने शाल पुष्पमाला कलम उपहार देकर स्वागत सम्मान किया। कुरेशी जी ने कहा सोमवार से सोमवार।सर्विस पूरी हुई। संचालन कैलाश मंडलोई ने किया।

90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान शुरू

झाबुआ,निप्र। सर्वोच्च न्यायालय की 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता और सुलह अभियान का क्रियान्वयन होना है। इस हेतु नोडल अधिकारी के रूप में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष महोदया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती विधि सक्सेना को नियुक्त किया गया है। इस अभियान में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का आपसी राजीनामा के आधार पर निराकरण किया जायेगा।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जोबट में अतिथि शिक्षक हेतु आवेदन आमंत्रित

अलीराजपुर,निप्र। प्राचार्य एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जोबट ने बताया कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, जोबट (खारी), जिला अलीराजपुर (म.प्र.) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु पी.जी.टी. भौतिकी (Physics) विषय के लिए अतिथि शिक्षक (Guest Faculty) की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

निर्माण के पांच महीने बाद ही सड़क पर हो गए गड्ढे , दो बार किया डामरीकरण अब गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

नए गणेश घाट पर वाहन चालक परेशान, पूरे घाट पर गड्ढे ही गड्ढे

विनय उजाला

धामनोद,निप्र। नए गणेश घाट के निर्माण के अभी करीब पांच महीने का समय हुआ है लेकिन यहां परेशानियों का दौर शुरू हो गया करोड रुपए की लागत से बनी नई सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे हो गए जिससे वाहन चालक परेशान है यंहा 9 किलोमीटर कि सड़क में करीब 30 से अधिक स्थानों पर गड्ढे हो गए हैं उल्लेखनीय है कि करोड रुपए के लागत से बना नया गणेश घाट अब फिर दुर्घटनाओं का सबब बन सकता है पूर्व में हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ने नए गणेश घाट का निर्माण किया लेकिन यह भी अब चालकों के लिए मुसीबत बन रहा है।

करोड़ों की लागत से बनी नई सड़क पांच महिने में ही उखड़ गई, निर्माण की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

गणपति घाट की नई सड़क का करोड़ों रुपए की लागत से निर्माण कार्य किया गया। सड़क से यातायात चालू होते ही तिन महीने में ही सड़क का उखड़ना भ्रष्टाचार कि पोल खोल रहा है पांच महिने बाद ही सड़क पर गड्ढे हो गए जो अब सड़क निमार्ण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे है निर्माण के दौरान विभाग के इंजीनियर एवं जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी भी सामने आ रही है ।यंहा प्रतिदिन यहां से 10,000 से ज्यादा वाहन गुजरते है । पांच महीने में सड़क उखड़ने के बाद विभाग द्वारा सभी दूर डामर डालकर पुन: गड्ढे को भर दिया गया लेकिन। बारिश लगते ही सड़क पर फिर गड्ढे होना शुरु हो गए। ग्रामीणों का कहना है की बारिश में यह सड़क टीक नहीं पाएंगी। सड़क पर इतने गड्ढे हो जाएंगे कि वाहन चालकों को पुरानी सड़क से निकालना पड़ेगा।

पुराने गणेश घाट पर 400 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके थे

राऊ -खलघाट फोरलेन के पुराने गणपति घाट पर उतरने वाली लेन पर अत्यधिक ढलान होने के कारण यहां से गुजरने वाले वाहनों के ब्रेक फेल होने से प्रतिदिन वाहन हादसे का शिकार हो रहे थे। यहां 15 सालों से 3000 हजार से ज्यादा हादसों में करीब 400 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके थे । हादसों पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन द्वारा कई अस्थाई उपाय भी किए गए , किंतु हादसों पर लगाम नहीं लग पाया ।इसके बाद स्थाई रूप से हादसों पर लगाम लगाने के लिए 209 करोड़ रुपए खर्च कर 9 किलोमीटर की नई सड़क का निर्माण किया गया ।जिसके बाद 30 नवंबर को नई सड़क का शुभारंभ भी कर दिया गया था । बाद से ही सड़क से यातायात चालू कर दिया गया लेकिन पहली बारिश ने ही सड़क निर्माण कि पोल खोलकर रख दी हैं ।मानसून कि हुई थोड़ी बारिश में ही कई स्थानों पर गड्ढे हो गए। जिससे वाहन चालक गड्ढे को देखकर अचानक गड्ढे को बचाने में अनियंत्रित हो रहे हैं ।जो किसी दिन बड़े हादसें का सबब बन सकते हैं। खासकर रात्रि के समय चालकों को अधिक परेशानी हो रहीं हैं। सड़क ग्राम ढाल से लेकर करीब 9 किलोमीटर तक ग्राम बाकानेर तक 25-30 स्थानों पर सड़क उखड़कर गड्ढे हो गए हैं ।वहीं कुछ स्थानों पर परत भी निकल रहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा मप्र के नवनिर्वाचित अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया...

सोनकच्छ, निप्र। मप्र भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पद पर बेतुल विधायक हेमंत खंडेलवाल के बनने पर देवास भाजपा जिलाध्यक्ष राय सिंह सेंधव के नेतृत्व में सोनकच्छ भाजपा पदाधिकारियों द्वारा स्थानीय जेन मंदिर के सामने जमकर आतिश बाजी की एवं मिठाई वितरण की। इस के पूर्व जिलाध्यक्ष सेंधव द्वारा अमर शहीद राजा भाऊ महाकाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर तेज सिंह बघेल,महेश पाटीदार, अजब सिंह ,मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपूत,बबलू ठाकुर,सचिन बघेल,पप्पी यादव,सीताराम खेलवाल,विजेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह तालोद,आशीष पांचाल,महिपाल गुर्जर,जितेंद्र सरपंच,बहादुर चौहान,जीवन सिंह चौबारा,पवन सेंधव,लोकेंद्र सिंह धर्मेंद्र भाटी,बाबूलाल ठाकुर धन सिंह, उमेश गोस्वामी,राहुल वर्मा,विकाश यादव,जीवन सिंह राजपूत,रवि बोरवाल,रोशन जीजा,बलदेव सिंह सेंधव गौरव गुप्ता धर्मेंद्र भाटी संदीप गुप्ता , आशीष पंचाल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

वॉलेंटियर की लिस्ट उपलब्ध कराएं मुस्लिम समाज, बैसबॉल के डंडे प्रतिबंध रहेगा : एसडीओपी मांडवे

सोनकच्छ, निप्र। स्थानीय थाने पर मोहर्रम समितियों की बैठक एसडीओपी दीपा मांडवे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मांडवे ने कहा कि, बैसबॉल व हथियार जुलूस में प्रतिबंध रहेगा। समिति वॉलेंटियर की लिस्ट उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें प्रशासन आई कार्ड उपलब्ध कराएं जाएं। मुस्लिम समाज ने नवागत थाना प्रभारी आशीषसिंह राजपूत को मोहर्रम पर्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीआई ने मुस्लिम समाज से कहा कि, इस पर्व को मनाने के लिए कितने पुलिसकर्मी की आवश्यकता रहेगी। इस मुस्लिम समाज मे कहा कि, दो दिन में हजारों जायरीन आते है। इसलिए 100 पुलिस कर्मी लग जाते है व्यवस्था में तो बेहतर होता। टीआई ने कहा कि, जो व्यक्ति जुलूस के दौरान हुड़दंग करता है तो आप प्रशासनिक वॉलेंटियर को बताएं उसके बाद हम उस पर कार्रवाई कर देंगे। साथ ही आपत्तिजनक नारे व डीजे पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएं। एसडीओपी ने कहा कि, समाजजन सहयोग करें सौहद्रपूर्ण त्यौहार मनाएँ। पुलिस पुरा सहयोग करेगी।

पुराने विवाद का समझौता कराने के लिए बुलाया फिर कर दी मारपीट, तीन पर केस दर्ज

सोनकच्छ, निप्र। फरियादी अभयजीत बघेल ने उसके दोस्त हर्ष तिवारी के आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह एलएलबी 8 सेमस्टर में पढ़ाई करता है। उसका व सत्यम दांगी से कालेज के समय का पुराना विवाद है। बुधवार सुबह करीबन 9 बजे शिवम दांगी ने उसे फोन करके बोला कि तुम्हारा और सत्यम का समझौता करा देते है तो फरियादी व उसका दोस्त हर्ष तिवारी, शुभम जाधव तहसील के सामने सावेर सोनकच्छ पहुंचा वहां सत्यम, शिवम, अश्विन मिले यह लोग बैठकर बातचीत कर रहे थे तभी सत्यम, शिवम, अश्विन उसे अश्लील गालियां देने लगे गालियां देने से मना किया तो सत्यम ने उसे चांटा मारा व अश्विन दांगी ने साथ लाये लोहे की पाईप से मारा जो उसे दोनो हाथ पर चोटे लगी, जिसमें उल्टे हाथ में फ्रेक्चर हो गया और बीच बचाव हर्ष ने किया तो अश्विन ने हर्ष के साथ भी थप्पड मुक्की से मारपीट की जिससे उसे दोनो गाल, पीठ पर, दाहिने हाथ की अंगुली पर चोट लगी व अश्विन नागर ने हर्ष की बलेनो गाडी क्रमाक एमपी 09.डब्लूई. 1273 कांच फोड दिया। दीपक नागर व आकाश नागर ने बीच बचाव किया तो यह तीनो जाते जाते बोले कि आज तो बच गया है आईंदा तेज चला तो जान से खत्म कर देंगें। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

वृद्ध पिता को मानसिक रोगी बताकर संपत्ति हड़पने का प्रयास

विनय उजाला

देवास, निप्र। जिले के हाटपीपल्या से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां पारिवारिक जमीन के विवाद में वृद्ध स्वस्थ पिता को मानसिक रोगी बताकर सहमति से पारिवारिक बंटवारे के बावजूद अपने वृद्ध पिता और सगे भाई को पिता की अचल संपत्ति से वंचित किया जा रहा था।

कलेक्टर के समक्ष जनसुनवाई में आवेदक अजय सिंह ने आवेदन देकर उक्त जानकारी से अवगत कराया। जिसमें बताया गया कि सूरजसिह के दो पुत्र चेतनसिह और आनंद सिंह के बीच उनकी पारिवारिक अचल संपत्ति का नोटराइज्ड बंटवारा पूरे परिवार की उपस्थिति में कर दिया गया था। जिस पर आनंद सिंह द्वारा लालच के चलते बंटवारे से बाहर जाकर चेतनसिह के हिस्से में आई भूमि ग्राम नीमखेडा तहसील उदयनगर का विक्रय कर संपूर्ण राशि अपने बैंक खाते से ले ली। जिस पर चेतनसिह को जानकारी मिलने पर राजस्व और पुलिस प्रशासन में शिकायत दर्ज करवाई लेकिन आनंद सिंह द्वारा तहसीलदार उदयनगर से मिलकर आपत्ति की सुनवाई किए बगैर नामांतरण कर दिया. इस पर आनंद सिंह ने पुलिस प्रशासन से मिलकर चेतनसिंह और उनके दोनों पुत्रों के विरुद्ध फर्जी रजिस्ट्री की कायमी करवा दी। जबकि मामला कहीं से कही तक फौजदारी का नहीं होकर सिविल प्रकृति का है। इस पर पुलिस से मिलकर आनंदसिह द्वारा

चेतनसिंह और उसके परिवार को बहुत प्रताडित किया गया। चेतनसिंह और उसके पुत्रों की जमानत रद्द करवाने के लिए एक अन्य प्रकरण भी ऊपर से कायम करवा कर न्यायालय में जमानत रद्द करने का आवेदन दे दिया। पीडित पक्ष का आरोप है कि जांच अधिकारी भीमलाल गणवा ने पूर्वागृह से ग्रसित होकर आनंदसिंह के इशारे पर कार्यवाही की और तीन बार थाने पर शिकायत देने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं की यहां तक कि हेल्पलाइन पर की गई शिकायत पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई. आरोपी खुलेआम धमकी देते रहे कि तुम कुछ नहीं कर पाओगे क्योंकि पुलिस और सत्ता हमारी जेब में है। आनंद सिंह लगातार झूठे दस्तावेज और बयान देकर कभी पिता को कभी मानसिक रूप से अस्थिर बताकर संपत्ति पर एकतरफा कब्जा कर रहे हैं, पीडित ने आवेदन के माध्यम से बताया कि उनके द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायतों पर कोई उचित कार्रवाई नहीं हुई। पूरे षड्यंत्र में आनंद सिंह ने अपने लड़के युवराज सिंह, गौरव पटेल, ट्रैक्टर चालक सचिन पटेल और अन्य लड़कों के साथ मिलकर अंकुरित सोयाबीन की फसल पर ट्रैक्टर चलवाकर पूरी खेती को तहस-नहस कर दिया जिससे न सिर्फ आर्थिक नुकसान हुआ बल्कि पूरे परिवार को गहरा मानसिक आघात पहुंचा और जब पीडित ने इसका विरोध किया तो उन्हें धमकाया गया कि तुम्हारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता क्योंकि हमारे पास सबका समर्थन है।साथ ही हाल ही में चेतनसिह और उनके पुत्रों के हिस्से व स्वामित्व की भुमि पर अवैध रूप से अपने दो साथियों सचिन पटेल और युवराजसिंह व गौरव पटेल को ट्रेक्टर लेकर भूमि पर लगी सोयाबीन की फसल पर ट्रेक्टर चलाकर नष्ट कर कब्जा करने का प्रयास किया, आवेदन में बताया कि चेतनसिंह और उसके परिवार ने पुलिस और प्रशासन को हर बार शिकायत की किंतु उनकी सुनवाई कोई नहीं कर रहा है और उल्टे उनके ही उपर झुठी कार्यवाही कर उनको सुनियोजित ढंग से प्रताडित किया जा रहा है। जिसकी निष्पक्ष जांच कर षड्यंत्र में शामिल दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई होना चाहिए। यह सब दर्शाता है कि यह कोई सामान्य विवाद नहीं बल्कि योजनाबद्ध शोषण और जबरदस्ती का मामला है और अब पूरे परिवार को झूठे मुकदमों में उलझाकर व्यापार और सामाजिक प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाया।

यादवों के सम्मान में नारायणी सेना मैदान में

कथा वाचकों के साथ हुई घटना को लेकर राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

विनय उजाला

देवास, निप्र। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में हाल ही में भागवत कथा के दौरान कथावाचकों के साथ हुई अमानवीय घटना को लेकर पूरे देशभर में आक्रोश है। इसी कड़ी में देवास जिले के कलेक्टर ऑफिस में यादव अहीर समाज की नारायणी सेना देवास के संस्थापक सुनील यादव जिला अध्यक्ष संदीप यादव एवं समस्त जिला देवास की नारायणी सेना के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज किया। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

सुनील यादव ने बताया कि कुछ असामाजिक तत्वों ने उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में कथावाचक मुकुट मणि और संत सिंह यादव के साथ दुर्व्यवहार किया। उन्हें बेरहमी से पीटा गया, उनकी चोटी काट दी गई, सिर मुंडवा दिया गया और एक महिला के पैरों में नाक रगड़वाई गई। यह सारी घटना वीडियो में रिकॉर्ड की गई, जो अगले दिन सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। यह कृत्य सामाजिक समरसता पर गहरा आघात था, जिसे लेकर देशभर में प्रतिक्रिया देखने को मिली। इसके

बाद इटावा पुलिस हरकत में आई और कथावाचकों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पांच युवकों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, विवाद यहीं नहीं थमा। कथावाचकों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर दी गई, जिससे यादव और ब्राह्मण समाज के बीच टकराव की स्थिति बन गई। इस पूरे मामले से आक्रोशित नारायणी सेना ने देवास कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। नारायणी सेना के उपस्थित सभी कार्यकताओं ने कहा कि यह घटना न केवल सामाजिक असमानता को दर्शाती है, बल्कि यह धर्म और जाति के नाम पर फैलाए जा रहे भेदभाव की भी एक निंदनीय मिसाल है। जो भी लोग इस घटना के पीछे हैं, उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और कथावाचकों को न्याय मिलना चाहिए। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या आज भी समाज जातीय भेदभाव से उबर नहीं पाया है? क्या धर्म की व्याख्या केवल जाति के आधार पर की जाएगी? जहां एक ओर कानून समानता और सम्मान की बात करता है, वहीं दूसरी ओर ऐसी घटनाएं समाज के भीतर गहरे विभाजन को उजागर करती हैं। नारायणी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर दोषियों पर जल्द और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई, तो वे प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार से इस मुद्दे को संज्ञान में लेकर आवश्यक कदम उठाने की अपील की गई है। इस अवसर पर नारायणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष सजन यादव, कपिल यादव ओकर यादव,तहसील अध्यक्ष दीपक यादव, आंनद यादव, प्रदीप यादव, अजय यादव आदि उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले में 1100 पौधे रोपे गए

विनय उजाला

देवास, निप्र। हरित मध्यप्रदेश'' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा मंत्री राकेश सिंह के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक पहल के तहत जिले में लोक निर्माण विभाग द्वारा मंगलवार को 1100 पौधों का रोपण किया गया। अभियान के तहत विधायक देवास गायत्रीराजे पवार एवं कलेक्टर ॠतुराज सिंह ने सर्किट हाउस देवास में, विधायक हाटपीपल्या मनोज चौधरी ने रेस्ट हाउस परिसर देवास में, विधायक सोनकच्छ डॉ. राजेश सोनकर ने सोनकच्छ में पौधारोपण किया। अभियान के तहत नीम, पीपल, अर्जुन, आम, अमरूद, कचनार, गुलमोहर जैसे छायादार और फलदार पौधों का रोपण किया गया। विभाग द्वारा केवल पौधे लगाने तक ही सीमित नहीं रहते हुए पौधों के संरक्षण और नियमित देखरेख की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक स्थान पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को पौधों की सिंचाई, सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभागीय पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से निगरानी प्रणाली भी तैयार की गई है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान में, गीत से गूंज उठी प्रेरणा रैली

विनय उजाला

सतवास/देवास, निप्र। सांदीपनि शाउमावि सतवास के छात्र - छात्राओ एवं सम्पूर्ण स्टॉफ के द्वारा संकुल प्राचार्य आशा जोशी के मार्गदर्शन में,एक प्रेरणा रैली का आयोजन किया गया।

पौधा रोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के पावन संदेश को देने वाली इस रैली में छात्र - छात्रा अपने हाथों में, गमलो में पौधे लेकर चल रहे थे और इको क्लब प्रभारी शिक्षक मनोज दुबे के द्वारा रचित गीत एक पेड़ माँ के नाम - एक पेड़ माँ के नाम... गाते चल रहे थे। इस गीत की प्रेरणादायी पंक्तियों को छात्र - छात्रा समूह गान के रूप में गा रहे थे, पंक्तियाँ - संकटो के बीच में आज दुनिया हे खड़ी, पर्यावरण की जिम्मेदारियां बड़ी, जिसकी पूजा करते हे, उसके नाम रोपेगें, सारे बच्चे धरती माँ को एक पौधा सोपेंगे।

सारी की सारी धरती बनेगी तीर्थ धाम..

एक पेड़ माँ के नाम - एक पेड़ माँ के नाम.. कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन सुरेश रानिया ने किया। कार्यक्रम में रेवाराम हरियाले, सुभाष मान्धन्या, दीपिका जोशी,अशोक शर्मा, चन्द्र शेखर जोशी, मकबूल खान, हीरालाल बर्मन, गणेश धूर्वे, रागिनी मैडम, हबीब शेख, सुनील राठौर , सुरेन्द्र नागेशिया, तोताराम सोनेर, पंकज बैरागी, हबीब खान, चिंतामणि बैरागी, सुमित बोहरे, अलकेश राठौर, प्रदीप यादव, श्रीराम चौहान, विनोद मालवीय, आनंद शर्मा, गजानंद यादव, मनोज राठौर, संतोष भास्कर, सुदामा यादव, राहुल पचार, माया उपाध्याय, ओमप्रकाश साँवले, सावित्री चावरे, प्रमिला कर्मा, रामदीन ठाकुर का उल्लेखनीय योगदान रहा।

आलस्य ही आत्मा को परमात्मा बनने में अवरोध पैदा करता है : साध्वीजी

चम्पापुरी वासुपूज्य धाम से मुनिसुव्रत स्वामी वीरमणि धाम तक निकली नगर प्रवेश यात्रा

विनय उजाला

देवास, निप्र। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में चातुर्मास हेतु पदार्पण कर रहे साध्वीजी तत्वरसा श्रीजी के नगर प्रवेश की भव्य यात्रा आयोजित की गई। चम्पापुरी वासुपूज्य धाम से मुनिसुव्रत स्वामी वीरमणि धाम तक यह भव्य यात्रा निकाली गई।

इस वर्ष साध्वीजी श्री तत्वरसा श्रीजी, तत्वश्रेया श्रीजी, तत्वसम्प्रज्ञा श्रीजी, तत्वश्रमणा श्रीजी आदि ठाणा चार का चातुर्मास संपन्न होने जा रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन, महिला पुरुष उपस्थित रहे। प्रभु एवं गुरूदेव की जय जयकार के गगनभेदी नारों के साथ साध्वीजी की अगवानी एवं स्वागत किया गया। प्रवक्ता विजय जैन ने बताया कि मंगलवार को सुबह 7.30 बजे चम्पापुरी धाम पंचशील नगर में नवकारशी के पश्चात नगर प्रवेश की भव्य यात्रा प्रारंभ हुई जो कि भ्रमण करते हुए

श्री मुनिसुव्रत स्वामी वीरमणि धाम सिविल लाइंस पर विशाल धर्मसभा के रूप में परिवर्तित हुई। धर्मसभा को उपदेशित करते हुए साध्वीजी ने कहा कि आत्मसाधना करने में, धर्म ध्यान करने में एवं आत्मा को कल्याणमार्ग पर प्रशस्त करने वाली क्रियाओं में कभी भी प्रमाद यानी आलस्य मत करो। अर्थात संसार की सभी क्रियाएं करते हुए भी अपने आप को एवं अपनी शाश्वत आत्मा को मत भूलो। हमारी आत्मा किन उपायों से पुष्ट बनेगी उसका प्रतिपल ध्यान रखना होगा। उत्तराध्ययन सूत्र में प्रभु महावीर स्वामी ने भी अपने प्रधान शिष्य गौतम स्वामीजी को संबोधित करते हुए कहा है कि है गौतम एक समय मात्र का भी प्रमाद आलस्य मत करो। प्रभु ने कभी भी खाने पीने, घूमने फिरने, भौतिक सम्पदा खड़ी करने या इंद्रियों के सुख भोगने में आलस्य नहीं करने की बात नहीं कही। प्रभु ने तो आत्मकल्याण एवं धर्म आराधना में प्रतिरोध बनने वाले आलस्य प्रमाद को दूर हटाने की बात कही है। क्योंकि आलस्य ही आत्मा को परमात्मा बनने में अवरोध पैदा करता है। जिस प्रकार घास के अग्रभाग पर ओस के जल का बिंदू चमकता है किंतु उसकी चमक सूर्य की किरण पडने तक ही ठहरती है फिर सूख जाती है। उसी प्रकार मनुष्य का जीवन अल्पकालिक है, हम सभी को प्रमाद का त्याग करके जीवन के प्रत्येक पल का सदकार्यो में सदुपयोग करना चाहिये क्योंकि जीवन क्षणिक है न जाने किस वक्त समाप्त हो जाएगा।

आगामी आयोजन...

मुनिसुव्रत स्वामी वीरमणि उपाश्रय सिविल लाइन में चार दिवसीय प्रवचन श्रृंखला का भी शुभारंभ हुआ जो कि 4 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 9.15 बजे प्रारंभ होगी। 6 जुलाई रविवार को पूज्यश्री का चातुर्मासिक प्रवेश होगा।

स्कूलों में छात्राओं को आयरन और कैल्शियम की गोली मिल रही है या नहीं इसकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें

विनय उजाला

देवास, निप्र। सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई।

सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी बैठक आयोजित

बैठक में सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा जिले में किए जा रहे ई-केवायसी कार्य की समीक्षा की। जिसमें सबसे ज्यादा ई-केवायसी नगर निगम देवास में लम्बित पाई गई। जिसपर उन्होंने नगर निगम देवास को ई-केवायसी कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-केवायसी कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर कार्यवाही भी करें।

सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा ने किलकारी अभियान की समीक्षा कर महिला बाल विकास के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए चलाये गए किलकारी अभियान के अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे है। बच्चें कुपोषण से मुक्त होकर घर जा रहे है। उन्होंन निर्देश दिये कि सीडीपीओ अपने क्षेत्र में बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें एनआरसी में भर्ती कराये। जिससे जिले में एक भी बच्चा कुपोषित की श्रेणी में नहीं रहे।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री ज्योति शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्कूलों में छात्राओं को आयरन और कैल्शियम की गोली मिल रही है या नहीं इसकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें।

पिता ने ही की थी पुत्र की जघन्य हत्या, दोनों हाथ काटकर फेंके थे बोरवेल में

हत्या के आरोपी को न्यायालय से करवाया आजीवन कठोर कारावास

विनय उजाला

देवास, निप्र। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा जिले में ऑपरेशन संकल्प की शुरुआत की गई हैं, जिसके अंतर्गत पुलिस विवेचना को अधिक से अधिक पेशेवर एवं वैज्ञानिक बनाकर समयावधि में अभियोग पत्र न्यायालय पेश करने पर जोर दिया जा रहा हैं।

साथ ही न्यायालय द्वारा विचारण के दौरान जारी समस्त आदेशिकाओं समन एवं वारंट की प्राथमिकता से तामिली करवाई जा रही हैं ताकि गंभीर प्रकरणों में जल्द से जल्द न्यायालयीन निर्णय प्राप्त कर पीड़ित को न्याय दिलाया जा सके. गंभीर अपराधों में दोषसिद्धि होने पर स्वयं पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रकरण के विवेचक,पैरवीकर्ता एवं संपूर्ण टीम को पुरस्कृत किया जा रहा हैं जिसके चलते पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ा हैं एवं लगातार गंभीर अपराधों में दोषसिद्धि प्राप्त करने में देवास पुलिस सफल रहीं हैं. इसी तारतम्य में ऑपरेशन संकल्प के तहत 7 दिसंबर 22 को थाना बरोठा पर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि आरोपी मोहनलाल पिता रामचंद्र चौहान उम्र 46 वर्ष ग्राम बांगड़दा बरोठा जिला देवास को मृतक हरिओम ने आपत्तिजनक हालत मे देख लिया था जिस वजह से आरोपियों ने हरिओम की रस्सी से गला घोंटकर एवं दराते से दोनो हाथ काटकर हत्या कर दी. रिपोर्ट पर से थाना बरोठा में धारा 302,201,120-बी,109,34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया. प्रकरण

की विवेचना निरीक्षक शैलेन्द्र मुकाती के द्वारा की जाकर 9 दिसंबर.2022 को आरोपी को गिरफ्तार किया गया. 15 मार्च 2023 को प्रकरण का चालान न्यायालय पेश किया गया।

प्रकरण के न्यायालय में विचारण के दौरान न्यायालय द्वारा जारी समस्त आदेशिकाओं की तामीली समय से कराई गई. प्रकरण के पैरवीकर्ता जिला लोक अभियोजक गोविंद प्रसाद घाटिया द्वारा अभियोजन की उत्कृष्ट व सटीक पैरवी कर अपना पक्ष मजबूती से रखा गया साथ ही उक्त प्रकरण में विवेचक की उत्कृष्ट विवेचना के फलस्वरूप प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश आदेश कुमार जैन न्यायालय देवास ने आरोपी मोहनलाल पिता रामचंद्र चौहान उम्र 46 वर्ष ग्राम बांगड़दा के द्वारा स्वयं के पुत्र की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर उसके दोनों हाथों को दराते से काटकर खेत पर बने बोरवेल मे फैकने जैसे जघन्य अपराध कारित करने के संबंध में आजीवन कठोर कारावास एवं 2,000/- रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है. न्यायालय में चिन्हित प्रकरण के विचारण के दौरान जयवीर सिंह भदौरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवास, संजय शर्मा उप पुलिस अधीक्षक (एल/आर) देवास, प्रदीप राय तत्कालीन थाना प्रभारी बरोठा, अजय सिंह गुर्जर थाना प्रभारी बरोठा एवं कोर्ट मोहर्रिर के रुप में आर विष्णु कचनार, कोर्ट मुंशी के रुप में आर अशोक डिंडोर एवं वारंट मुंशी के रुप में आर विकास आस्के द्वारा कार्य किया गया।

पुलिस कप्तान देवास पुनीत गेहलोद के अनुसार इस वर्ष 2025 में देवास पुलिस नें हत्या के 12, हत्या के प्रयास 8, बलात्संग के 15, छेड़खानी के 7, लूट के 1, मारपीट के 16, गौवंश तस्करी के 3, मादक पदार्थ के 1 एवं धोखाधड़ी के 5 प्रकरण में न्यायालय से कठोर दण्ड दिलवाकर पीड़ितों को न्याय दिलवाया हैं। पुलिस अधीक्षक ने उल्लेखनीय कार्य करने वाली समस्त टीम को प्रशंसित करते हुए आगामी प्रकरणों में और अधिक दता से कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए केशव महाराज

नई दिल्ली(हि.स.)। अफ्रीका अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान केशव महाराज ग्रोइन इंजरी के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर सेनुरन मुथुसामी को टीम में शामिल किया गया है। ऑलराउंडर वियान मुल्डर अब महाराज की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी करेंगे।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक बयान में कहा, महाराज को यह चोट पहले टेस्ट के तीसरे दिन बल्लेबाजी के दौरान लगी थी। वह आगे की जांच के लिए स्वदेश लौटेंगे, ताकि उनकी चोट की गंभीरता का पता लगाया जा सके। बयान में यह भी कहा गया कि तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी, जिन्हें बुधवार को टीम से जुड़ना था, अब रिलीज कर दिया गया है ताकि पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाजों को एक और मौका मिल सके। दूसरा और अंतिम टेस्ट शनिवार, 6 जुलाई से शुरू होगा। साउथ अफ्रीका ने पहला टेस्ट 328 रनों के बड़े अंतर से जीतकर सीरीज में बढ़त बना ली है।

विंबलडन 2025 : फ्रेंच ओपन चैंपियन से कोको गॉफ पहले ही दौर में बाहर

लंदन (हि.स.)। फ्रेंच ओपन 2025 की चैंपियन कोको गॉफ विंबलडन के पहले ही राउंड में चौंकाने वाली हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अमेरिका की नंबर 2 वरीयता प्राप्त गॉफ को यूक्रेन की गैरवरीय डयाना यास्त्रेम्स्का ने सीधे सेटों में 7-6(3), 6-1 से हरा दिया। यह मुकाबला मंगलवार देर रात को प्रतिष्ठित नंबर 1 कोर्ट पर खेला गया। 21 वर्षीय गॉफ इस हार के साथ ओपन एरा में केवल तीसरी महिला बन गई हैं, जो फ्रेंच ओपन जीतने के बाद अगले ही ग्रैंड स्लैम यानी विंबलडन के पहले दौर में हार गईं। इससे पहले यह दुर्भाग्य जस्टिन हेनेन (2005) और फ्रांसेस्का स्कियावोने (2010) को झेलना पड़ा था। गॉफ के लिए यह मुकाबला बेहद निराशाजनक रहा। उन्होंने केवल छह विनर लगाए, जबकि 29 अनफोर्स्ड एरर किए, जिनमें नौ डबल फॉल्ट शामिल थे। वहीं यास्त्रेम्स्का ने 16 विनर लगाते हुए दबदबे के साथ मुकाबला अपने नाम किया।

टीम इंडिया ने इंग्लैंड को दूसरे टी-20 में 24 रन से हराया

ब्रिस्टल (हि.स.)

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने एक बार फिर इंग्लैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार देर रात दूसरे टी20 मुकाबले में 24 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। भारत की जीत में जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अर्धशतक जमाकर अहम भूमिका निभाई, जिसके बाद गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को लक्ष्य से दूर रखा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत मिश्रित रही। स्मृति मंधाना ने पहली ओवर में दो चौकों से शुरुआत की, लेकिन जल्दी ही भारत को झटके लगे। शैफाली वर्मा एक बार फिर फ्लॉप रहीं और कप्तान हरमनप्रीत कौर भी केवल 1 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। पावरप्ले तक भारत का स्कोर 35/3 था।

जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने पारी को संभाला। दोनों ने मिलकर रनगति को तेज किया और 14वें ओवर से मैच का रुख बदल दिया। रोड्रिग्स ने लगातार चौकों और छक्कों की बरसात करते हुए अर्धशतक पूरा किया। वहीं अमनजोत कौर ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 63 रन बनाए। अंतिम ओवरों में ऋचा घोष (32* रन, 20 गेंद) ने तेजी से रन जोड़े और भारत ने 20 ओवरों में 181/4 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में सोफिया डंकले रन आउट हो गईं और डैनी व्याट-हॉज पहली गेंद पर ही आउट हो गईं। नट साइवर-ब्रंट ने कुछ आक्रामक शॉट जरूर लगाए, लेकिन वह भी ज्यादा देर टिक नहीं पाईं। इसके बाद टैमी ब्यूमोंट (54 रन) और एमी जोन्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। ब्यूमोंट ने चार साल बाद अपना पहला अर्धशतक पूरा किया, लेकिन एक बेहतरीन थ्रो पर वह रन आउट हो गईं। इसके बाद भारत की गेंदबाजों ने इंग्लैंड की रनों की रफ्तार पर लगाम लगाई। हालांकि सोफी एक्लेस्टन ने आखिरी ओवरों में कुछ अच्छे शॉट खेले, लेकिन वे इंग्लैंड को जीत तक नहीं पहुंचा सकीं। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 157/7 रन बनाए।

जीत के साथ जोकोविच ने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर बढ़ाए कदम

लंदन (हि.स.)

सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने फ्रांस के गैर वरीय खिलाड़ी अलेक्जेंडर मूलर को 6-1, 6-7(7), 6-2, 6-2 से हराकर विंबलडन 2025 के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ही जोकोविच ने अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। छठे वरीय जोकोविच का सामना अब अगले दौर में ब्रिटिश वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी डैन इवांस से होगा।

जोकोविच विंबलडन में रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी करने और ऑल-टाइम ग्रैंड स्लैम चैंपियन की सूची में मार्गरिट कोर्ट को पीछे छोड़ने के इरादे से मैदान में उतरे हैं।

मैच की शुरुआत में जोकोविच ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए पहला सेट 6-1 से अपने नाम किया। हालांकि दूसरे सेट में मूलर ने जोरदार वापसी करते हुए कई ब्रेक प्वाइंट बचाए और टाईब्रेक में 2-5 से पिछड़ने के बाद सेट जीतकर मैच को बराबरी पर ला दिया।

कनाडा ओपन 2025 : इरा शर्मा मेन ड्रॉ में पहुंचीं, चिराग सेन बाहर

कैलगरी, कनाडा(हि.स.)

भारतीय शटलर इरा शर्मा ने कनाडा ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है। मंगलवार को कैलगरी स्थित मार्कहैम पैन एम सेंटर में खेले गए क्वालिफायर मुकाबले में इरा ने जर्मनी की मिरांडा विल्सन को आसानी से हराया। विश्व रैंकिंग में 84वें स्थान पर काबिज इरा शर्मा ने 119वें नंबर की मिरांडा विल्सन को महज

34 मिनट में 21-9, 21-13 से हराकर मुख्य ड्रॉ में एंट्री की। यह लगातार दूसरा मौका है, जब इरा ने अपनी जर्मन प्रतिद्वंद्वी को मात दी है। इरा शर्मा पिछले सप्ताह अमेरिका ओपन में क्वालिफायर से शुरुआत कर प्री-क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थीं। अब वह मुख्य दौर के पहले मुकाबले में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा से भिड़ेंगी। उनके अलावा भारत की श्रीयंशी वालिशेट्टी और तान्या हेमंत भी महिला एकल मुख्य ड्रॉ में शामिल हैं।

पुरुष एकल में चिराग सेन को निराशा हाथ लगी, जिन्हें क्वालिफायर मुकाबले में मलेशिया के यूजीन यू ने 21-14, 21-10 से हराया। चिराग की रैंकिंग 137वीं है जबकि यूजीन 98वें स्थान पर हैं।

फीफा क्लब विश्व कप 2025

रियल मैड्रिड ने जुवेंटस को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मियामी (हि.स.)

गोंजालो गार्सिया के 54वें मिनट में किए गए शानदार हेडर की बदौलत रियल मैड्रिड ने मंगलवार देर रात हार्ड रॉक स्टेडियम में जुवेंटस एफसी को 1-0 से हराकर फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। कोच ज़ाबी अलोंसो की अगुआई वाली मैड्रिड टीम ने पूरे मैच में प्रभावशाली खेल दिखाया। मैच की एक और बड़ी खबर रही स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे की वापसी, जो बीमारी के चलते पहले मुकाबले से बाहर थे। एम्बाप्पे ने 68वें मिनट में बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान में कदम रखा और यह टूर्नामेंट में उनका पहला प्रदर्शन था। शुरुआती मिनटों में जुवेंटस के रैंडल कोलो मुआनी को केनन यिल्डिज़ के शानदार पास पर गोल करने का मौका मिला, लेकिन उन्होंने थिबो कर्टोआ को चिप करने की कोशिश की और गेंद बार के ऊपर से निकल गई। यिल्डिज़ ने फिर मिडफील्ड से तेज़ दौड़ लगाकर एक जोरदार शॉट मारा, जो ऑरेलियन चूआमेनी से डिफ्लेक्ट होकर बाहर चला गया। जुवेंटस एफसी की टीम गेंद पर

अच्छी पकड़ बना रही थी, लेकिन रियल ने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण करना शुरू किया। जुड बेलिंघम ने क्लोज रेंज से डि ग्रेगोरियो को बचाव के लिए मजबूर किया, वहीं फेडेरिको वालवर्डे ने भी लंबी दूरी से गोलकीपर की परीक्षा ली। ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड का लो क्रॉस भी खतरनाक रहा, हालांकि हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 रहा। वहीं दूसरे हाफ में रियल ने शुरुआत से ही दबाव बनाना जारी रखा।

54वें मिनट में आखिरकार रियल को सफलता मिली, जब अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के दाहिने छोर से आए क्रॉस को गोंजालो ने बेहतरीन टाइमिंग से हेड कर गोल में बदल दिया। यह टूर्नामेंट में गोंजालो का चार मैचों में तीसरा गोल रहा। जुवेंटस एफसी ने भी वापसी की कोशिश की, जिसमें पुर्तगाली विंगर फ्रांसिस्को कोंसेसाओ का लो शॉट कर्टोआ ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया। रियल की ओर से वालवर्डे ने ओवरहेड किक से फिर एक बार डि ग्रेगोरियो की परीक्षा ली। भीड़ के उत्साह के बीच एम्बाप्पे मैदान पर उतरे, जिससे 62,149 दर्शकों ने तालियों से स्वागत किया। मैच के अंतिम मिनटों में रियल के तुर्की मिडफील्डर अरदा गुलर का शॉट भी डि ग्रेगोरियो ने पैरों से रोक दिया। हालांकि अंत में गोंजालो का एकमात्र गोल ही रियल मैड्रिड की जीत के लिए काफी साबित हुआ।

जीएसटी स्लैब 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली (हि.स)। इस साल की शुरुआत में आयकर रियायतों की एक श्रृंखला के बाद केंद्र सरकार अब वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) में कटौती कर मध्य और निम्न-आय वाले घरों में राहत देने की तैयारी कर रही है। सरकार आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी की दर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी तक कम कर सकती है। इस बारे में फैसला जुलाई में होने वाली 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में हो सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि केंद्र सरकार 12 फीसदी जीएसटी टैक्स स्लैब को पूरी तरह से समाप्त करने यानी मौजूदा 12 फीसदी वाले वस्तुओं को 5 फीसदी वाले टैक्स स्लैब में लाने पर विचार कर रही है। जानकारों का मानना है कि अगर ऐसा होता है, तो वस्तुओं को उनकी प्रकृति के आधार पर 5 फीसदी या 18 फीसदी टैक्स स्लैब में स्थानांतरित किया जा सकता है। यह 2017 के बाद से सबसे बड़े जीएसटी परिवर्तनों में से एक होगा, जब देश में कर प्रणाली पहली बार पेश की गई थी। सरकार का यह कदम दैनिक उपयोग वाले सामानों के लिए कीमतों को कम करके मध्य और निम्न-आय वाले परिवारों की मदद कर सकता है।

इंदौर भाव-ताव

सोना - चांदी में मांग घटी

इंदौर (व्यापार प्रतिनिधि)। छावनी व्यापारिक मंडी (प्रति क्विंटल) - चना कांटा 6150 - 6200 विशाल चना 5900 - 5950 डंकी चना 5600 - 5650 मसूर 6100 - 6150 नई 6000 मूंग एवरेज 7200 - 7700 मूंग (गर्मी का) 8000 - 8200 उड़द (गर्मी) बेस्ट - 8300 - 8800 एवरेज मीडियम उड़द 6500 - 7800 हल्की उड़द 3000 - 5000 रुपए।

तिलहन - (प्रति क्विंटल-)- सोयाबीन 4375 - 4400 सरसों निमाड़ी बारीक 5800 - 5850 एवरेज बारीक 5000 - 5005 रुपए।

दाल भाव (प्रति क्विंटल) - तुअर दाल फूल 11000 - 11200 तुअर दाल सवा नंबर 10800 - 11000 चना दाल 8100 - 8200 एक्स्ट्रा बोल्ड 9100 मसूर दाल 7500 - 7550 मूंग दाल 9200 - 9400 मूंग मोगर 9600 - 9700 उड़द दाल 12500 - 13000 उड़द मोगर 12500 - 13000 रुपए।

तेल बाजार (प्रति 10 किलो) - मूंगफली तेल इंदौर 1470 - 1480 मुंबई 1520 - 1525 गुजरात 1485 - 1490 सोया रिफाइंड तेल इंदौर 1315 - 1320 सोया सॉल्वेंट 1255 - 1270 इंदौर पाम ऑइल 1425 - 1430 रुपए। **मावा** - 340 रुपए किलो।

इंदौर सराफा बाजार : सोना 10 ग्राम 89800 रुपए। चांदी 100000 रुपए किलो। चांदी सिक्का 1100 रुपये प्रति नग। सोना 3025 डॉलर प्रति औंस। चांदी 3343 सेंट प्रति औंस।

वित्त वर्ष की पहली तिमाही के आंकड़े जारी

कोयला उत्पादन 16.39 फीसदी बढ़ा, आपूर्ति में भी इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी

कैप्टिव और कॉमर्शियल कोयला खदानों से उत्पादन में 16.39 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। कोयला मंत्रालय के अनुसार जून 2025 में कोयला प्रेषण 17.31 मीट्रिक टन दर्ज किया गया। पिछले साल की तुलना में कोयला प्रेषण में 13.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

कोयला प्रेषण का मतलब होता है कि खनन के बाद कोयले को उपभोक्ताओं तक भेजना। इसमें आमतौर पर कोयले को कोयला खदानों से बिजली संयंत्रों, इस्पात कारखानों, सीमेंट कंपनियों या अन्य औद्योगिक इकाइयों तक ट्रांसपोर्ट करना शामिल होता है। ये आंकड़े कोयला क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन का संकेत देते हैं। यह देश भर में प्रमुख

आत्मनिर्भर भारत के लिए बड़ी उपलब्धि

ब्लॉक आवंटन में इस बढ़त से बिजली उत्पादन, इस्पात विनिर्माण और सीमेंट उत्पादन जैसे प्रमुख क्षेत्रों की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। यह वृद्धि घरेलू कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और भारत के औद्योगिक विकास को समर्थन देने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। कोयला क्षेत्र को मजबूत करना आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उद्योगों की ऊर्जा और कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाता है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान कोयला उत्पादन 15.57 मिलियन टन तक पहुंच गया। यह वृद्धि बेहतर परिचालन दक्षता और खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग का परिणाम है। कोयला मंत्रालय के जारी ग्राफ में पहली तिमाही के अंत में पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रदर्शन में लगातार सुधार हुआ है। उत्पादन और प्रेषण दोनों के आंकड़ों साल दर साल बढ़ रहे हैं।

नई खदानों को मिली अनुमति

जून 2025 में कोयला मंत्रालय ने उत्कल-ए खदान को पीक रेटेड कैपेसिटी 25 मिलियन टन के साथ उत्पादन शुरू करने की अनुमति दी। इसके अलावा ही तीन और कोयला ब्लॉकों पर आदेश जारी किए गए, जिससे आबंटित खदानों की कुल संख्या 200 से अधिक हो गई है।

सेंसेक्स 287 अंक टूटा, निफ्टी भी फिसला

नई दिल्ली

बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 287.60 अंक गिरकर 83,409.69 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 88.40 अंक गिरकर 25,453.40 अंक पर आ गया। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को शुरुआती बढ़त खोकर नीचे आ गए। अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा से पहले एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली के कारण यह गिरावट आई। कारोबारियों ने कहा कि बाजारों से विदेशी पूंजी का पलायन और वैश्विक शेयर बाजारों में मिले-जुले रुख से निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे गिरकर 85.71 (अनंतिम) पर बंद हुआ। शुरुआती उत्साह के बाद बीएसई सेंसेक्स ने अपनी गति खो दी और 287.60 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,409.69 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 546.52 अंक या 0.65 प्रतिशत गिरकर 83,150.77 पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 88.40 अंक या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,453.40 अंक पर बंद हुआ।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि में भारत का 6.7 फीसद योगदान

नई दिल्ली

भारत ने वित्त वर्ष 25 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धिशील वृद्धि में लगभग 6.7 प्रतिशत का योगदान दिया और अकेले भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की वृद्धिशील वृद्धि में 1.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। एसबीआई रिसर्च ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। भारत ने वित्त वर्ष 25 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धिशील वृद्धि में लगभग 6.7 प्रतिशत का योगदान दिया और अकेले भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की वृद्धिशील वृद्धि में 1.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर भारत के मजबूत प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया है, जिसने वित्त वर्ष 25 के दौरान वैश्विक जीडीपी में कुल वृद्धि में 297 बिलियन अमरीकी डॉलर जोड़े। इसमें कहा गया है, वैश्विक स्तर पर, भारत ने वित्त वर्ष 25 में वृद्धिशील वैश्विक जीडीपी में लगभग 6.7 प्रतिशत का योगदान दिया।

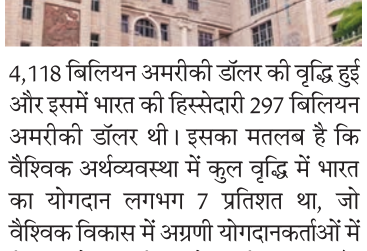

वित्त वर्ष 25 में विश्व अर्थव्यवस्था में 4,118 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई और इसमें भारत की हिस्सेदारी 297 बिलियन अमरीकी डॉलर थी। इसका मतलब है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में कुल वृद्धि में भारत का योगदान लगभग 7 प्रतिशत था, जो वैश्विक विकास में अग्रणी योगदानकर्ताओं में से एक के रूप में इसके बढ़ते महत्व और ताकत को दर्शाता है। भारत के योगदान में से, अकेले एसबीआई ने अपनी संपत्ति के आकार के माध्यम से 44 बिलियन अमरीकी डॉलर जोड़े। एसबीआई का यह योगदान वित्त वर्ष 25 में वैश्विक जीडीपी में कुल वृद्धि का लगभग 1.1 प्रतिशत है। बैंक का सकल मूल्य वर्धन वित्त वर्ष 25 में 1,38,533 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 24 में 1,32,157 करोड़ रुपये था। यह एसबीआई के मूल्य वर्धन में साल-दर-साल 5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

स्टेट बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशन को दिया झटका, ऋण खाता फ्रॉड घोषित

नई दिल्ली, (हि.स)

सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस को बड़ा झटका दिया है। बैंक ने कंपनी के ऋण खाते को 'धोखाधड़ी' के रूप में वर्गीकृत करने के साथ ही पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को रिपोर्ट करने का फैसला भी किया है।

रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से इस संबंध में 23 जून का एक पत्र मिला है। कंपनी ने नियामक को बताया कि एसबीआई की धोखाधड़ी पहचान समिति ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में

अनुमोदित समाधान योजना की समीक्षा

उल्लेखनीय है कि यह कार्रवाई जून, 2019 में अपनी कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू होने से पहले रिलायंस कम्युनिकेशंस द्वारा प्राप्त क्रेडिट सुविधाओं के संबंध में है। तब से कंपनी के मामलों को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), मुंबई बेंच की देखरेख में रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल अनीश निरंजन नानावटी द्वारा प्रबंधित किया गया है, जो वर्तमान में एक अनुमोदित समाधान योजना की समीक्षा कर रहा है।

वर्गीकृत करने का निर्णय लिया है। बैंक ने कहा कि वह आरबीआई के मास्टर निर्देशों और परिपत्रों के अनुरूप ऋण खाते और अनिल अंबानी के नाम की जानकारी केन्द्रीय बैंक को देने की कार्रवाई शुरू करने जा रहा है। 30 जून को प्राप्त पत्र में विभिन्न अनियमितताओं का हवाला दिया गया है, जिसमें रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) और अन्य समूह कंपनियों सहित संबंधित संस्थाओं के माध्यम से संभावित फंड डायवर्जन और ऋण शर्तों का उल्लंघन शामिल है। एसबीआई ने उल्लेख किया कि ये निर्णय कई कारण बताओ नोटिस और फोरेंसिक ऑडिट की जांच के बाद लिया गया है।

इससे पहले नवंबर, 2024 में केनरा बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के खाते को भी धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था, जिस पर इस साल की शुरुआत में बॉम्बे हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस-राजद को बस कुर्सी चाहिए, भाजपा की प्रेरणा सिर्फ राष्ट्र निर्माण: राजनाथ सिंह

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और राजद पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियों का सिर्फ एक ही मकसद है, किसी भी तरह सत्ता में बने रहना। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य हर भारतीय नागरिक को सम्मानजनक जीवन देना और ऐसी नीतियां बनाना है जिससे समाज के हर वर्ग का विकास हो सके। रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हर किसी को स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई ऐसे प्रभावी कदम उठाए हैं, जिनकी पहले कभी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि लोग यह सोच भी नहीं सकते थे कि कोई केंद्र सरकार इतना बड़ा आर्थिक बोझ उठा सकती है।

उन्होंने कहा कि अगर वह सारी योजनाओं की विस्तार से चर्चा करने लगेंगे तो बहुत लंबा समय लग जाएगा, लेकिन सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी नीतियां बनाई हैं जिनसे समाज के हर वर्ग को फायदा मिला है। ऐसा कोई वर्ग नहीं बचा जिसके लिए सरकार ने काम न किया हो। राजनाथ सिंह ने दोहराया कि हर वर्ग को आत्म-सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित करना भाजपा सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है और जल्द ही तीसरे स्थान पर होगी। उन्होंने कहा कि लोगों को भरोसा रखना चाहिए कि बिहार भी तेजी से आगे बढ़ेगा और विकास की इस यात्रा में पीछे नहीं रहेगा।

पर्यटन के लिए प्रचार का जरिया बना केरल में फंसा अत्याधुनिक ब्रिटिश विमान

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। बीते महीने तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करने वाला ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एफ-35बी लाइटनिंग फाइटर जेट अब अनजाने में ही केरल पर्यटन का प्रचार कर रहा है। यह अत्याधुनिक स्टेल्थ फाइटर जेट फिलहाल तकनीकी खराबी के कारण इस हवाई अड्डे पर खड़ा है और मरम्मत का इंतजार कर रहा है। लेकिन अब यह सैन्य मामला सिर्फ एयरबेस या सेना तक सीमित नहीं रह गया। अब इसे यात्रा और पर्यटन की दुनिया में एक रचनात्मक अंदाज में देखा जा रहा है। केरल टूरिज्म के एक्स हैंडल पर एक नया पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें फाइडर जेट को केरल के नारियल के पेड़ों और हरे-भरे खूबसूरत बैकड्रॉप के सामने दिखाया गया है। पोस्टर में मजेदार अंदाज में लिखा है, केरल इतनी कमाल की जगह है कि अब यहां जाने का मन ही नहीं करता। जरूर सिफारिश करूंगा। इसे मजाक में यूके एफ-35बी का बयान बताया गया है। ऑनलाइन चर्चा सिर्फ इस पोस्टर तक सीमित नहीं रही।

भगदड़ मामले में हाईकोर्ट पहुंची सरकार निलंबित आईपीएस को बहाल करने के कैट के आदेश को दी चुनौती

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने बुधवार को हाईकोर्ट में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कैट ने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार विकास को बहाल करने का आदेश दिया है। विकास को बीते महीने बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ के बाद निलंबित कर दिया गया था। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे। कर्नाटक सरकार ने तर्क दिया है कि निलंबन को उचित ठहराने वाली सामग्री रिकॉर्ड पर रखने के बावजूद न्यायाधिकरण सही परिप्रेक्ष्य में इसका आकलन करने में विफल रहा।

गौरतलब है कि केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने एक जुलाई को विकास के निलंबन को रद्द कर दिया था और राज्य की कार्रवाई को ठोस आधारों के अभाव में हुई कार्रवाई करार दिया था। अपने फैसले में कैट ने कहा है कि अधिकारी के ऊपर कार्रवाई का कोई ठोस आधार नहीं है। बीके श्रीवास्तव और संतोष मेहरा की पीठ ने राज्य सरकार को विकास को तुरंत बहाल करने का निर्देश दिया था। अब राज्य सरकार ने कैट के इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट के समक्ष याचिका दायर की, जिसमें कहा कि कैट ने पूर्ण विभागीय जांच के लाभ के बिना घटना पर निर्णय लेकर अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण किया है। इसने न्यायाधिकरण के तर्क को विकृत और निलंबन से संबंधित स्थापित कानूनी सिद्धांतों के साथ असंगत बताया। हालांकि हाई कोर्ट ने अब तक राज्य की याचिका पर सुनवाई निर्धारित नहीं की है।

हेलिबॉर्न ऑपरेशन के साथ सेना ने सड़कों पर उतारे चीता और चेतक हेलिकॉप्टर

जोधपुर, (हि.स.)। भारत-पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर इन दिनों राजस्थान के थार इलाके में भारतीय सेना की दक्षिणी कमांड ने जिस प्रकार से हाई-इंटेंसिटी युद्धाभ्यास की कमान संभाली है, वह न केवल देश को सुरक्षा का नया भरोसा दे रहा है, बल्कि यह भी दर्शा रहा है कि भारत अब युद्ध नहीं चाहता, पर युद्ध के लिए हर क्षण तैयार है। यह अभ्यास सामान्य रूटीन ड्रिल नहीं है अपितु एक ऐसा बहुस्तरीय अभ्यास है जिसमें युद्ध के हर पहलू को व्यावहारिक स्तर पर परखा जा रहा है। थार रेगिस्तान में सैनिक लड़ाकू हेलिकॉप्टर से जमीन पर उतरे और आतंकियों को खत्म कर वापस हेलिकॉप्टर में चढ़कर उड़ान भरी।

सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार बॉर्डर की सड़कों पर युद्ध के हालात के प्रदर्शन में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने में भारतीय सेना के हेलिकाप्टर सबसे आगे रहे। दरअसल, सीमांत क्षेत्रों में घुसपैठ, ड्रोन हमले, साइबर अटैक और मल्टी-डोमेन वारफेयर एक साथ उत्पन्न हो सकते हैं। ऐसे में भारतीय सेना की तैयारियों का आंकलन करना और उन्हें धरातल पर उतारना समय की मांग भी है और चुनौती भी। इस अभ्यास में सेना के टैंक भी शामिल हुए और टारगेट को सफलतापूर्वक नष्ट किया।

एम्स ने स्टडी के बाद किया दावा

कोरोना टीकों की वजह से नहीं जा रही लोगों की अचानक जान

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि कोरोना वैक्सीन और हार्ट अटैक की वजह से होने वाली अचानक मौतों में कोई संबंध नहीं है।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) की ओर से किए गए गहन अध्ययन के आधार पर मंत्रालय ने यह बात कही है। कोरोना महामारी के बाद कई लोग चलते, फिरते, नाचते-गाते अचानक दम तोड़ते दिखे। एक के बाद एक इस तरह के चौंकाने-डराने वाले वीडियो सामने आए और कई लोगों ने इन मौतों के लिए कोरोना टीकों पर शक जाहिर करना शुरू कर दिया था।

18 से 45 साल की उम्र के युवाओं पर की स्टडी

रिलीज के मुताबिक, आईसीएमआर और एनसीडीसी की ओर से 18 से 45 साल की उम्र के युवा लोगों की अचानक होने वाली मौतों को समझने के लिए अध्ययन किया गया। दो अलग-अलग तरीके से रिसर्च किया गया एक पुराने डेटा के आधार पर और दूसरा रियल टाइम जांच के आधार पर। दूसरा अध्ययन एम्स और आईसीएमआर की ओर से किया जा रहा है। इसके जरिए युवाओं की अचानक मौतों की वजहों को समझने की कोशिश की जा रही है। डेटा के शुरुआती विश्लेषण से पता चलता है कि हार्ट अटैक या मायोकार्डियल इन्फार्क्शन अचानक मौतों की सबसे बड़ी वजहें हैं।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, आईसीएमआर और नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल (एनसीडीसी) की ओर से किए अध्ययन ने इस बीत की पुष्टि की है कि भारत में कोरोना वैक्सीन के टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं। गंभीर साइड इफेक्ट्स के मामले बेहद दुर्लभ हैं। बयान में कहा गया है कि अचानक कार्डिएक अरेस्ट वाली मौत के कई कारक हो सकते हैं जिनमें जेनेटिक्स, लाइफ स्टाइल, पहले से मौजूद समस्याएं और कोरोना के बाद की जटिलताएं शामिल हैं। मंत्रालय की ओर से कहा गया, 'अचानक कार्डिएक अरेस्ट मौतों के कई कारक हो सकते हैं, जिनमें जेनेटिक्स, लाइफस्टाइल, पहले से मौजूद समस्याएं और कोरोना संक्रमण की जटिलताएं शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने दोहराया है कि कोरोना टीकों और अचानक मौतों को जोड़ने वाले बयान गलत और भ्रामक हैं। वैज्ञानिकों ने इनका समर्थन नहीं किया है।'

ट्रंप का ममदानी पर तीखा हमला

मैं इस कम्युनिस्ट पागल को न्यूयॉर्क तबाह नहीं करने दूंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर विवादास्पद बयान दिया है, अपने आधिकारिक हैंडल से उन्होंने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मैं इस कम्युनिस्ट पागल को न्यूयॉर्क को नष्ट नहीं करने दूंगा।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में कम्युनिस्ट पागल शब्द का इस्तेमाल किया है, लेकिन उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया. ट्रंप ने लिखा कि निश्चिंत रहें, मेरे पास सभी लीवर हैं, और मेरे पास सभी कार्ड हैं। मैं न्यूयॉर्क शहर को बचाऊंगा और इसे फिर से हॉट और ग्रेट बनाऊंगा। ठीक वैसे ही जैसे मैंने यूएसए के साथ किया था।

ट्रंप ने भले ही अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, हालांकि एक्सपर्ट्स का मानना है कि उनका निशाना ममदानी की ओर है, जिन्होंने हाल ही में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत हासिल की है, इसके बाद वह विवादों में आ गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक, रिपब्लिकन नेता और दक्षिणपंथी समूह ममदानी की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने के साथ ही देश से बाहर निकालने की मांग तक कर रहे हैं।

क्यों निशाने पर हैं ज़ोहरान ममदानी?

33 वर्षीय ज़ोहरान ममदानी ने हाल ही में न्यूयॉर्क सिटी के डेमोक्रेटिक मेयर प्राइमरी में पूर्व मेयर एंड्रयू कुओमो को हराकर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद से ट्रंप ने उन्हें लगातार साम्यवादी, अक्षम, और खतरनाक नेता बताते हुए हमले तेज़ कर दिए हैं। ट्रंप ने कहा कि वो 100 प्रतिशत कम्युनिस्ट पागल हैं, उनका चेहरा भी ठीक नहीं दिखता और वो बहुत ज़्यादा समझदार भी नहीं हैं।

ट्रंप की गिरफ्तारी की धमकी

ममदानी के आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट) को गैरकानूनी प्रवासियों की गिरफ्तारी से रोकने के रुख को लेकर ट्रंप ने और आक्रामक रुख अपनाया. उन्होंने कहा कि अगर वो संघीय एजेंसियों की बात नहीं मानते, तो हमें उन्हें गिरफ्तार करना पड़ेगा। हमें अपने देश में एक कम्युनिस्ट नहीं चाहिए, लेकिन अगर है, तो मैं उसकी हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखूंगा।

ममदानी ने ट्रंप की धमकी को तानाशाही प्रवृत्ति करार दिया

जोहरान ममदानी ने ट्रंप की धमकी को तानाशाही प्रवृत्ति करार दिया और कहा कि वे डरने वाले नहीं हैं. उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने मुझे गिरफ्तार करने, नागरिकता छीनने, डिटेंशन कैंप में डालने और निर्वासित करने की धमकी दी। वो भी इसलिए क्योंकि मैं आईसीई को हमारे शहर में दहशत नहीं फैलाने दूंगा. यह सत्ता का दुरुपयोग है।

ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे पर कांवड़ियों से भरा ट्रक पलटा, तीन की मौत, 19 घायल

नई टिहरी,(हि.स.)

ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे पर नरेंद्रनगर थाना क्षेत्र के ताछला के पास बुलंदशहर (यूपी) से गंगोत्री जा रहे कांवड़ियों का ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में तीन कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हो गए।

घायलों को पीएचसी फकोट में प्राथमिक उपचार के बाद 15 को हायर उप जिला अस्पताल नरेंद्रनगर और तीन गंभीर घायलों को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए तत्काल राहत व उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।वन मंत्री सुबोध उनियाल ने नरेंद्रनगर अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल व एसएसपी आयुष अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया।

दुर्घटना में ट्रक के नीचे दबने से तीन कांवड़ यात्रियों - विक्की (27) पुत्र महेंद्र, सुनील सैनी (42) पुत्र मील चंद और संजय सिंह (46) पुत्र राम सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई, जो सैनियों की बड़ी चौपाल, मोहल्ला कास्तवाडा, जिला बुलंदशहर, सिकंदराबाद, यूपी के निवासी थे।

यूएनएससी में पाकिस्तान की ताजपोशी पर गरमाई सियासत

कांग्रेस बोली- दिखावे से नहीं चलती कूटनीति

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता मिलने पर कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी ने इसे भारत की कूटनीतिक विफलता बताया और सवाल उठाया कि पाकिस्तान जैसे देश, जो खुद आतंकवाद फैलाने में शामिल है, उसे वैश्विक मंच पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी कैसे मिल गई। दरअसल, पाकिस्तान ने मंगलवार को घोषणा की कि वह जुलाई महीने के लिए यूएनएससी का अध्यक्ष बनेगा। पाकिस्तान जनवरी 2025 से सुरक्षा परिषद में गैर-स्थायी सदस्य है। इसके अलावा पाकिस्तान को तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष भी बनाया गया है।

बंगलूरू में पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पाकिस्तान जैसे देश को यूएनएससी का अध्यक्ष बनाना वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि आतंक फैलाने वाला देश अब वैश्विक सुरक्षा का संरक्षक बन गया है। यह भारत सरकार के लिए शर्मनाक है। सुरजेवाला ने कहा कि पाकिस्तान का इतिहास आतंकियों को पनाह देने, आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत में हमले करवाने का रहा है। हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले को भी उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित हमला बताया। साथ ही उन्होंने ये भी कहा ऐसे में पाकिस्तान को इस तरह की जिम्मेदारियां मिलना भारत की कूटनीतिक विफलता का प्रमाण है।

कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर दुनिया में अपनी कूटनीतिक ताकत का ढोल पीटते हैं, लेकिन पाकिस्तान को इन जिम्मेदारियों से रोकने में असफल रहे। सुरजेवाला ने कहा कि जब 4 जून 2025 को पाकिस्तान को यूएन आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष बनाया गया, तब भी भारत ने कोई कड़ा विरोध दर्ज नहीं कराया। सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार की कूटनीति फोटो खिंचवाने और दिखावे तक सीमित रह गई है। कांग्रेस के समय में जो भरोसेमंद रिश्ते पड़ोसी देशों और एशिया के कई देशों से बने थे, वह अब टूटते जा रहे हैं। आज भारत अलग-थलग पड़ गया है। मालदीव, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देश भी हमारे साथ नहीं खड़े हैं। इतना ही नहीं, इसके साथ ही कांग्रेस ने सरकार से जवाब भी मांगा कि आखिर भारत वैश्विक मंच पर इतनी बड़ी कूटनीतिक हार का शिकार क्यों हुआ और पाकिस्तान को इन पदों पर बैठने से रोकने के लिए क्या प्रयास किए गए।

शहबाज ने कबूल कर ली हकीकत

भारत नहीं मानेगा, पाकिस्तान को जल भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी

इस्लामाबाद, एजेंसी

अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। तब से पाकिस्तान कई बार भारत से संधि को बहाल करने की गुहार लगा चुका है। लेकिन भारत की ओर से पाकिस्तान के अनुरोध को कोई तवज्जों नहीं दी गई है। यही वजह है कि अब खुद पाकिस्तान भी इस हकीकत को कबूल करने लगा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के कथित इरादों के जवाब में पाकिस्तान को अपनी जल भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। शरीफ ने यह बयान इस्लामाबाद में नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर (एनईओसी) के दौरे के दौरान दिया, जहां उन्होंने भारत पर सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को एकतरफा निलंबित करने का आरोप लगाया।

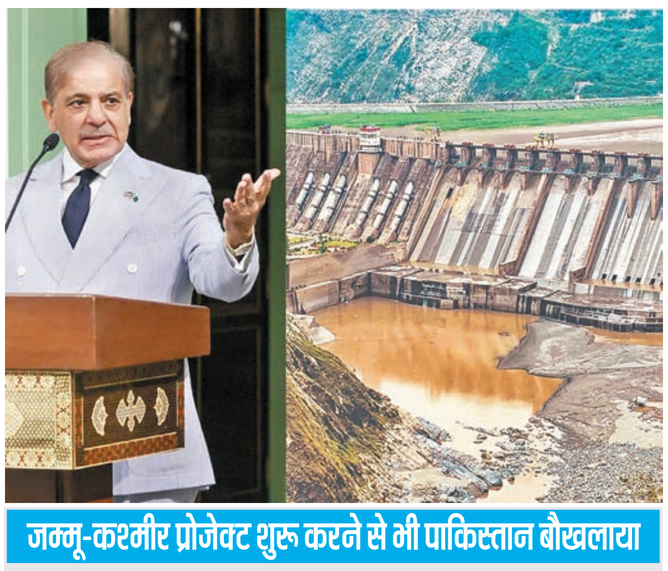

जम्मू-कश्मीर प्रोजेक्ट शुरू करने से भी पाकिस्तान बौखलाया

भारत ने जम्मू-कश्मीर में कई प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। इससे भी पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। भारत ने तुलबुल नेविगेशन परियोजना को दोबारा शुरू करने और जम्मू-कश्मीर में बांधों की डिसिल्टिंग और फ्लशिंग की प्रक्रिया को तेज करने का फैसला किया है। पाक पीएम ने इस पर भी विरोध जताया। उन्होंने कहा कि ये कदम सिंधु जल संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में खेती के लिए जल आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं। शहबाज ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान अपनी जल सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए डायमर भाषा और अन्य बांधों के निर्माण को अपने संसाधनों से तेज करेगा।

भारत के फैसलों को पाकिस्तान कड़वे घूंट की तरह स्वीकार करने लगा है। शहबाज शरीफ ने जोर देकर कहा कि अब खुद पाकिस्तान को ही अपने जल की भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। शहबाज शरीफ ने मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा, भारत ने जल संसाधनों को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश की है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। इसके जवाब में हम गैर-विवादास्पद जल भंडारण परियोजनाओं को तेजी से लागू करेंगे। पाक पीएम ने कहा कि भारत को सिंधु जल संधि को एकतरफा तौर पर निलंबित करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, लेकिन दुश्मन के पास पाकिस्तान के खिलाफ कुछ नापाक इरादे हैं और वह जल संधि के खिलाफ कदम उठाना चाहता है।

यूएस से निकाले जाने की धमकी मस्क का जवाब

बहुत मन कर रहा ट्रंप पर पलटवार करने का, लेकिन रोक रहा हूं...

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला व स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क के बीच जुबानी जंग एक बार फिर सुर्खियों में है। हालांकि इस बार एलन मस्क ने संयम दिखाते हुए महज 14 शब्दों में अपनी बात रखी। लोगों को उम्मीद थी कि मस्क एक बार फिर ट्रंप को लेकर कुछ चौंकाने वाला दावा कर सकते हैं। क्योंकि ट्रंप ने मस्क को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया है और यहां तक कह डाला कि उन्हें 'डिपोर्ट' किया जा सकता है... यानी अमेरिका से निकाला जा सकता है।

फिर आया एलन मस्क का जवाब

एलन मस्क कानूनी रूप से अमेरिका के नागरिक हैं। उन्होंने ट्रंप की इन टिप्पणियों पर बहुत ही नपे-तुले अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, बहुत मन कर रहा है पलटवार करने का। बहुत ज्यादा मन कर रहा है। लेकिन फिलहाल खुद को रोक रहा हूं। उनकी यह पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई। हजारों यूजर्स ने इसे रीपोस्ट और लाइक किया, और कई लोगों ने मस्क के संयम की तारीफ की। वहीं, कुछ ने पुराने विवाद को याद किया जब मस्क ने ट्रंप को झूठा कहा था और उन पर जिम्मेदारी से जुड़े मामलों को लेकर सवाल उठाए थे, जिसमें जेफ्री एपस्टीन का नाम भी जुड़ा था। बाद में मस्क को उस बयान के लिए माफी मांगनी पड़ी थी।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार रात को मस्क के खिलाफ एक तीखा बयान दिया। ट्रंप ने कहा कि मस्क को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सब्सिडी के बिना अपनी कंपनी बंद करनी पड़ सकती है और उन्हें दक्षिण अफ्रीका वापस जाना पड़ सकता है। ट्रंप ने लिखा, एलन मस्क को पता है कि मैं ईवी मैंडेट के सख्त खिलाफ हूं, फिर भी उन्होंने मेरा समर्थन किया। सब्सिडी के बिना, मस्क को शायद अपनी दुकान बंद कर दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़े। न रॉकेट लॉन्च होंगे, न सैटेलाइट, न इलेक्ट्रिक कार का उत्पादन। अमेरिका को इससे भारी बचत होती। ट्रंप ने यह भी कहा कि मस्क को अब तक की सबसे बड़ी सब्सिडी मिली है, और इसके बिना उनकी कंपनियां शायद टिक न पाएं। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह मस्क को निर्वासित करने पर विचार करेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, हमें इस पर विचार करना होगा।

इसी बयान में ट्रंप ने डीओजीई (डोज) का भी जिक्र किया- जो स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने इसे मजाक में कहा या किसी एजेंसी की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, क्या हमें डीओजीई से इस पर गहराई से नजर डालने को नहीं कहना चाहिए? बहुत पैसा बचाया जा सकता है! एलन को शायद वापस भेजना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

पैरा खिलाड़ी सुश्री तिवारी की राह हुई आसान, स्पोर्ट व्हीलचेयर से खेलों में कर सकेंगी श्रेष्ठ प्रदर्शन

भोपाल, निप्र। पैरा एथलीट सुश्री मनस्विता तिवारी अब और भी अच्छा प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकेंगी। उज्जैन कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा पैरा खिलाड़ी सुश्री मनस्विता तिवारी को मंगलवार को जनसुनवाई में स्पोर्ट्स व्हीलचेयर प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि सुश्री तिवारी पैरा एथलीट हैं और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मनस्विता तिवारी की माता श्रीमती कल्पना तिवारी ने बताया कि मनस्विता पैरा स्विमिंग, पैरा कैनोइंग, ताइक्कांडो खिलाड़ी है। मनस्विता ने पैरा स्विमिंग व पैरा कैनोइंग में राष्ट्रीय खेलों में 17 गोल्ड मेडल, 5 सिल्वर मेडल तथा 3 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं। वही ताइक्कांडो में 01 स्वर्ण पदक व 1 रजत पदक प्राप्त किया है। मनस्विता की बचपन से ही खेलों में विशेष रुचि रही है। वह दिव्यांग है लेकिन अपनी इस कमी को ही अपनी ताकत बनाकर वह क्षेत्र व देश का नाम रोशन कर रही है। मनस्विता को अपने खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये स्पोर्ट्स व्हीलचेयर की बहुत आवश्यकता थी, उनकी माता इसे उपलब्ध कराने में समर्थ नहीं थीं। उन्होंने जन सुनवाई में कलेक्टर उज्जैन से बात की कि शासन द्वारा यदि बेटी को व्हीलचेयर मिल सके तो वह और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकेगी। कलेक्टर ने सुश्री मनस्विता को स्पोर्ट्स व्हीलचेयर उपलब्ध कराये जाने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयती सिंह द्वारा मनस्विता को व्हीलचेयर उपलब्ध करवाई गई। मनस्विता की माता श्रीमती कल्पना तिवारी ने इस अप्रतिम सहयोग के लिए राज्य शासन का आभार व्यक्त किया है।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों की नकदी रहित उपचार स्कीम, डिवीजनल कमिश्नर को योजना की नियमित मॉनीटरिंग करने के निर्देश

भोपाल, निप्र। देश में सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिये सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी सम्पूर्ण देश में नियमित मॉनीटरिंग कर रही है। समय-समय पर यह कमेटी विभिन्न राज्यों से रिपोर्ट प्राप्त कर सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जारी गाइड-लाइन्स की समीक्षा कर सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करती है। परिवहन सचिव मनीष सिंह ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिये नगदी रहित उपचार योजना के क्रियान्वयन के लिये कलेक्टर्स को निर्देश भी जारी किये हैं। निर्देशों में बताया गया है कि यह स्कीम और गाइड-लाइन्स मई-2025 और जून-2025 में जारी हुई हैं। इसी के साथ मंत्रालय द्वारा 21 मई, 2025 को यूजर मैनेजमेंट पोर्टल भी जारी किया गया है। निर्देशों में बताया गया है कि सड़क दुर्घटना प्रकरणों में जहाँ दोषी मोटरयान के पास वैध तृतीय पक्ष बीमा कव्हरेज था, उसका भुगतान केन्द्र सरकार द्वारा साधारण बीमा कम्पनियों के सहयोग से बनाये गये फण्ड से स्टेट हेल्थ एजेंसी (एसएचए) द्वारा अस्पताल के दावे को मंजूरी दिये जाने के 10 दिनों की समयावधि में जिला कलेक्टर्स के अनुमोदन से जिला स्तर पर ही केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित फण्ड से किया जायेगा। योजना में अस्पताल से दुर्घटना तारीख से अधिकतम 7 दिनों की अवधि में प्रति व्यक्ति के लिये एक लाख 50 हजार रूपये तक के उपचार की व्यवस्था है।

नागौद सब-स्टेशन में अब डबल एक्स्ट्रा हाईटेंशन सप्लाई की सुविधा

भोपाल, निप्र। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि विंध्य क्षेत्र में विद्युत पारेषण व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण और विश्वसनीयता के लिए सतना जिले में स्थित 132 के.व्ही. सब स्टेशन नागौद को अब डबल एक्स्ट्रा हाईटेंशन सप्लाई से जोड़ा गया है। यह सब-स्टेशन अब वैकल्पिक व्यवस्था के साथ दोहरी आपूर्ति प्रणाली पर कार्य करेगा। श्री तोमर ने बताया कि पूर्व में यह सबस्टेशन एक रेडियल सब-स्टेशन के रूप में क्रियाशील था, जहां से 132 के.व्ही. की विद्युत आपूर्ति केवल 220 के.व्ही. सिल्परा (सतना) सब-स्टेशन से प्राप्त होती थी। क्षेत्र में अधिक विश्वसनीय, गुणवत्तापूर्ण एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) द्वारा 441 लाख रुपये की अनुमानित लागत से देवेन्द्र नगर से एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन अब नागौद तक विस्तारित की गई है। परिणामस्वरूप अब किसी एक सर्किट में शटडाउन या ब्रेकडाउन की स्थिति में भी उपभोक्ताओं को विद्युत बाधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता श्री राजेश द्विवेदी के अनुसार यह व्यवस्था, 132 के.व्ही. नागौद-देवेंद्रनगर (पन्ना) 27.6 किलो मीटर और 132 के व्ही नागौद -सतना 18.9 किलोमीटर लाइन के सर्किट को लाइन इन-लाइन आउट (लिलो) कर नागौद से जोड़े जाने से संभव हो सकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की ऊर्जा विभाग की समीक्षा : बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए साल भर चलाएं मेंटेनेंस गतिविधियां

स्मार्ट मीटर लगवाएं और 20 प्रतिशत सस्ती बिजली पाएं : मुख्यमंत्री

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बिजली सबकी जरूरत है। सबको जरूरत के अनुसार बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिजली सस्ती दरों पर मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर मॉडल सबसे अच्छा है, इसलिए विद्युत उपभोक्ताओं के हित में सबके घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएं। इससे उपभोक्ताओं को 20 प्रतिशत सस्ती दर पर बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट मीटर लगाने से उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभों का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें उपभोक्ता को खुद की खपत का आंकलन कर ऊर्जा का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर अपने बिजली बिल की राशि को कम से कम करने की सुविधा भी मिलती है। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को स्मार्ट मीटर लगाने की गति को और तेज करने के निर्देश दिये। बताया गया कि प्रदेश में 1.34 करोड़ घरेलू स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 21 लाख से भी अधिक घरेलू स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

विद्युत उपभोक्ताओं को सोलर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रेरित करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घरेलू हो या औद्योगिक सभी जगह विद्युत का उपयोग बढ़ रहा है। इसलिए घरेलू और औद्योगिक संस्थानों को सोलर पॉवर के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इससे उपभोक्ता अपनी बिजली स्वयं पैदा कर अतिरिक्त बिजली बेच भी सकेगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में विद्युत उपयोग को भी सोलर पॉवर से चलित पम्पों पर शिफ्ट किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जरूरत वाले जिलों में ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग यूनिट की स्थापना के लिए विभागीय नीति तैयार कर लें। उन्होंने कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं को सर्वाधिक लाभ उपलब्ध कराने के लिए ऊर्जा और नवकरणीय ऊर्जा विभाग मिलकर प्रयास करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मई-जून में विभिन्न स्थानों पर हुए विद्युत अवरोधों पर चर्चा करते हुए कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए साल भर मेंटीनेंस गतिविधियां चलाई जाएं, ताकि आंधी, पानी या अन्य किसी घटना के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने कहा कि मेंटीनेंस गतिविधियों में नई एप्रोच के साथ नए उपाय किए जाएं। नये उपकरण क्रय किये जाएं। जहां घने पेड़ हैं, उनके नीचे से गुजरने वाले बिजली के तारों में कोटिंग कराएं। पॉवर/लाईन लॉसेस कम से कम करें और ऊर्जा की बचत के सभी तरीकों पर गंभीरता से अमल करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले दो साल में तीनों विद्युत वितरण कंपनियां लाभ की स्थिति में आ जाएं इसके लिए विद्युत कंपनियां अपनी आय के साधन बढ़ाने के प्रयास करें।

वन टाइम सेटलमेंट स्कीम

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि बिजली बिल की बकाया राशि के समाधान के लिए विभाग द्वारा वन टाइम सेटलमेंट स्कीम प्रारंभ की जा रही है। घरेलू, औद्योगिक एवं वाणिज्यिक सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को उनकी मूल बिजली बिल राशि में अधिभार की छूट देकर बकाया राशि जमा करने की सुविधा दी गई है। यह स्कीम छह माह की अवधि के लिए लागू की जाएगी। इस अवधि के बाद भी बिजली बिल भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्तओं का विद्युत कनेक्शन विच्छेदित कर दिया जाएगा। उन्होंने विद्युत वितरण कम्पनियों के नये सेटअप के संबंध में भी चर्चा की। श्री तोमर ने मुख्यमंत्री द्वारा ऊर्जा विभाग के विभिन्न प्रस्तावों की स्वीकृति पर उनका आभार व्यक्त किया। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मंडलोई ने बताया कि दूसरे राज्यों की तुलना में ऊर्जा के प्रमुख सूचकांकों में (संग्रहण दक्षता में) मध्यप्रदेश देश में पहले नम्बर पर है। प्रदेश में 97.92 प्रतिशत संग्रहण क्षमता हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि विभाग ने वर्तमान वित्त वर्ष के साथ-साथ अगले तीन वर्षों के लिए अपने लक्ष्य तय कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 तक ऊर्जा विभाग बिजली दर टैरिफ में कमी लाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि इसी दौरान विभाग बिल दक्षता 90 प्रतिशत, संग्रहण दक्षता 99 प्रतिशत और एटी एण्ड सी हानि को 14 प्रतिशत तक कम कर लेने के लक्ष्य के लिए प्रयासरत है।

पीएम जन-मन में शत प्रतिशत परिवारों को विद्युतीकृत करने का लक्ष्य

बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा ने बताया कि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री जनजाति न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) में विशेष पिछड़े जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के 29 हजार 290 परिवारों के घरों को शत प्रतिशत विद्युतीकरण कर देने का लक्ष्य लिया गया है। वर्तमान वित्त वर्ष में अब तक 21 हजार से अधिक पीवीटीजी परिवारों के घरों को विद्युतीकृत कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में प्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के 55 हजार 795 परिवारों के घरों को भी शतप्रतिशत विद्युतिकृत करने की विभाग की योजना है। यह लक्ष्य इसी वित्त वर्ष में प्राप्त लिया जाएगा।

प्रदेश के छह महानगरों में खोले जाएंगे एक-एक विद्युत पुलिस थाने : अपर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश में ऊर्जा पुलिस संरचना स्थापित की जाएगी। पहले चरण में प्रदेश के छह महानगरों में एक-एक (कुल छह) विशेष विद्युत पुलिस थाने स्थापित किए जाएंगे। आगामी वर्षों में सभी जिला मुख्यालयों में यह पुलिस थाने स्थापित किए जाएंगे। ये पुलिस थाने चेकिंग अभियान के दौरान चेकिंग दस्तों को सुरक्षा उपलब्ध कराएंगे। औचक निरीक्षण करेंगे और केस डायरी भी तैयार करेंगे। विद्युत अधिनियम के तहत आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करेंगे और अदालती कार्यवाही का अवलोकन भी करेंगे।

एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में मध्यप्रदेश को फ्रंट रनर स्टेट का दर्जा

भारत-जर्मनी सहयोग से सतत विकास लक्ष्य स्थानीयकरण पर नीति आयोग की आज राज्य स्तरीय वर्कशॉप

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। सतत विकास के लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर क्रियान्वित करने में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इसी क्रम में सतत विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन में निजी उद्योग की भूमिका और सहभागिता को बढ़ाने के लिए भारत जर्मन सहयोग परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा विशेषज्ञों की राष्ट्रीय कार्यशाला भोपाल के कोर्टयार्ड बाय मैरियट भोपाल में 3 जुलाई को सुबह दस बजे से आयोजित की गई है।

कार्यशाला में मध्यप्रदेश के विभिन्न विभाग, जिलों के प्रतिनिधियों, नीति आयोग, जर्मनी की संस्था जीआईजेड के प्रतिनिधियों से सतत विकास के

लक्ष्यों और उनके स्थानीयकरण के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। मध्यप्रदेश उन राज्यों में से एक है जहां सतत विकास के लक्ष्यों के स्थानीयकरण में तेजी आई है और एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में मध्यप्रदेश को फ्रंट रनर स्टेट का दर्जा मिला। प्रदेश में उत्पादन और जिम्मेदार पूर्ण उपभोग, स्वच्छ ऊर्जा, टिकाऊ स्वच्छता, शहरीकरण, गरीबी उन्मूलन जैसे क्षेत्रों में मध्यप्रदेश में उल्लेखनीय काम हुआ है। मध्यप्रदेश के प्रयासों से 2.30 करोड़ व्यक्ति बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करते हुए मध्यप्रदेश में खाद्य सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना, स्वास्थ्य सुरक्षा हासिल करने के लिए आयुष्मान भारत और स्वच्छ भारत के प्रावधान के लिए जल जीवन मिशन में उल्लेखनीय काम हुआ है। मध्यप्रदेश देश के उन पहले राज्यों में से एक है जिसने भोपाल शहर के लिए स्वैच्छिहक स्थानीय समीक्षा की और इंदौर नगर निगम में ग्रीन म्युनिसिपल बांड के माध्यम से वित्त जुटाने में अग्रणी भूमिका निभाई।

कार्यशाला में जर्मन दूतावास और यूएनडीपी के प्रतिनिधि, भारत जर्मन सहयोग परियोजना की प्रमुख श्रीमती हेनरी पेईचर्ट, नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार श्री राजीव कुमार सेन और सतत विकास लक्षण के क्रियान्वयन से जुड़े विषय विशेषज्ञ, आर्थिक सलाहकार, कॉर्पोरेट भागीदारी से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि मई 2022 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने भारत और जर्मनी के बीच हरित और सतत विकास के लिए एक नई साझेदारी के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी भारत-जर्मनी विकास सहयोग को 2030 एजेंडा और पेरिस समझौते के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए था। इस प्रक्रिया में भारत जर्मनी सहयोग का समर्थन करने के लिए जर्मन संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्रालय बीएमजेड ने जीआईजेड संस्था के साथ साझेदारी की।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाए दी।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग कल करेगा जनसुनवाई

भोपाल, निप्र। प्रदेश की पिछड़े वर्ग की जातियों को केन्द्र की सूची में शामिल करने के संबंध में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग 4 जुलाई 2025 को भोपाल में जन सुनवाई करेगा। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री हंसराज गंगाराम अहीर और आयोग के सदस्य श्री भूवन भूषण कमल जनसुनवाई करेंगे। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की जनसुनवाई राज्य अतिथि गृह (व्हीआईपी गेस्ट हाउस) लालघाटी में 4 जुलाई को पूर्वान्ह 11 बजे से प्रारंभ होगी। इसमें मध्यप्रदेश की पिछड़े वर्ग की 32 जातियों (जो राज्य पिछड़ावर्ग की सूची में है, किन्तु केन्द्र की सूची में नहीं हैं।) को केन्द्र की सूची में शामिल करने पर सुनवाई करेंगे। उक्त जानकारी आयुक्त पिछड़ा वर्ग ने दी है।

नेशनल मीन्स कम मेरिट छात्रवृति योजना पर आज एक दिवसीय कार्यशाला

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। प्रदेश में राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना के सफल क्रियान्वयन के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा गुरुवार 3 जुलाई को राजधानी भोपाल के होटल अशोका लेक व्यू में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार श्री राघवेन्द्र खरे प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) के तहत शासकीय, अनुदान प्राप्त या नगरीय निकाय के विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 8वीं में अध्ययनरत आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली पात्र विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष रुपये 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के लिये आयोजित होने वाली चयन परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है। उक्त छात्रवृत्ति के तहत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रतिवर्ष छात्रवृति की राशि प्राप्त होती है। इसके लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर पंजीयन किया जाता है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान के साथ उच्च शिक्षा मंत्री परमार की चर्चा

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' के परिप्रेक्ष्य में कार्यों, नवाचारों से अवगत कराया

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल में भेंट कर उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा को लेकर सारगर्भित चर्चा की।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' के परिप्रेक्ष्य में राज्य शासन के नीतिगत निर्णयों, शिक्षा में किए जा रहे कार्यों एवं नवाचारों से अवगत कराया। श्री परमार ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' के अनुसरण में प्रदेश के समस्त जिलों में स्थापित किए गए प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस और उनमें भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ की स्थापना एवं प्रगति के सम्बंध में अवगत कराया। श्री परमार ने पाठ्यक्रमों में 'भारतीय ज्ञान परम्परा' के द्रुतगति से समावेश के लिए विभिन्न कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों से प्राप्त अनुशंसाओं की जानकारी भी दी। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान को उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषा के समावेश के लिए हो रहे कार्यों की जानकारी से भी अवगत कराया। श्री परमार ने विद्यार्थियों के गुणात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करने, उद्योगजगत की आवश्यकता अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की समावेशिता को बढ़ावा देने और देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए किए जा रहे कार्यों एवं प्रगति से भी अवगत कराया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, सचिव स्कूल शिक्षा डॉ संजय गोयल, आयुक्त तकनीकी शिक्षा श्री अवधेश शर्मा सहित उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर विकसित होगा 'फॉरेस्ट सफारी

जबलपुर बनेगा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का नया रूप : मंत्री सिंह

जू कम रेस्क्यू सेंटर' और ठाकुरताल पर्यटन हब भी बनेगा

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के अनुरूप वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर मध्यप्रदेश का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक शहर जबलपुर अब पर्यटन के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान की ओर अग्रसर है। पर्यटन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के उद्देश्य से मदन महल की पहाड़ियों पर स्थित ठाकुरताल क्षेत्र को एक एमिनेंट पर्यटन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना में 'फॉरेस्ट सफारी - ज़ू कम रेस्क्यू सेंटर' और संग्राम-सागर तालाब के समग्र विकास को भी सम्मिलित किया गया है। इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने वन मंडल अधिकारी श्री ऋषि मिश्रा एवं कंसलटेंट श्री दुबे के साथ विस्तृत चर्चा कर योजना की रूपरेखा तैयार की ।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बताया परियोजना को और अधिक गरिमा प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसे वीरांगना रानी दुर्गावती जी के नाम पर विकसित करने की घोषणा की है। यह निर्णय जबलपुर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव को और भी सशक्त करेगा। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने इस उपलब्धि के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार भी व्यक्त किया है।

मंत्री श्री सिंह ने बताया यह

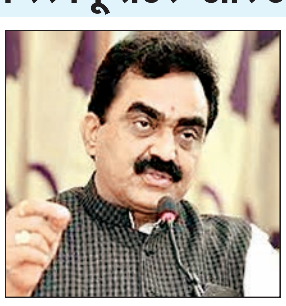

पर्यटन परियोजना लगभग 85 से 100 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित की जाएगी जिसमें पर्यटकों को प्राकृतिक वन्य जीवन और आधुनिक तकनीकों का समन्वित अनुभव मिलेगा। इस केंद्र में रोबोटिक इंटरप्रिटेशन सेंटर, बटरफ्लाई पार्क, तथा लॉन्ग कार्निवल जैसी आधुनिक सुविधाएँ शामिल होंगी, जिसमें येलो टाइगर, व्हाइट टाइगर, पैंथर, लायन और भालू जैसे आकर्षक वन्य-जीव रहेंगे। इसके अतिरिक्त रेप्टाइल हाउस में मगरमच्छ और सांप और एग्जॉटिक और नेटिव बर्ड्स के लिए विशेष क्षेत्र बनाए जाएंगे। ज़ेब्रा और जिराफ के लिए एक अलग एग्जॉटिक पार्क, वाटर इंटरप्रिटेशन सेंटर, और स्पीशीज वाइज इंटरप्रिटेशन सेंटर जैसे अनेक नवाचार इस परियोजना की विशेषता होगी।

मंत्री श्री सिंह ने बताया कि पर्यटकों को रोमांच का अनुभव देने के लिए इस पूरे क्षेत्र को संग्राम-सागर तालाब से ठाकुरताल तक ट्रैकिंग, ज़िपलाइन और बोटिंग के माध्यम से जोड़ा जाएगा, जिससे यह एक सम्पूर्ण एडवेंचर और ईको-टूरिज्म डेस्टिनेशन बन सके। ठाकुरताल क्षेत्र में फॉरेस्ट बाथिंग और व्यू प्वाइंट्स जैसे प्राकृतिक आनंद देने वाले स्थल भी विकसित किए जाएंगे।

मंत्री श्री सिंह ने कहा इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) अगले तीन माह में तैयार कर ली जाएगी, जिसके बाद विकास कार्यों की शुरुआत की जाएगी। यह परियोजना न केवल जबलपुर को पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाएगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर, पर्यावरण संरक्षण, और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगी।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते आत्मविश्वास की कहानी

ज्योति लोधी को मुद्रा योजना और आजीविका मिशन से मिली ताकत

विनय उजाला

बनीं पूरे क्षेत्र की प्रेरणा

भोपाल, निप्र। ग्राम गुनगा (विकासखंड बैरसिया) की रहने वाली श्रीमती ज्योति लोधी ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प और सरकार की योजनाएं साथ हों, तो कोई भी महिला आत्मनिर्भरता की ऊँचाइयाँ छू सकती है। कभी सीमित संसाधनों में जीवन गुजारने वाली ज्योति आज एक सफल व्यवसायी और बैंक सखी के रूप में गाँव की पहचानी जाने लगी हैं।

ज्योति ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत इंडियन बैंक से 1,00,000 का ऋण प्राप्त कर जनरल स्टोर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने स्वयं सहायता

समूह के माध्यम से 50,000 का अतिरिक्त ऋण लेकर अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाया। यही नहीं, वे अब बैंक सखी के रूप में ग्रामीणों को उनके द्वार तक बैंकिंग सुविधाएँ भी उपलब्ध करा रही हैं — जिसमें फॉर्म भरना, दस्तावेज़ों की फोटोकॉपी, और योजना संबंधी मार्गदर्शन शामिल है। इन सभी प्रयासों से उनकी मासिक आमदनी अब 13,000 से 14,000 तक पहुँच चुकी है। ज्योति का कहना है, सरकार की योजनाएँ अगर सही समय पर और समझदारी से अपनाई जाएं, तो हर महिला अपने जीवन में बदलाव ला सकती है। आज ज्योति लोधी न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, बल्कि वे अपने आत्मविश्वास और समर्पण के दम पर ग्राम गुनगा की अन्य महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन चुकी हैं। उनकी यह यात्रा दर्शाती है कि जब इच्छाशक्ति हो, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा मृणाल पब्लिकेशंस, 13, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इन्दौर से मुद्रित एवं 37/1, महादजी मार्ग, कार्तिक चौक, उज्जैन से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - पराग पांचाल *,
फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, 0734-4011949, मो. 9425910888, 9424515199, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डॉक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2016/68363.